# रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार 07 जनवरी 2025 वर्ष : 03 अंक :07 पृष्ठ -12 PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 मूल्य - ₹ 3 पटना संस्करण


## ब्रीफ न्यूज

### सोरेन मंईयां सम्मान योजना के तहत 56 लाख महिलाओं को वित्तीय सहायता पहुंचायेंगे

एजेंसी

**झारखण्ड:** झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को मंईयां सम्मान योजना के तहत 56 लाख से अधिक लाभार्थियों के खातों में दो महीने के लिए 5,000-5000 रुपये की वित्तीय सहायता पहुंचायेंगे।यह समारोह पहले पिछले वर्ष 28 दिसंबर को निर्धारित था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रीय शोक के कारण स्थगित कर दिया गया। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री नामकुम में एक भव्य कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच वित्तीय सहायता वितरित करेंगी, जिसमें तीन लाख से अधिक लाभार्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। झामुमो के एक पदाधिकारी ने बताया कि दिसंबर और जनवरी दोनों महीनों की किस्तें एक साथ हस्तांतरित की जाएंगी।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के बीच वित्तीय सहायता वितरित करेंगी,

## बीजापुर में बड़ा नक्सली हमला: सुरक्षाबलों की गाड़ी को IED लास्ट से उड़ाया,

# 9 जवान शहीद; इनमें 6 दंतेवाड़ा जिले के

**नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से एक बड़ी खबर आ रही है। नक्सलियों ने जवानों के वाहन को विस्फोट कर उड़ा दिया है। 8 डीआरजी जवान और 1 ड्राइवर समेत 9 लोग शहीद हुए हैं।**

एजेंसी

**बीजापुर।** लगातार सुरक्षाबलों से मात खाकर बौखलाए नक्सलियों ने एक बार फिर से कायराना हरकत कर दी है। बीजापुर जिले के कुटरू से बेदरे जाने वाले रास्ते पर जवानों की गाड़ी को निशाना बनाकर ब्लास्ट किया है। इस नक्सल ब्लास्ट में वाहन में सवार 8 डीआरजी जवान और 1 ड्राइवर समेत 9 लोगों के शहीद होने की प्राथमिक जानकारी मिली है। सभी जवान दंतेवाड़ा डीआरजी के बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, बीजापुर जिले के कुटरू से बेदरे के बीच अंबोली नाला पर बने पुल को ब्लास्ट से नक्सलियों ने उड़ाया है। ब्लास्ट की चपेट में वाहन आ गया।

सीएम साय ने किया ट्वीट

बीजापुर में ब्लास्ट को लेकर सीएम विष्णुदेव साय ने ट्वीट कर लिखा कि, कुटरू में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में 8 जवानों सहित एक वाहन चालक के शहीद होने की खबर अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शहीदों के परिजनों के साथ है। ईश्वर से शहीद जवानों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। बस्तर में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान से नक्सली हताश हैं और विचलित होकर ऐसी कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, नक्सलवाद के खात्मे के लिए हमारी यह लड़ाई मजबूती से जारी रहेगी। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने किया ट्वीट

बीजापुर में ब्लास्ट को लेकर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर लिखा कि, बीजापुर से आ रही खबर बेहद दुखद है। बीजापुर के कुटरू में माओवादियों द्वारा सुरक्षा बलों के वाहन पर IED ब्लास्ट किया गया है। इस दुखद घटना में हमारे 8 जवान और एक वाहन चालक के शहीद होने की सूचना है। हम सब शहीदों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनकी शहादत को कोटि-कोटि सलाम करते हैं। लोकतंत्र विरोधी ताकतों के खिलाफ हम सब एकजुट हैं। गृह मंत्री विजय शर्मा ने किया ट्वीट

बीजापुर में ब्लास्ट को लेकर गृह मंत्री विजय शर्मा ने ट्वीट कर लिखा कि, बीजापुर जिले के कुटरू में नक्सलियों की कायराना करतूत में 8 जवानों सहित एक ड्राइवर के शहीद होने की खबर हृदयविदारक व अत्यंत ही दुःखद है। ईश्वर से शहीद जवानों की आत्मा को शांति घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की प्रार्थना करता हूं। अपार दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। भारत मां के वीर सपूतों का यह सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।

## छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले पर बोले अमित शाह, व्यर्थ नहीं जाएगी जवानों की शहादत,

एजेंसी

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के आठ जवानों और एक नागरिक ड्राइवर की नक्सलियों द्वारा हत्या किए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मार्च 2026 तक भारत से नक्सलवाद को खत्म कर देगी। उन्होंने आगे कहा कि जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। गृह मंत्री ने लिखा कि बीजापुर (छत्तीसगढ़) में IED ब्लास्ट में 8 जवानों को खोने की सूचना से अत्यंत दुःखी हूँ। वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ।अमित शाह ने आगे कहा कि इस दुःख को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है, लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूँ कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे। वहीं, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा ने

### मार्च 2026 तक भारत से खत्म कर देंगे नक्सलवाद

आज IED विस्फोट में हमारे 8 जवान और एक ड्राइवर शहीद हुए हैं। मैं उनकी शहादत को नमन करता हूं, उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देता हूं। उनकी शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, जिस तरह से लगातार नक्सलियों को परास्त किया जा रहा है, उससे वे हताश हैं और ऐसी कायराना हरकतें कर रहे हैं। जल्द छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का खात्मा होगा और यहां शांति बहाल होगी।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बीजापुर IED विस्फोट पर कहा कि यह कैसे हुआ यह जांच का विषय है... अब हम इस पूरे नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए और दृढ़ता और ताकत के साथ काम करेंगे...

## जस्टिन ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता और पीएम पद से इस्तीफे का किया ऐलान

एजेंसी

**कनाडा:** कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार (6 जनवरी) को लिबरल पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी के भीतर उनपर पद छोड़ने का दबाव था। जस्टिन ट्रूडो ने पद छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा कि एक बार नया नेता चुने जाने के बाद वह प्रधानमंत्री पद से भी इस्तीफा दे देंगे।ट्रूडो ने क्या कहा ?पार्टी नेता से इस्तीफा देने की घोषणा के बाद ट्रूडो ने कहा, "मैं पार्टी नेता और प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा देने का इरादा रखता हूं, जब पार्टी एक मजबूत, राष्ट्रव्यापी, प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया के माध्यम से अपने अगले नेता का चयन करेगी। कल रात, मैंने लिबरल पार्टी के अध्यक्ष से उस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए कहा।पांच महीने पहले ट्रूडो के खिलाफ लाया गया था अविश्वास प्रस्तावट्रूडो बीते पांच महीनों से अपनी पार्टी के नेता और मुख्य विपक्षी पार्टी कंजर्वेटिव से विरोध का सामना कर रहे हैं। बता दें कि सितंबर, 2024 में कनाडा की संसद में ट्रूडो के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया गया था।

## प्रशांत किशोर की बड़ी जीत, बिना शर्त मिली जमानत, जेल से आए बाहर

एजेंसी

**पटना:** बीपीएससी अभ्यर्थियों के सपोर्ट में उतरे प्रशांत किशोर को बहुत बड़ी जीत मिली है। कोर्ट ने जमानत की सभी शर्तों को हटा दिया और उन्हें बेल दे दिया। इससे पहले प्रशांत किशोर ने शर्तों के साथ कोर्ट द्वारा दिए गए बेल को मानने से इनकार कर दिया था और बेल बॉन्ड पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया था। अब, कोर्ट ने उन्हें बिना किसी शर्त के जमानत दी है और वो जेल से बाहर आ गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रशांत किशोर रात 8 बजे शेखपुरा हाउस में मीडिया से बातचीत करेंगे।जेल से बाहर आने के बाद क्या बोले प्रशांत किशोर ?प्रशांत किशोर ने जेल से बाहर

आने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि 2 घंटे पहले, बिहार पुलिस मुझे बेउर जेल ले गई थी। लेकिन अदालत ने मेरी मांग स्वीकार कर ली और मुझे बिना शर्त जमानत दे दी। लोगों की ताकत से बड़ी कोई ताकत नहीं है।उन्होंने आगे कहा कि पहले मुझे सशर्त जमानत दी गई, लेकिन मैंने इसे अस्वीकार कर दिया और जेल जाने के लिए तैयार था। पुलिस मुझे बेउर जेल ले गई, लेकिन उनके पास मुझे वहां रखने के लिए कोई दस्तावेज नहीं थे और तब तक अदालत का अंतिम आदेश आ गया। अदालत ने हमारी मांग का संज्ञान लिया और बिना शर्त जमानत दे दी।गिरफ्तार करने के बाद पटना पुलिस ने प्रशांत किशोर को कोर्ट में पेश किया था। जहां उन्हें 25 हजार रुपए मुचलके और कुछ शर्तों के साथ बेल मिल गया था। लेकिन किशोर ने उन शर्तों को मानने से इनकार कर दिया।

## दिल्लीवालों को मोदी ने दिलाया भरोसा, भाजपा सत्ता में आई तो बंद नहीं होगी कोई कल्याणकारी योजना

एजेंसी

**नई दिल्ली:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के लोगों को आश्वासन दिया कि अगर विधानसभा चुनाव में भाजपा सत्ता में आई तो कोई भी जन कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार एक कदम आगे बढ़ेगी और योजनाओं के कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार को खत्म करेगी। आप पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि दिल्ली चुनाव में अपनी हार को देखते हुए उन्होंने झूठ फैलाना शुरू कर दिया है कि अगर बीजेपी आएगी तो इसे रोक दिया

जाएगा, उसे रोक दिया जाएगा। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं किया जाएगा।मोदी ने रोहिणी में 'परिवर्तन' रैली में कहा कि मैं दिल्ली की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूं कि बीजेपी सरकार में जन कल्याण की कोई भी योजना बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि जिन योजनाओं में आपदा लोगों ने लोगों का पैसा लूटा है, उन योजनाओं में भी ईमानदार लोगों को लगाकर पूरी ईमानदारी से चलाया जाएगा। चुनाव से पहले दिल्ली में यह मोदी का दूसरा राजनीतिक भाषण था, जहां उन्होंने आप पर बिना किसी रोक-टोक के हमला जारी रखा और दोहराया कि पार्टी दिल्ली के लिए आपदा है। यह शब्द उन्होंने शुक्रवार को अशोक विहार में अपने भाषण में गढ़ा था।

## थक चुके हैं नीतीश कुमार, रिटायर्ड अफसर चला रहे बिहार में सरकार, तेजस्वी का सीएम पर बड़ा वार

एजेंसी

**पटना:** राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हें एक ऐसा नेता बताया जो थका हुआ है और उनका दिमाग ठीक नहीं है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार थक चुके हैं और रिटायर्ड अफसरों के सहारे सरकार चला रहे हैं। कोई भी निर्णय लेने लायक नीतीश कुमार अब नहीं रहे हैं। पूरी तरीके से हाईजैक हो रखे हैं। उन्होंने कहा कि

बिहार में पुलिस ने अपराधियों के आगे घुटने टेक दिए हैं। आज भी 156 अपराधों की सूची मैंने जारी की है। तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि अब नीतीश कुमार जी की साख नहीं रही है। प्रशांत किशोर को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा कि एक कहानी लिखी गई है जिसमें एक निर्देशक, निमार्ता, फाइनेंसर, अभिनेता, वैनिटी वैन है, कौन ये करा रहे हैं किस वजह से करा रहे हैं ये हम जानते हैं। किसी को छात्रों से लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरी तरीके से एक फिल्म दिखाई जा रही है, एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है। जिससे हम अवगत हैं। ये भाजपा की बी टीम है।

## कुंभ में देने के लिए हजारों करोड़ है लेकिन... गंगासागर मेला को लेकर केंद्र सरकार पर बरसीं ममता बनर्जी

एजेंसी

**पश्चिम बंगाल :** पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वार्षिक मकर संक्रांति तीर्थयात्रा की व्यापक व्यवस्था की देखरेख के लिए गंगासागर द्वीप का दौरा किया, जिसमें लाखों श्रद्धालुओं के पवित्र स्नान के लिए जुटने की उम्मीद है। प्रौद्योगिकी, ड्रोन और उपग्रह इमेजरी की सहायता से सुचारू परिवहन, स्वच्छता और भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने, रसद का प्रबंधन करने के लिए एक मेगा नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस दौरान ममता ने केंद्र सरकार पर कई बड़े आरोप भी लगाए।ममता बनर्जी ने कहा कि लोगों को पानी के रास्ते गंगासागर आना पड़ता है। इसके लिए केंद्र सरकार को पुल बनाना था लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि अब राज्य सरकार ने पुल बनाने के लिए टेंडर मंगाया है। इसके बाद काफी सुविधा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम आशा करते हैं कि गंगासागर आने वाले सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद हो। हमने पुलिस, ढहऊ ढल्एए समेत सभी विभागों के साथ बैठकें की हैं। हमने समन्वय बैठकें भी की हैं जिससे श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।ममता ने आगे कहा कि केंद्र सरकार कुंभ मेले में हजारों करोड़ देकर सहयोग करती है लेकिन गंगासागर की तरफ वे देखते भी नहीं। उन्होंने कहा कि गंगासागर के एक तरफ सुंदरबन है, एक तरफ अरण्य, एक तरफ समुद्र, मंदिर और श्रद्धालु हैं, यह बहुत अद्भुत है। वहीं, ममता बनर्जी पड़ोसी देश बांग्लादेश की जेल से हाल ही में रिहा हुए राज्य के 95 मछुआरों को सम्मानित करेंगी।

## HMPV वायरस को लेकर दिल्ली में अलर्ट:

### सभी अस्पतालों को तैयार रहने के दिए निर्देश, सौरभ भारद्वाज बोले हमारी बारीक नजर दिल्ली सरकार ने एचएमपीवी

एजेंसी

**नई दिल्ली:** को लेकर सभी अस्पतालों को तैयार रहने के दिए निर्देश। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अत्यंत आवश्यक निर्देश जारी करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को स्थिति पर बारीक नजर रखने निर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही सभी अस्पतालों को सांस संबंधी बीमारियों में संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहने के लिए कहा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने अत्यंत आवश्यक निर्देश जारी करते हुए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को स्थिति पर बारीक नजर रखने तथा समय पर अद्यतन जानकारी के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में रहने के लिए कहा।स्वास्थ्य सचिव प्रतिदिन तीन अस्पतालों का करेंगे

निरीक्षणसौरभ भारद्वाज द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह के अनुसार दिल्ली सरकार के अधीन अस्पतालों को श्वसन संबंधी बीमारियों में किसी भी संभावित वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहना चाहिए। स्वास्थ्य सचिव को प्रतिदिन तीन सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण करने का काम सौंपा गया है, जिसकी शुरूआत सबसे बड़े अस्पतालों से होगी तथा कई प्रमुख मापदंडों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इसमें आवश्यक दवा सूची के अनुसार दवाओं की उपलब्धता, आईसीयू बेड और पीएसए ऑक्सीजन संयंत्रों और रेडियोलॉजिकल उपकरणों की परिचालन स्थिति शामिल है। निर्देश के अनुसार, अस्पतालों को तीव्र श्वसन रोगों के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं का अनुपालन करने के अलावा ओपीडी और आईपीडी काउंटरों पर डेटा एंट्री ऑपरेटरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है। ये निर्देश केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा इसकी पुष्टि किए जाने के बाद आए हैं कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कई श्वसन वायरस रोगजनकों के लिए नियमित निगरानी के माध्यम से कर्नाटक में एचएमपीवी के दो मामलों का पता लगाया है। भारद्वाज ने निर्देश में कहा, "राष्ट्रीय राजधानी में श्वसन संबंधी बीमारियों के रुझानों पर नजर रखना और ध्यान देने की जरूरत वाले किसी भी मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई करना महत्वपूर्ण है।

# मनीष कुमार गुप्ता बने दूसरी बार सीतामढ़ी के भाजपा जिलाध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

**सीतामढ़ी:** भाजपा कार्यालय सिमरा में सोमवार को आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष के पद पर दूसरी बार मनीष कुमार गुप्ता के नाम की घोषणा की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पंचायती राज विभाग मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता व पूर्व विधायक सह प्रदेश मंत्री शिवेश राम,प्रदेश सह कोषाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह,सैनिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष शाही ,प्रदेश मंत्री रीता शर्मा, विधायक मोतीलाल प्रसाद, डा मिथिलेश कुमार,पूर्व विधायक राम नरेश यादव ,पूर्व विधायक नगीना देवी,पूर्व विधान पार्षद बैद्यनाथ प्रसाद,लोकसभा संयोजक प्रो उमेश चंद्र झा मौजूद थे।चुनाव पर्यवेक्षक सह पूर्व विधायक बेबी कुमारी ने प्रदेश नेतृत्व की ओर से जिलाध्यक्ष के नाम की घोषणा की।नाम की घोषणा होते ही पूरा भाजपा जिला कार्यालय जश्न के माहौल में डूब गया। फूलमाला ,आतिशबाजी और बैंड बाजे के साथ कार्यकताओं ने दूसरी बार जिलाध्यक्ष चुने गए मनीष कुमार गुप्ता का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता ने पुष्प माला एवं अंग वस्त्र से नए जिला अध्यक्ष को सम्मानित कर शुभकामनाएं दी ।जिलाध्यक्ष ने सभी पूर्व जिलाध्यक्षों एवं अतिथियों को सम्मानित किया।नव चयनित जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने उनपर दूसरी बार भरोसा कर जो जिम्मेवारी सौंपी है उसका वे पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। 2025 विधान सभा चुनाव में वे जिले के सभी आठ सीटों पर एनडीए को जीत दिलाने का काम करेंगे। समारोह के बाद पार्टी कार्यालय से।बैंड बाजे के साथ आशीर्वाद यात्रा निकाली गई। आशीर्वाद यात्रा भाजपा कार्यालय से विश्वनाथपुर, बड़ी बाजार, शंकर चौक, राजोपट्टी, जवाहर चौक ,वीर कुंवर सिंह चौक, गांधी चौक, सरावगी चौक होते हुए रजत द्वारा जानकी मंदिर सीतामढ़ी पहुंची। जगह जगह कार्यकताओं ने नए जिलाध्यक्ष का स्वागत किया।रजत द्वार जानकी मंदिर में अध्यक्ष एवं प्रदेश के अधिकारी ने जानकी माता का दर्शन किया। यहां से आशीर्वाद यात्रा जानकी जन्मभूमि पुनौराधाम धाम पहुंची जहां मां सीता की आरती की गई। पुजारी ने मां का चढ़ा हुआ चादर से सम्मान किया। कार्यक्रम में प्रदेश प्रोटोकॉल अधिकारी रोहित कुमार ,विधायक गायत्री देवी , पूर्व विधायक गुड्डी चौधरी, रुन्नीसैदपुर भाजपा नेता राजेश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष दिनकर पंडित, चुनचुन सिंह, विशाल कुमार, दींपलाल बघेला, मनोज बैठा, जिला महामंत्री अरुण कुमार गोप ,राम आधार महतो, संजीव चौधरी, जिला मंत्री डॉ देवेश कुमार, संगीता झा, संदीप राय ,विश्वजीत पाठक, मीडिया संयोजक आग्नेय कुमार सोशल मीडिया संयोजक उमेश गिरी, कार्यालय मंत्री गोपाल कुमार ,महिला मोर्चा अध्यक्ष भारती देवी,विशाल कुमार, युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रिंस तिवारी ,ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व जिलाअध्यक्ष प्रो रामचंद्र सिंह ,बड़कू बाबू ,राम शंकर प्रसाद ,मनोज कुमार, मंडल अध्यक्ष गगन देव यादव, अंशु प्रकाश ,नवीन कुशवाहा सभी पूर्व के मंडल अध्यक्ष वर्तमान मंडल अध्यक्ष मंडल कार्यकारिणी ने भाजपा जिला अध्यक्ष का स्वागत किया एवं रोड शो कार्यक्रम में शामिल हुए।

## खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व में शामिल हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ प्रकाश पर्व पर तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, टेका मत्था

■ प्रकाश पर्व पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचकर की अरदास

■ गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन और उनके आदर्श हमें सदैव जनसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे: डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 6 जनवरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज सिखों के दशम गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। इस मौके पर वे तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचे और मत्था टेका। इस दौरान उन्होंने सबकी खुशहाली के लिए अरदास की।इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह का जीवन और उनके आदर्श हमें सदैव जनसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।उन्होंने कहा कि वह एक महान योद्धा, कवि, भक्त एवं आध्यात्मिक गुरु थे। वर्ष 1699 में बैसाखी के दिन उन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने सिखों के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब को पूरा किया तथा उन्हें गुरु में सुशोभित किया।उन्होंने उनकी देशभक्ति की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने मुगलों तथा उनके सहयोगियों के साथ 14 युद्ध लड़े। धर्म के लिए उन्होंने परिवार के कई सदस्यों का बलिदान दिया।कार्यक्रम के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों से आए जत्थेदारों, श्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमिटी के पदाधिकारियों और सदस्यों से भी भाजपा अध्यक्ष ने बातचीत की।

इस अवसर पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, बिहार विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा,श्री हरिमंदिर जी प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष सरदार जगजोत सिंह, तख्त श्री हरिमंदिर जी प्रबंध कमेटी के उपाध्यक्ष सरदार गुरविंदर सिंह एवं अन्य प्रबंधकीय बोर्ड के सदस्य उपस्थित रहे।

## पिट गया पीके का आंदोलन : प्रभाकर मिश्र

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ कानून का उल्लंघन करनेवालों का हश्र अच्छा नहीं होता

■ बिना मतलब बाराती का फूफा बने बैठे हैं पीके

■ स्वार्थ की राजनीति करनेवालों को कभी स्वीकार नहीं करेगी बिहार की जनता

पटना, 6 जनवरी। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने प्रशांत किशोर पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि बिहार में पीके का आंदोलन और उनकी राजनीति पूरी तरह पिट चुकी है। प्रशांत किशोर छात्रों को गुमराह कर अपनी राजनीति चमकाना चाहते थे, लेकिन यह बिहार है।बिहार के लोग असली और नकली को परखना अच्छी तरह जानते हैं।यहां के लोग उड़ती चिड़िया को भी हल्दी लगाना जानते हैं। श्री मिश्र ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दो नाव पर सवार होने से क्या होता है, प्रशांत किशोर अब अच्छी तरह समझ गये होंगे। इसी को कहा जाता है, 'न खुदा ही मिला और न विसाल-ए-सनम।' प्रशांत किशोर न तो पूरी तरह नेता बन पाये और न ही अब चुनावी रणनीतिकार रहे। कहां तो उनका अच्छा कारोबार चल रहा था, लेकिन नेता बनने का उनपर भूत सवार हो गया और जो हश्र हुआ, वह सबके सामने है। प्रशांत किशोर को अहले-सुबह गिरफ्तार कर लिया गया और उनका आंदोलन फुस्स हो गया।? श्री मिश्र ने कहा कि बिहार में कानून का राज है, चाहे कोई भी हो, जो भी कानून को हाथ में लेगा उसे अदालत के कटघरे में खड़ा होना पड़ेगा। प्रशांत किशोर ने भी कानून का उल्लंघन किया। उनपर प्रतिबंधित क्षेत्र में गैर-कानूनी ढंग से धरना-प्रदर्शन करने का आरोप है। श्री मिश्र ने कहा हालांकि शर्तों के साथ 25 हजार मुचलके पर कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है। लेकिन, अब जेल में अनशन करने का पैतरा कर रहे हैं।

## भाजपा महिला मोर्चा ने श्रद्धेय सुशील मोदी जी की जयंती पर सेवा सप्ताह का आयोजन किया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ नेत्रहीन बालिकाओं के बीच कंबल और भोजन वितरण।

■ बिहार के सभी जिलों में कल होंगे स्वास्थ्य शिविर

**पटना,** 6 जनवरी 2025 भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डॉ. धर्मशीला गुप्ता के नेतृत्व में आज कुम्हरार स्थित अंतर ज्योति बालिका विद्यालय में श्रद्धेय श्री सुशील मोदी जी की जयंती पर सेवा सप्ताह के तहत विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत नेत्रहीन बालिकाओं द्वारा स्वागत गान और श्रद्धेय सुशील मोदी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पण से हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुम्हरार विधायक श्री अरुण कुमार सिन्हा, स्वर्गीय सुशील मोदी जी की पत्नी श्रीमती जे. सी. मोदी, सेवा सप्ताह संयोजक एवं प्रदेश मंत्री श्री संजय गुप्ता, प्रदेश महामंत्री शोभा सिंह, मीना झा, और अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।सुशील मोदी जी के योगदान को किया याद:इस अवसर पर श्री अरुण कुमार सिन्हा ने कहा, "भाजपा कार्यकर्ता उनके पदचिन्हों पर चलते हुए उनके सपनों को साकार करें, यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।सेवा सप्ताह संयोजक एवं प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता ने कहा, "सुशील मोदी जी का समाज और संगठन के प्रति योगदान हम सभी कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्रोत है और हमें कुशल संगठनकर्ता बनने के लिए प्रेरित करता है।श्रीमती जे. सी. मोदी ने भावुक होकर सुशील मोदी जी द्वारा नेत्रहीन बालिकाओं के लिए किए गए कार्यों को याद किया और आगे भी हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया।महिला मोर्चा ने इस अवसर पर अंतर ज्योति बालिका विद्यालय की नेत्रहीन बालिकाओं के बीच कंबल और भोजन का वितरण किया। यह कार्यक्रम विशेष इसलिए भी है क्योंकि स्वर्गीय सुशील मोदी जी हर साल अपना जन्मदिन नेत्रहीन बालिकाओं के बीच मनाते थे।सेवा सप्ताह के तहत आगामी आयोजन:सेवा सप्ताह के तहत कल, 7 जनवरी 2025 को भाजपा महिला मोर्चा द्वारा बिहार के सभी जिलों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा।उपस्थित गणमान्य:कार्यक्रम में महिला मोर्चा की ओर से प्रदेश उपाध्यक्ष सरोज जायसवाल, सरला रजक, प्रदेश मंत्री शशि बलडिहार, सीमा पांडे, सीमा झा, क्षेत्रीय प्रभारी कांति केसरी, प्रदेश प्रवक्ता प्रीति पाठक, मंडल अध्यक्ष ऋत्विक यादव, और अन्य स्थानीय कार्यकताओं ने सहभागिता निभाई।

## बीपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा जो 4 जनवरी को हुई है उसके विरोध में 99 प्रतिशत से अधिक छात्र है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटनाः 06/01/2025बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं रिसर्च विभाग के चेयरमैन आनन्द माधव ने एक बयान जारी कर कहा है कि 70वें बीपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा जो 4 जनवरी को हुई है उसके विरोध में 99 प्रतिशत से अधिक छात्र है। यहाँ तक की बिहार की पूरी आवाम भी इस बात को अच्छी तरह समझ रही है कि बेईमानी एवं अनियमितताओं पर लीपापोती करना ही इस परीक्षा का एक मात्र लक्ष्य था।बिहार सामाजिक अंकेक्षण द्वारा किये गये एक सर्वे का रिपोर्ट भी इस बात का खुलासा करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार-

3313 परीक्षार्थी के एक नमूने में, जिन्होंने सामाजिक अंकेक्षण के पहले 12 घंटों में भाग लिया, उनके अनुसार

1. 99.01% फिर से परीक्षा चाहते हैं, मात्र 33 परीक्षार्थी फिर से परीक्षा के खिलाफ हैं।

2. 99.55% परीक्षार्थियों का यह मानना है कि परीक्षा के संचालन में अनियमितताएं थीं, केवल 15 लोगों का कहना है कि अनियमितताएं नहीं थीं।3. केवल 22 छात्रों का मानना है कि सामान्यीकरण (नार्मलाइजेशन) के बिना निष्पक्ष परिणाम प्राप्त किया जा सकता है, जो 0.664% है।99.4% का मानना है कि एक ही परीक्षा को दो बार आयोजित करने के बाद, सामान्यीकरण के बिना निष्पक्ष परिणाम नहीं दिया जा सकता है।

(चार्ट्स एक्सेल शीट में संलग्न हैं)।

सरकार अपनें अहं को छोडकर बच्चों के भविष्य की सोचे और पूरे अभ्यार्थियों की प्रीलिम्स दुबारा कराये।यह राज्य के हित में भी होगा।लेकिन जहाँ बेईमानी, भ्रष्टाचार एवं अहं का बोलबाला हो वहाँ बच्चों की परवाह कौन करता है।मेरी बीपीएससी से, सरकार से यह अपील है कि जिद्द छोडो और पूरा प्रीलिम्स दुबारा कराये। लाठी जितनी चलानी थी चला लिये, पर अब राजनीति को मत जीतनें दीजिये।

## मड़कन में नाली की गंदी पानी मंदिर में घुसने से ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज? प्रखंड क्षेत्र के मड़कन उत्तर टोला में? घरों से नाली से निकली गंदी पानी मंदिर में घुसने से ग्रामीणों में रोश देखा व्याप्त है. इस संदर्भ में ग्रामीणों ने बताया कि लगभग एक वर्ष से नाली का दूषित पानी गाँव जाने वाली सड़क पर बह रहा है. वह पानी सड़क होकर सीधे मंदिर परिसर में घुस रहा है जिसके कारण उस मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालु व भक्तों के आस्था को ठेस पहुंचती रही है. वहीं पूजा करने में अनेकों प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रहा है. इस बात को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने मंदिर के पास जमकर हंगामा व प्रदर्शन किया . ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर नाली का पानी बहने के कारण फिसलन होने से कई लोगों के हाथ व पैर भी टूट चुके हैं वहीं रोज कई वाहने सड़क पर गड्ढे हो जाने के कारण गाड़ी पलट जाती हैं.पानी बहने के कारण ही सड़क बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है .वहीं लोगों के घरों में भी नाली का पानी घुस रहा है.इस बात से नाराज होकर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों द्वारा मड़कन उत्तर टोला काली मंदिर के पास जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया.साथ ही साथ नाली का निर्माण करने के लिए भी जिला प्रशासन व स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है. मौजूद लोगों ने कहा कि करहनु में मुख्यमंत्री के आगमन पर उनको इस समस्या के समाधान हेतु ज्ञापन भी दिया जाएगा. ग्रामीणों ने बताया कि अगर मुखिया,विधायक जनप्रतिनिधि बात नहीं सुनते हैं और नाली का निर्माण नहीं करवाते हैं तो प्रखंड स्तर और जिला स्तर पर भी आंदोलन किया जाएगा और विरोध प्रदर्शन होगा.मौजूद महिलाओं ने कहा कि उन सभी का शिव चर्चा करना, पूजा करना मुश्किल है.अब उनके घरों पर मेहमान भी आने से कतराने लगे हैं, क्योंकि कई रिश्तेदार व मेहमान आते हैं तो उनकी वाहनें पलट जाती हैं.उनके हाथ पैर टूट जाते हैं. इस अवसर पर प्रदर्शन करने वालों में सुदामा भगत, गुड्डू भगत, अरुण शर्मा, गुड्डू चौहान, मोहम्मद अली, खालिद खान संतोष शर्मा, नसरुद्दीन अंसारी, विकास कुमार किस्मती देवी अनीता देवी, अंजू देवी राजकुमारी देवी, अलका कुमारी, ज्योति कुमारी, काजल कुमारी, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे

## 33वीं ओपन इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता: भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बरसात (कोलकाता)

कराटे के प्रति समर्पण और उत्साह का अद्भुत नजारा 33वीं ओपन इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में देखने को मिला। इंडियन स्पोर्ट्स शोतो कॉन कराटे एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश-विदेश के सैकड़ों प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता का आयोजन बरसात, कोलकाता में किया गया, जिसमें छात्रों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। वर्ल्ड एमेच्योर शोतो कॉन कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया का दबदबा प्रतियोगिता में वर्ल्ड एमेच्योर शोतो कॉन कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया और कई पदक अपने नाम किए। उनके परिणाम इस प्रकार रहेः

सन्निध्य रॉयः कट (दूसरा स्थान), कुमिते (प्रथम स्थान)

नंदिनी बरः कट (तीसरा स्थान), कुमिते (प्रथम स्थान)

ईशान साहाः कट (दूसरा स्थान), कुमिते (प्रथम स्थान)

सोहिनी दासः कट (तीसरा स्थान), कुमिते (तीसरा स्थान)

विशेष अतिथि और आयोजकों का संदेशप्रतियोगिता के मुख्य अतिथि सेंसाई पुरंदर सरकार ने विजेताओं को सम्मानित किया और उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, "इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल कराटे को बढ़ावा देती हैं, बल्कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का मौका भी देती हैं।वर्ल्ड एमेच्योर शोतो कॉन कराटे फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष क्योशी सुमन रॉय ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा, "यह प्रतियोगिता कराटे खिलाड़ियों के लिए एक अनूठा मंच है, जहां वे अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है।खिलाड़ियों में उत्साह और जोशप्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। विजेताओं ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने इस उपलब्धि को अपने करियर का अहम पड़ाव बताया और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन करने का वादा किया। प्रतियोगिता का महत्वयह प्रतियोगिता न केवल एक खेल आयोजन थी, बल्कि यह कराटे के माध्यम से खिलाड़ियों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी साबित हुई।

## कोर्ट के आदेश पर इश्तिहार चिपकाया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र के तीरा गांव के स्वर्गीय बैजनाथ ठाकुर के घर इश्तिहार चिपकाया गया। वहीं दूसरी ओर जटमलपुर के रामानंद राय के घर नहीं रहने को लेकर बगलगीर को कहा गया कि उन्हें जल्द बुलावे अन्यथा उनकी जमीन नीलाम कर दी जाएगी। गोविंदपुर खजूरी पंचायत के हसनपुर कीरथ गांव के उमेश महतो के घर इश्तिहार चिपकाया गया। इसकी जानकारी थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने दी।

## 13 जनवरी मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर वासुदेवपुर हेलीपैड व मुक्तापुर मोईन जल जीवन हरियाली का निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के वासुदेवपुर सिक्स लेन पर बन रहे दो जगह हेलीपैड व मुक्तापुर मोईन जल जीवन हरियाली का कार्य तेजी से चल रहा है, इसी को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार, एएसपी संजय कुमार पांडे, अंचल पदाधिकारी शशि रंजन कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार, थानाध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा के साथ निरीक्षण करते हुए जगह - जगह कई आवश्यक निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी ने देते हुए स्थानीय पदाधिकारी को ससमय कार्य निष्पादित कर देना है। मौके पर मुखिया चंदन कुमार, चंद्र प्रकाश गुड्डू, पिंटू सिंह सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। पंचायत के सभी स्वच्छता कर्मी के संबंध में पदाधिकारी की टीम ने जायजा लेते हुए कहा कि पंचायत में डब्लूपीयू बन चुका है।गांव घर में सूखा कचरा या गीला कचरा नहीं होनी चाहिए।

## उत्तर बिहार प्रांत के विद्या भारती विद्यालयों के लिए आचार्य चयन परीक्षा संपन्न

### अलग-अलग चार परीक्षा केंद्रों पर 2277 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवानः विद्या भारती उत्तर बिहार प्रांत इकाई लोक शिक्षा समिति द्वारा संचालित किए जाने वाले विद्या भारती विद्यालयों के लिए आचार्य चयन परीक्षा रविवार को देर शाम को संपन्न हुआ।लोक शिक्षा समिति बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह से मिली जानकारी के अनुसार उत्तर बिहार प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों संचालित होने वाले सरस्वती विद्या मंदिर व सरस्वती शिशु मन्दिरों के लिए आचार्य की आवश्यकता है, उक्त संबंध में सोशल मीडिया के माध्यम से रिक्तियों से संबंधित विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। उक्त विज्ञापन के आलोक में तीन हजार 243 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया था।रविवार को सिवान, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी व फारबिसगंज मेंपारदर्शिता एवं शुचितापूर्वक आचार्य चयन परीक्षा आयोजित किया गया।लोक शिक्षा समिति के प्रदेश सचिव श्री सिंह ने बताया कि आचार्य चयन परीक्षा के दौरान महावीरी सरस्वती विद्या मंदिर विजयहाता सिवान के परीक्षा केंद्र पर 954 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, वहीं सरस्वती विद्या मंदिर, सदातपुर, मुजफ्फरपुर में 602 अभ्यर्थियों, सरस्वती विद्या मंदिर, रिंग बांध, सीतामढ़ी में 301 अभ्यर्थियों व श्री रानी सरस्वती विद्या मंदिर, फारबिसगंज के परीक्षा केंद्र पर 420 अभ्यर्थियों ने अपने अपने विषयों के अनुसार परीक्षा दी। श्री सिंह ने बताया कि लिखित परीक्षा में चयनित सभी अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 11 व 12 जनवरी को सरस्वती विद्या मंदिर, सदातपुर मुजफ्फरपुर में आयोजित किया जाएगा।

प्रदेश सचिव ने बताया कि

इस आचार्य चयन परीक्षा को संपन्न कराने में अलग-अलग परीक्षा केंद्रों पर लोक शिक्षा समिति के पर्यवेक्षक के रूप में प्रदेश मंत्री प्रोफेसर सुबोध कुमार सिंह, लोक शिक्षा समिति के कार्यकारिणी सदस्य प्रोफेसर सत्यनारायण गुप्ता, प्रोफेसर अंजेश कुमार सिंह, राजेश कुमार रंजन, ललित कुमार राय, धरणीकांत पाण्डेय, रमेश चंद्र शुक्ल, कृष्ण कुमार प्रसाद, अनिल कुमार राम, रंजीत कुमार, प्रमोद कुमार ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहे। चारों परीक्षा केन्द्रों पर केन्द्राधीक्षक परीक्षा केंद्र के प्रधानाचार्य को बनाया गया था। वहीं परीक्षा संचालन के लिए

वीक्षण कार्य आसपास के अन्य विद्या भारती विद्यालयों के आचार्य बन्धु भगिनियों की भी परीक्षा केंद्र पर प्रतिनियुक्त किया गया था।

## उद्योग और रोजगार के मामले में आत्मनिर्भर हो रहा बिहार :- अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

**एनडीए सरकार में नए उद्योग, नए रोजगार की बिहार में भरमार हो रहा हैं। एनडीए सरकार में बिहार में सुशासन का माहौल और लगातार विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण धीरे-धीरे बिहार निवेशको के लिए निवेश कर बिहार में उद्योग स्थापना की पसंद बनती जा रही है।**

पटना, 6 जनवरी :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि जहां राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू यादव जी के शासनकाल में बिहार में सिर्फ सता संरक्षित अपहरण उद्योग स्थापित हुआ करता था और डर एवं भय के कारण कोई भी निवेशक बिहार में निवेश करने को तैयार नहीं था। सिर्फ भय एवं पलायन का वातावरण था वही आज एनडीए सरकार में राज्य में नई और अच्छी निवेश नीति का परिणाम है कि निवेशक बिहार में निवेश करने को उत्सुक हैं।

आज प्रदेश में नए-नए छोटे बड़े उद्योग लग रहे हैं और हजारों - हजार की संख्या में रोजगार का सृजन हो रहा हैं। नवादा में सीमेंट प्लांट का शिलान्यास हो या मुजफ्फरपुर में भी सीमेंट प्लांट बनाने की तैयारी हो और तो और पटना के आसपास लॉजिस्टिक (गोदाम) बनाने की तैयारी। श्री अरविन्द ने कहा कि साथ ही अररिया, किशनगंज, बेगूसराय में नए कृषि लॉजिस्टिक (गोदाम) बनाने की तैयारी है, लगभग 40,000 प्रत्यक्ष - अप्रत्यक्ष रोजगार का सृजन हो रहा हैं एनडीए सरकार में। एनडीए सरकार में नए उद्योग, नए रोजगार की बिहार में भरमार हो रहा हैं। एनडीए सरकार में बिहार में सुशासन का माहौल और लगातार विकसित होते इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण धीरे-धीरे बिहार निवेशको के लिए निवेश कर बिहार में उद्योग स्थापना की पसंद बनती जा रही है।

## नो पार्किंग में वाहन खड़ा करने की हैं आदत ,तो हो जाएं सावधान नहीं तो कट सकता है चालान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अगर आप भी अपना दो पहिया या चार पहिया वाहन मशरक के महावीर चौक पर सड़क के किनारे कहीं भी खड़ा कर देते है तो सावधान हो जाएं। थाना पुलिस कहीं पर भी वाहन पार्क कर देने वालों पर सख्ती बरत रही है क्योंकि आपकी इस लापरवाही से न सिर्फ लोगों को परेशानी होती है बल्कि रोड जाम की समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि पुलिस ने नो पार्किंग में वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। अगर कोई सड़क के किनारे नो-पार्किंग जोन में गाड़ी पार्क करता है तो अब पुलिस उसपर कार्रवाई करते हुए जुमार्ना वसूल रहीं हैं। उन्होंने कहा कि महावीर चौंक के ईर्द-गिर्द नो पार्किंग के बोर्ड नगर पंचायत प्रशासन के तरफ से लगाएं गये हैं। वहा पर यातायात नियमों का पालन करें। अन्यथा जुमार्ना लगाया जाएगा।

# राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार, पुस्तकों का प्रकाशन और शानदार मुशायरा आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

**पटना (प्रेस विज्ञप्ति)** बिहार उर्दू अकादमी पटना में राष्ट्रीय उर्दू शाकचक कर्मचारी सिंह बिहार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार, पुस्तक प्रकाशन एवं एक शानदार बैठक का आयोजन अध्यक्ष राजकीय उर्दू पुस्तकालय बिहार की अध्यक्षता में किया गया। सबसे पहले चौधरी वासिल अली चौधरी गुज्जर राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुहम्मद नईमुद्दीन राष्ट्रीय महासचिव, जैनुल आबेदीन प्रदेश अध्यक्ष, बैतुल्लाह बैत अंसारी प्रदेश महासचिव, एके अल्वी, मुअज्जम आजम, जुनैद मीर, शकील अनवर और मोईन ग्रादिहावी आदि ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। उसके बाद बैतुल्लाह बैत की किताब रूह अदब के अलावा दो और किताबें प्रकाशित हुईं। तब दर्जनों लोगों को भाषा और साहित्य, शिक्षण और

सीखने की दुनिया में उनकी कई सेवाओं के लिए राष्ट्रीय उर्दू शाकचक कर्मचारी सिंह (पंजीकृत) द्वारा राष्ट्रीय उर्दू पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस सत्र का संचालन शकील अनवर ने किया. दोपहर के भोजन के बाद अरशद फिरोज की अध्यक्षता एवं मोइन ग्रादिहवी के संचालन में भव्य कार्यक्रम शुरू हुआ. अपने बेहतरीन शब्दों से श्रोताओं का मनोरंजन करने वाले शायरों में डॉ. मोअज्जम आजम, साबिर सहरसावी, मुसलहुद्दीन काजिम, कैसर इमाम कैसर ग्रेडिहा, जफर सिद्दीकी, इजाज रसूल, डॉ. नईम सबा, शकील अनवर, शमीम परवेज, सोहेल अख्तर, इसरार सफी शामिल हैं।, शमीम शोला, काजिम रजा, मोईन ग्रादिहवी, डॉ. नसर आलम नस्र, अली अख्तर सफदर दानापुरी, डॉ. मीना कुमारी परिहार, डॉ. तलत परवीन, डॉ. शमा नस्मीन नाजान, शमा कौसर शमा, निकहत अरया, बैतुल्लाह बैत चपरवी, नजमुल्लाह नजम, सईद कादरी मुजफ्फरपुर, हैदर, इमाम हैदर, गुलाम रब्बानी अदील, मुहम्मद अयूब अंसारी, जावेद आलम, परवीजानजुम, असलम रज अरिया, इश्तियाक कामिल अंसारी और नसरुल्लाह नसर नस्तवी आदि शामिल थे।

# मशरक सीएचसी में 20 साल बाद भी स्वास्थ्य सेवा बदहाल, जिम्मेदार कौन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बनियापुर विधानसभा क्षेत्र के मशरक में विकास के दावे और वादे भी सामने आए। तकरीबन हर क्षेत्र में विकास हुआ, पर मरीजों की पीड़ा इस शोर में दब गई। बनियापुर के विधायक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने में पिछड़ गए। 20 साल बाद भी लगभग-लगभग 2 लाख की आबादी वाले मशरक में इलाज की कोई माकूल व्यवस्था नहीं हो गई। नतीजतन यहां के अधिकतर मरीज छपरा या पटना रेफर होते रहे हैं। गंभीर मामले में खासकर सड़क दुर्घटना, ब्रेन स्ट्रॉक, ह्रदय से जुड़ी बीमारी से ग्रसित मरीज सीधे रेफर ही किए जाते हैं। इसके अलावा कोई विकल्प भी नहीं है। सारण , सिवान, गोपालगंज की सीमा से लगे रहने के कारण यहां मरीजों की भीड़ रहतीं हैं। वहीं इमरजेंसी में तो सभी मरीजों को सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया जाता है जिसका कारण स्पष्ट

है कि यहां ऐसे गंभीर मामलों के इलाज के लिए विधायक के 20 वर्षों के कार्यकाल में कोई व्यवस्था नहीं हो पाई, न तो विशेषज्ञ चिकित्सक ही मिल पाए, न ही उपकरण ही उपलब्ध हो पाया है। इसके कारण यहां जनता रेफर शब्द की पीड़ा झेलने को अभिशप्त है और ऐसे मामले लोग सरकार को भी कोसना नहीं छोड़ते हैं। वहीं सूत्रों ने बताया कि जिले से मिले स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार के बजट को खर्च करने में यह अस्पताल सबसे आगे हैं जबकि रैंकिंग में सबसे नीचे है। जिसका मुख्य कारण भ्रष्टचार बताया जाता है। सरकार में भी रहे विधायक पर भी कुछ खास नहीं कर पाए
बनियापुर विधानसभा क्षेत्र से 20 वर्षों तक विधायक रहनें के बाद भी मशरक सीएचसी में स्वास्थ्य सेवा में सुधार को लेकर कुछ खास नहीं हो पाया। नतीजा रहा कि स्वास्थ्य सेवा दिनों दिन बदतर होती चली गई। अगर 20 वर्ष की स्वास्थ्य सेवा की उपलब्धि पर गौर करें तो देखा जा रहा है कि यहां करोड़ों रुपये के सरकारी अस्पताल का भवन बन गए लेकिन इन भवनों को आज तक न तो सही तरीके से चिकित्सक ही मिल पाया, न ही कर्मी ही। जबकि संसाधन व अन्य चिकित्सीय सामान भी नहीं मिल पाया है। इसके बाद भी लगातार बेहतर अस्पताल बनाने की घोषणा लगातार होती रहती है लेकिन जो अस्पताल भवन मौजूद हैं, उसके लिए न तो संसाधन है , न ही चिकित्सक ही है। जिस अनुपात में चिकित्सक व कर्मी नहीं है। आबादी के अनुपात में चिकित्सक के स्वीकृत पद के अनुरूप चिकित्सक उपलब्ध नहीं है। इसके कारण भी समस्या हो रही है। विशेषज्ञ चिकित्सक पहले से नहीं है। यहा तक स्वास्थ्य कर्मी की भी कमी है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यहां भवन तो ठीक है लेकिन संसाधन और चिकित्सकों का घोर अभाव है। इसके कारण लोग लगातार बाहर रेफर हो रहे हैं। सड़क दुर्घटना मामले में सबसे ज्यादा लोग रेफर हो रहे हैं।

## समस्तीपुर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर अतिक्रमण हटाने का निर्देश, SDO U ASP पहुंचे दुकानदारों के पास

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

**समस्तीपुर :** समस्तीपुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रस्तावित प्रगति यात्रा को लेकर जिला प्रशासन तैयारियों में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री के तय रूट से अतिक्रमण हटाने व रंग-रोगन का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समाहरणालय के पास डिवाइडर को रंगा जा रहा है वहीं सड़क किनारे लगे अतिक्रमण को भी हटाने की कवायद शुरू हो गई है। सोमवार को सदर एसडीओ दिलीप कुमार और सदर-1 एसडीपीओ सह एएसपी संजय पांडेय के नेतृत्व में मगरदही घाट व मथुरापुर घाट के पास लगे अवैध दुकानदारों को अपना-अपना दुकान हटाने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा पटेल मैदान में हैलिपैड का भी निर्माण हो रहा है।

# अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ की बैठक में आंदोलन करने का निर्णय

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो अरमान अली

सीतामढ़ी:जिला अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के सदस्यों की बैठक कपूरी छात्रावास सीतामढ़ी के सभागार में संघ के जिलाध्यक्ष सह छात्रावास अधीक्षक बिनोद बिहारी मंडल की अध्यक्षता में हुई। संचालन दिलीप कुमार शाही, जिला सचिव ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से भूतलक्षी प्रभाव से प्रोन्नति पर विभाग के नकारात्मक रवैया पर आंदोलन करने का निर्णय लेते हुए रूपरेखा तैयार की गई। तथा विभाग से लंबित डीए का भुगतान, बीएससी से चयनित शिक्षकों को भी आवास भत्ता 10% देने तथा वार्षिक वेतन वृद्धि एवं सेवा पुस्तिका खोलने ,1999/ 2000 ई में नियुक्त बीएससी के शिक्षकों को भी नियुक्ति तिथि से प्रशिक्षित वेतनमान देने , अपार निर्माण में होने वाली बढ़ाओ को दूर करने, एमडीएम वेंडर का भुगतान एक बार में करने ,दीपक एजेंसी को सफाई कार्य से मुक्त करने, 34540 कोठी के शिक्षकों का अंतर वेतन का भुगतान शीघ्र करने की मांग की गई। अगर समय सीमा के अंदर उक्त मांगों को पूरा नहीं किया गया तो चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया।

बैठक में अनुमंडल सचिव ज्ञान प्रकाश,, उपाध्यक्ष द्विजेंद्र कुमार सुमन , संयुक्त सचिव संजय कुमार कर्ण, रणधीर सिंह, डीडीओ अजय कुमार ठाकुर ,,विनोद मंडल,, राम इकबाल रायूत, शशिकांत कर्ण,मनोज कुमार चौधरी ,विनोद कुमार राय, संजय कुमार, रामदेव पंडित ,विजय कुमार ,कौशल कुमार, दिलीप कुमार ,मोहम्मद जावेद ,प्रेम प्रकाश मंडल, उपेंद्र मंडल, पुष्पलता, नारायण सहनी, नवीन कुमार, मो अंजार अहमद, जितेंद्र नाथ ठाकुर मुनेंद्र पाठक, शेखर ठाकुर ,प्रवीण ठाकुर, मोईन अशरफ कमाल ,खुशनंदन मंडल ,शिव कुमार ,सौरभ कुमार, प्रेमचंद कुमार ,सरफराज आलम,अब्दुल समद अंसारी, हरिशंकर पासवान, परशुराम सिंह ,मनोज कुमार, भुवनेश्वर राम , विजय कुमार त्रिवेदी ,गंगा प्रसाद ,दूजेंद्र कुमार ,अशोक कुमार सहित दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

# बिथान में सांसद ने संवाद में समस्याओं को सुना, समाधान का दिया आश्वासन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** खगड़िया लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजेश वर्मा इन दिनों समस्तीपुर जिले के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के दौड़े पर हैं। सोमवार को सांसद ने पूर्व विधायक राजकुमार राय के आवासीय परिसर बेलसंडी में आमलोगों से सीधा संवाद कर समस्याओं को सुना। उन्होंने समस्याओं के समाधान का आश्वासन भी दिया। इस दौरान सांसद को मिथिला परंपरा के अनुसार अंग वस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। आमलोगों ने जल्द से जल्द हसनपुर से बिथान तक ट्रेन परिचालन शुरू कराने की मांग किया। आपका सांसद - आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बेलसंडी में शहीद प्यारे वर्मा स्मृति द्वार का उदघाटन किया और क्षेत्र की जनता की सड़क एवं स्वास्थ से संबंधित समस्याओं को सुना। वहीं चीनी मील अतिथिगृह में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष हीरा सिंह की अध्यक्षता में हसनपुर विधानसभा अंतर्गत आने वाले सभी प्रखंड पदाधिकारी तथा पंचायत पदाधिकारियों के साथ बैठक कर पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और संगठन को और सुदृढ़ बनाने हेतु विस्तृत चचाएँ की। मौके पर जदयू प्रखंड अध्यक्ष संजीव कुशवाहा, विजय यादव, जीवछ कुमार यादव, सुल्तान अंसारी, व्यापार मंडल अध्यक्ष हसनपुर रामचंद्र यादव, सूरज राम आदि मौजूद थे।

## स्लम बच्चों के लिए चलाये जा रहे हैं निःशुल्क द उम्मीद पाठशाला पर गर्म कपड़ा का वितरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** जिला के राष्ट्रीय सेवा योजना और पूर्ववर्ती एनसीसी कैडेट द्वारा निःस्वार्थ सेवा भाव से संचालित सामाजिक संस्था द उम्मीद द्वारा चलाए जा रहे विंटर क्लॉथ डिस्ट्रीब्यूशन ड्राइव के तृतीय चरण में मिशन शिक्षा दान के तहत संचालित समस्तीपुर शहर के माल गोदाम चौक, स्लम बस्तियों स्थित द उम्मीद पाठशाला पर पढ़ने वाले सभी बच्चों के बीच स्वेटर, जैकेट अन्य गर्म कपड़े का वितरण किया गया। द उम्मीद के संस्थापक अध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि बच्चों के साथ अभिभावकों और बस्ती की जरूरतमंद व्यक्तियों को भी गर्म कपड़ा का वितरण किया गया है। द उम्मीद की गर्ल्स विंग्स प्रेसिडेंट हेमा ने बताया कि समस्तीपुर जिला के विभिन्न प्रखंड में संचालित द उम्मीद पाठशाला के बच्चे और उसके आसपास की जरूरतमंद लोगों को हमारी टीम ऊनी कपड़ा के साथ - साथ कम्बल भी उपलब्ध करवा रही है। मौके पर द उम्मीद बोर्ड मेंबर नवनीत, पूजा, सुमन, नवनीत, आदेश, ज्योति, गुंजा अनिल आदि उपस्थित थे।

# इंडिया गठबन्धन ने विरोध मार्च निकाला

मो.सदरे आलम नौमानी

**सीतामढ़ी:** युवा राजद के जिला अध्यक्ष रौशन कुमार यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के साथी युवा एवं छात्र इकाई के द्वारा जिला मुख्यालय में मेहसौल चौक से कारगिल चौक तक सैकड़ो की संख्या में प्रतिरोध मार्च निकालकर कारगिल चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आदम कद पुतला दहन किया गया। इस मौके पर युवा जिला अध्यक्ष रौशन कुमार यादव ने कहा कि राज्य भर में लगातार लिक हो रहे परीक्षा के पेपर, शिक्षा का गिरता हुआ स्तर। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के मन में पेपर लीक होने को लेकर भय एवं हाल के दिनों में बीपीएससी में हुई अनियमित के खिलाफ युवा छात्र के साथियों के साथ प्रतिरोध मार्च एवं पुतला दहन कार्यक्रम कर रहा हूं अगर सरकार सजग नहीं हुई तो छात्रों की जायज मांगों को पूरा नहीं किया तो यह आंदोलन लंबा चलेगा। जिला अध्यक्ष राजद पूर्व विधायक सुनील कुमार कुशवाहा ने कहा कि बीपीएससी के छात्र फिर से परीक्षा कराने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं लेकिन नीतीश

कुमार की गूंगी बहरी सरकार छात्रों की समस्याओं को दरकिनार कर उन पर लाठियां बरसा रही है, पीट रहे हैं, ठंडी के मौसम में पानी का फवारा बरसा रहे हैं। इस आंदोलन में हम राष्ट्रीय जनता दल छात्रों के जायज मांग का समर्थन करते हैं और सरकार को अगाह करना चाहते हैं कि छात्रों की जायज मांग को पूरा करें अन्यथा पूरा बिहार बंद कर, चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा ।इस मौके पर जिला प्रधान महासचिव पूर्व सभापति नगर परिषद मो जलालुद्दीन खा ने कहा कि हमारे प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव जब बिहार में 17 महीने की सरकार में शामिल थे तो ना कोई परीक्षा रद्द हुआ, ना कोई पेपर लीक हुआ, बल्कि बेरोजगार नौजवानों को अपने किए हुए घोषणा पत्र के अनुसार रोजगार दिया । इसलिए नीतीश कुमार से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द हो और दोबारा लिया जाए, एक परीक्षा हो एक ही रिजल्ट आए ताकि सभी अभ्यर्थियों के साथ न्याय हो, आयोग एक ही परीक्षा के लिए दो बार परीक्षा कैसे ले सकती है? मेरिट लिस्ट कैसे बनेगी? 911 सेंट्रो पर हो चुकी परीक्षा 13 दिसंबर का प्रश्न पत्र और 4 जनवरी को एक केंद्र पर होने वाले परीक्षा का प्रश्न पत्र एक जैसा कैसे होगा ? यह जाहिर होता है कि बीपीएससी आयोग माफियाओं के हाथ की कठपुतली है और सरकार का संरक्षण प्राप्त है । सरकार जल्द से जल्द पुनः परीक्षा कराए अन्यथा हमारे नेता के आह्वान पर पूरे बिहार में लगातार आंदोलन चलेगा। इस मौके पर कांग्रेस नेता शम्स शाहनवाज, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा राजद हरिओम शरण नारायण, प्रदेश सचिव युवा राजद जवाहर यादव, कांग्रेस युवा अध्यक्ष रोहन गुप्ता ,कांग्रेस युवा नेता अफजल राणा ,जिला प्रधान महासचिव महिला प्रकोष्ठ वंदना कुमारी ,प्रदेश सचिव युवा राजद धर्मेंद्र यादव ,वरिष्ठ नेता पूर्व प्रमुख संजय कुमार, मो नासिर, शाहबाज खान, पंचायत समिति सदस्य रोशन यादव, विष्णु यादव छात्र प्रदेश उपाध्यक्ष ,सोनू खा, विक्की यादव, नियाजउद्दीन खा,दयान खान ,युवा राजद मीडिया प्रभारी मो नसीम, अरविंद मंडल, रामबाबू यादव, संतोष कुमार, सरोज कुमार, रॉकी यादव, हितेश कुशवाहा ,मुन्ना कुमार, राकेश यादव ,रितेश कुशवाहा आदि प्रतिरोध मार्च में शामिल हुए।

## केवटा गांव पहुंचे पुलिस कप्तान, किया हत्या मामले में कुछ लोगों को गरफ्तार, पूछताछ जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** सोमवार को पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा दलसिंहसराय के केवटा वार्ड संख्या 06 में पहुंचे और बीते दिन हुए हत्या मामले में अपने स्तर से जांच पड़ताल करने के बाद कुछ लोगों को हिरासत में ले लिया गया। एसपी ने बताया कि हिरासत में लिए गये लोगों से गहन पूछताछ की जा रही है। बताया जाता है कि रिवावर को दिन दहाड़े अपराध प्रवृति के लोगों ने केवटा वार्ड संख्या 06 निवासी लक्ष्मी महतो के पुत्र जितेंद्र महतो को उनके घर में घुसकर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसी के आलोक में पुलिस कप्तान आज मृतक के परिजनों से हालचाल पूछा और पुलिस टीम की सहायता से कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि जितेंद्र महतो के हत्या मामले में जो भी दोषी होगा उसे बख्शा नहीं जाएगा।

## स्लम बच्चों के लिए चलाए जा रहे निःशुल्क ह्याद उम्मीद पाठशालाह्न में पढ़ने वाले बच्चों के बीच गर्म कपड़ो का वितरण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

**समस्तीपुर :-** समस्तीपुर जिला के राष्ट्रीय सेवा योजना और पूर्ववर्ती एनसीसी कैडेट द्वारा निःस्वार्थ सेवाभाव से संचालित सामाजिक संस्था ह्याद उम्मीद द्वारा चलाए जा रहे विंटर क्लॉथ डिस्ट्रीब्यूशन ड्राइव के तृतीय चरण में मिशन शिक्षा दान के तहत संचालित समस्तीपुर शहर के माल गोदाम चौक, स्लम बस्तियों स्थित ह्याद उम्मीद पाठशाला पर पढ़ने वाले सभी बच्चों के बीच शूटर ,जैकेट अन्य गर्म कपड़े का वितरण किया गया ह्याद उम्मीदह्न के संस्थापक अध्यक्ष अमरजीत कुमार ने बताया कि बच्चों के साथ अभिभावकों और बस्ती की जरूरतमंद व्यक्तियों को भी गर्म कपड़ा का वितरण किया गया है। द उम्मीद की गर्ल्स विंग्स प्रेसिडेंट हेमा ने बताया कि समस्तीपुर जिला के विभिन्न प्रखंड में संचालित ह्याद उम्मीद पाठशाला के बच्चे और उसके आसपास की जरूरतमंद लोगों को हमारी टीम ऊनी कपड़ा के साथ-साथ कम्बल भी उपलब्ध करवा रही है। मौके पर ह्याद उम्मीद बोर्ड के सदस्य नवनीत, पूजा, सुमन, नवनीत, आदेश, ज्योति, गुंजा अनिल समेत अन्य उपस्थित थे।

## अलाव जलाने की मांग परवेज आलम ने प्रखंड प्रशासन से की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** एकाएक बढ़ते ठंड में अलाव जलाने के लिए राजद अल्पसंख्यक सेल के प्रांतीय नेता मो परवेज आलम ने उजियारपुर प्रखंड प्रशासन से की है, श्री परवेज ने कहा कि एकाएक तेजी से ठंड बढ़ जाने के कारण उजियारपुर प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड का प्रकोप काफी बढ़ गया है। हवा के साथ साथ कनकनी भी बढ़ गई है। दिन में तापमान 16 -18 डिग्री सेल्सियस रहता है, तो रात में तापमान गिरकर 8 -10 डिग्री तक पहुंच जाती है। ठिठुरते हुए ठंड से चलते मुसाफिर, गरीब - गुरबे तथा सवारी टेम्पू का इंतजार करने वाले मुसाफिर का बुरा हाल हो रहा है। राजद नेता ने कहा कि ठंड बढ़ने से गरीब, असहाय और जरूरतमंद नागरिक सहित आम जनमानस परेशान है। उजियारपुर प्रखंड मुख्यालय में अस्थाई रैन बसेरा की व्यवस्था करने तथा प्रखंड के सभी प्रमुख चौक - चौराहो पर अलाव जलाने की मांग उजियारपुर प्रशासन से की है।

## घर के दरवाजा पर अलाव ताप रहे युवक की गोली मार हत्या मामले में घटनास्थल पर पहुंचे SP, कुछ संदिग्धों हिरासत में लेकर पूछताछ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

**समस्तीपुर/दलसिंहसराय :-** दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के केवटा वार्ड संख्या-6 में रविवार की शाम बाइक सवार बदमाशों ने अपने घर पर अलाव ताप रहे 38 वर्षीय जितेंद्र कुमार महतो की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने कारवाई तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने इस हत्याकांड मामले में चार संदिग्धों को उठाकर पूछताछ कर रही है ।इधर सोमवार को पुलिस कप्तान अशोक मिश्रा भी घटनास्थल पर पहुंच मामले की जांच में जुटे हुए हैं। उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी व थानाध्यक्ष समेत अन्य पुलिस कर्मियों से घटना की जानकारी ली व जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये। बता दें कि रविवार की शाम घर के दरवाजा पर अलाव ताप रहे जितेंद्र की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मार हत्या कर दी ।लोगों ने बताया कि तीन बाइक से आये छह बदमाशों ने आते ही जितेंद्र पर गोली चलानी शुरू कर दी। जिससे बचने के लिये जितेंद्र ने भागने का प्रयास किया था। लेकिन सिर में गोली लगने से वह वहीं ढेर हो गया। इसके बाद सभी बदमाश वहां से भाग निकले। बताया गया है कि जितेंद्र ताड़ी उतारने व बेचने का कार्य करता था। अपनी बड़ी लड़की नेहा की शादी कर चुका था। वहीं पुत्र अजित कुमार (13 वर्ष), पुत्री रूबी कुमारी (7 वर्ष) एवं छोटा पुत्र यश राज (6 वर्ष) की सभी जिम्मेदारी जितेन्द्र के कंधे पर ही था। पत्नी के बयान पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

## पूर्व जिला परिषद मो मुराद ने डीएम से चौक चौराहों पर अलाव जलाने की मांग की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

**समस्तीपुर।** लोग कह रहे थे ठंड नहीं हो रहा है, लगता है कि इस बार ठंड नहीं पड़ेगी। इसी बीच कुदरत ने देखा दिया है कि एकाएक मौसम ने करवट बदली घने कोहरे के साथ - साथ ठंड के साथ कनकणी बढ़ने से क्षेत्र के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बतादे कि ठंड बढ़ने से बच्चों वृद्ध और माल मवेशी को अधिक दिक्कत हो रहा है। बढ़ते हुए ठंड को देखते हुए पूर्व जिला परिषद मोहम्मद मुराद ने ताजपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहा पर अलाव की व्यवस्था करने की जिलाधिकारी से मांग की है। जिससे क्षेत्र के लोगों को ठंड से राहत मिल सके और लोग माल मवेशी के साथ सुरक्षित रह सके।

# बीपीएससी पेपर लीक को लेकर युवा राजद ने निकाला प्रतिरोध मार्च, नीतीश कुमार का किया पुतला दहन

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

**सीतामढ़ी ।** युवा राजद के जिला अध्यक्ष रौशन कुमार यादव के नेतृत्व में महागठबंधन के युवा एवं छात्र इकाई के द्वारा मेहसौल चौक से कारगिल चौक तक सैकड़ो की संख्या में प्रतिरोध मार्च निकालकर कारगिल चौक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का आदम कद पुतला दहन किया गया ।

इस अवसर पर युवा जिला अध्यक्ष रौशन कुमार यादव ने कहा कि राज्य भर में लगातार परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है, शिक्षा का स्तर गिर गया है। परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के मन में पेपर लीक होने का भय बना रहता है।बीपीएससी परीक्षा में हुई अनियमित के खिलाफ युवा छात्र के साथियों के साथ प्रतिरोध मार्च एवं पुतला दहन किया गया। अगर सरकार सजग नहीं हुई एवं छात्रों की जायज मांगों को पूरा नहीं किया गया ते यह आंदोलन लंबा चलेगा। राजग जिला अध्यक्ष पूर्व विधायक सुनील कुमार कुशवाहा ने कहा कि बीपीएससी के छात्र फिर से परीक्षा कराने के लिए शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन नीतीश कुमार की गूंगी बहरी सरकार छात्रों की समस्याओं को दरकिनार कर उन पर लाठियां बरसा रही है तथा पीट रही है। ठंडी के मौसम में पानी का फवारा बरसाया रहा है। इस आंदोलन में राष्ट्रीय जनता दल छात्रों के जायज मांग का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि सरकार को अगाह करना चाहते हैं, कि छात्रों की जायज मांग को पूरा करें अन्यथा पूरा बिहार बंद कर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा ।जिला प्रधान महासचिव पूर्व सभापति नगर परिषद मो जलालुद्दीन खा ने कहा कि हमारे प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव जब बिहार में 17 महीने की सरकार में शामिल थे तो ना कोई परीक्षा रद्द हुआ, ना कोई पेपर लीक हुआ बल्कि बेरोजगार नौजवानों को अपने किए हुए घोषणा पत्र के अनुसार रोजगार दिया। इसलिए नीतीश कुमार से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा रद्द हो और दोबारा लिया जाए। एक परीक्षा हो एक ही रिजल्ट आए ताकि सभी अभ्यर्थियों के साथ न्याय हो, आयोग एक ही परीक्षा के लिए दो बार परीक्षा कैसे ले सकती है? मेरिट लिस्ट कैसे बनेगी? 13 दिसंबर का प्रश्न पत्र और 4 जनवरी को एक केंद्र पर होने वाले परीक्षा का प्रश्न पत्र एक जैसा कैसे होगा ? यह जाहिर होता है कि बीपीएससी आयोग माफियाओं के हाथ की कठपुतली है और सरकार का संरक्षण प्राप्त है । सरकार जल्द से जल्द पुनः परीक्षा कराए अन्यथा हमारे नेता के आह्वान पर पूरे बिहार में लगातार आंदोलन चलेगा इस मौके पर कांग्रेस नेता शम्स शाहनवाज, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा राजद हरिओम शरण नारायण, प्रदेश सचिव युवा राजद जवाहर यादव, कांग्रेस युवा अध्यक्ष रोहन गुप्ता ,कांग्रेस युवा नेता अफजल राणा ,जिला प्रधान महासचिव महिला प्रकोष्ठ वंदना कुमारी ,प्रदेश सचिव युवा राजद धर्मेंद्र यादव ,वरिष्ठ नेता पूर्व प्रमुख संजय कुमार, मो नासिर, शाहबाज खान, पंचायत समिति सदस्य रोशन यादव, विष्णु यादव छात्र प्रदेश उपाध्यक्ष ,सोनू खा, विक्की यादव, नियाजउद्दीन खा,दयान खान ,युवा राजद मीडिया प्रभारी मो नसीम, अरविंद मंडल, रामबाबू यादव, संतोष कुमार, सरोज कुमार, रॉकी यादव, हितेश कुशवाहा ,मुन्ना कुमार, राकेश यादव ,रितेश कुशवाहा आदि प्रतिरोध मार्च में शामिल हुए

# गौशाला चुनाव में जीत से बढ़ा कल्पना सिंह का कद,

■ जीत के बाद जयनगर अनुमंडल और खजौली-बाबूबरही विधानसभा की राजनीति में कल्पना सिंह की मजबूत दस्तक* .

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मो. अबु बकर सिद्दीकी**

मधुबनी जिला के जयनगरश्रीकृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर चुनाव का फाइनल परिणाम घोषित कर दिया गया है और इसमें चुनाव लड़ रही एकमात्र महिला कल्पना सिंह ने बड़े-बड़े धुरंधरों को परास्त करते हुए मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। एकमात्र महिला प्रत्याशी रही कल्पना सिंह ने सभी 16 प्रत्याशियों में सर्वाधिक मत प्राप्त कर जयनगर अनुमंडल और खजौली विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में मजबूती से दस्तक दे दी है। उनका ध्यान बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र पर भी है। जो भी हो उन्होंने श्रीकृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के चुनाव परिणाम में सभी धुरंधरों में सर्वाधिक मत प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। इतना ही नहीं गौशाला के सभी 09 समिति पदों पर कल्पना सिंह के पैनल के ही सभी 09 प्रत्याशी विजयी हुए हैं, यह भी कल्पना सिंह की ही जीत है और इससे कल्पना सिंह ने जयनगर अनुमंडल की राजनीति में तहलका मचा दिया है। अब कल्पना सिंह का कद अचानक से बढ़ गया है और महिला राजनीति के साथ ही सामान्य राजनीति में भी जयनगर अनुमंडल

# छात्रों के अपार आईडी कार्ड बनाने में समस्तीपुर जिला की स्थिति निराशाजनक, 10 प्रखंडों के इएडसे शोकॉज

**प्रखंड संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**मोहम्मद जुबैर**

समस्तीपुर : अपार आइडी बनाने में शिथिलता बरतने पर समस्तीपुर जिले के 10 प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से शोकॉज पूछा गया है। जिन प्रखंडों के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से शोकॉज पूछा गया है, उसमें समस्तीपुर, कल्याणपुर, उजियारपुर, हसनपुर, सरायरंजन, रोसड़ा, पटोरी, मोरवा, विद्यापतिनगर व सिंघिया प्रखंड शामिल हैं। बीईओ, प्रखंड परियोजना प्रबंधक, लेखा सहायक सह डाटा इंट्री ऑपरेटर व डाटा इंट्री ऑपरेटर को 7 जनवरी तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया है। अन्यथा की स्थिति में निर्धारित तिथि के बाद प्रत्येक दिन कार्य पूर्ण होने की तिथि तक वेतन कटौती भी की जाएगी।इधर सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ मानवेन्द्र कुमार राय ने बताया कि सरकारी विद्यालयों द्वारा इस कार्य में प्रगति लाने हेतु सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को आदेशित किया गया है। छात्रों का अपार आईडी कार्ड बनाने में जिला की स्थिति निराशाजनक है।इसमें हेडमास्टर के साथ साथ अभिभावकों की भी उदासीनता प्रमुख कारण है।वहीं एचएम का कहना है कि सर्वर की गड़बड़ी और नेट स्लो होने की वजह से भी बच्चों का अपार आईडी बनाने में परेशानी हो रही है।इसे लेकर शिक्षक काफी परेशान हैं। बता दें कि शिक्षा मंत्रालय ने सभी बच्चों को वन नेशन वन आईडी के तहत अपार आईडी कार्ड अनिवार्य किया है।

# सरकार व पुलिस द्वारा पीके के साथ किया गया व्यवहार शर्मनाक : प्रो डॉ निकहत फातिमा,

**प्रखंड संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

**सीतामढ़ी ।** जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के साथ सरकार व पुलिस कार्रवाई को महिला विंग की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ निकहत फातिमा ने शर्मनाक और निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि पीके की हिम्मत और जज्बे को सलाम करती हूं, जिन्होंने छात्रों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ शांतिपूर्ण ढ़ंग से आमरण अनशन पर बैठे थे। पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण कार्रवाई करते हुए उन्हें अनशन से उठा हिरासत में लिया गया।

प्रोफेसर डॉ निकहत ने कहा कि छात्रों के प्रति बिहार सरकार का रवैया बहुत निंदनीय है। छात्रों को बात करने के लिए लाठी की मार सहनी पड़ रही है। अपनी बात रखना और

न्याय की मांग रखना कितना मुश्किल हो गया है, जगजाहिर हो चुका है। छात्र कोई अपराधी नही है, जो सरकार उनसे बात तक करना नही चाहती। उन्होंने कहा कि पीके के आमरण अनशन को महिला विंग का भी साथ मिला। छात्र हित में मेरे साथ अन्य महिलाओं ने भी अनशन में साथ दिया था।

उन्होंने कहा कि पीके के साथ घटित घटना से यह साफ हो गया है कि न्याय का साथ देना और उसके लिए आवाज उठाना गुनाह हो गया है। बिहार सरकार द्वारा लोकतंत्र का अपमान किया जाने लगा है। बिहार की जनता सब देख रही है, जनता अब तीसरे विकल्प के बारे गंभीरता से विचार कर रही है। बिहार के विकास के लिए जनसुराज ही एकमात्र विकल्प है।

# मांग की सिंदूर मिटते ही सताने लगी परिवार की भरण पोषण की चिंता

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**एम नईमुद्दीन आजाद**

**समस्तीपुर।** जिले के दलसिंहसराय के केवटा गांव में रविवार की शाम जितेन्द्र महतो की बदमाशो ने गोली मार कर हत्या कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने हत्या के पीछे जमीनी विवाद बताया है। देर रात पुलिस ने शव का पोस्टमार्ट कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। सोमवार की सुबह मृतक जितेंद्र महतो का अंतिम संस्कार भी अयोध्या घाट पर कर दी गई। इस सब के बीच जितेन्द्र की मौत के बाद जितेन्द की विधवा की मांग की सिंदूर मिटने के साथ ही अब परिवार का भरण पोषण की चिंता सताने लगी है। सोमवार की सुबह जितेन्द्र के पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार के लिए जाने के बाद दरवाजे पर बांधी मवेशी को चारा तक देने वाला कोई नहीं था। मवेशी चारा के लिए शोर कर रही थी। जितेन्द्र की विधवा रेखा देवी कहती है कमाने वाले को बदमाशो ने छिन लिया तो इन पशुओं को तो छोड़िए मेरे साथ तीन बच्चों अजित कुमार , यशराज और रूबी को कौन देखेगा। एक बेटी की शादी तो उन्होंने ने कर दिया था। एक बेटी रूबी की शादी कैसे होगी। बेटा अजित और यशराज कैसे पढ़ेगा। यह कहकर दरवाजे पर बैठी सभी महिलाओं को कहकर बार बार बेहोश हो रही थी।

# राष्ट्रीय जनता दल का महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**

बेगुसराय जिले के पहसारा पूर्वी पंचायत के गम्हरिया में राजद के नेताओं की विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित की बैठक की अध्यक्षता राजद के गढ़पुरा प्रखंड अध्यक्ष एवं पूर्व मुखिया रामतनिक यादव ने की। सदस्यता अभियान प्रभारी जिला उपाध्यक्ष हरेराम महतो ने कहा कि पार्टी का सदस्यता अभियान युद्धस्तर पर संचालित किया जाएगा और सभी मतदान बूथों पर कम से कम दो क्रियाशील सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। 2025 में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बनाने का मिशन है।

वहीं गुड्डू कुमार अनुसूचित जाति प्रखंड अध्यक्ष ने कहा हमारे नेता तेजस्वी प्रसाद यादव हमेशा सांप्रदायिक सौहार्द, गरीबों, दलितों, शोषितों, पीड़ितों और महिलाओं के उत्थान की बात करता है। बैठक में यह घोषणा की गई कि अगर राजद की सरकार बनती है, तो प्रत्येक महिला को 'माय बहिन मान योजना' के तहत 2500 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे और हर व्यक्ति को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। इस घोषणा को जन-जन तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी का सदस्य बनाने का आह्वान किया गया ।कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं ने मौजूदा राज्य और केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि ये सरकारें गरीबों, दलितों, शोषितों और छात्रों के विरोधी हैं। भाजपा की आलोचना करते हुए यह भी कहा गया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने वालों को जनता चुनाव में सबक सिखाएगी। बैठक में बखरी प्रखंड अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, नावकोठी प्रखंड अध्यक्ष गंगाराम महतो, डंडारी प्रखंड अध्यक्ष अमरजीत सहनी समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे इसके अलावा, बेगूसराय विधानसभा क्षेत्र में राजद के सदस्यता अभियान को लेकर बाघा स्थित महानगर जिलाध्यक्ष शिवजी महतो के आवास पर एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता शिवजी महतो ने की और कहा कि सदस्यता अभियान नगर निगम क्षेत्र से शुरू किया जाएगा। कार्यकताओं को बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत कर 2025 में महागठबंधन की सरकार बनाने का लक्ष्य दिया गया है, जिससे तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाया जा सके। बैठक में बूटन साह, पवन गांधी, रीना जायसवाल, महावीर यादव और अन्य महानगर कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

# विधायक ने अलाव जलाने की मांग प्रशासन की

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**एम नईमुद्दीन आजाद**

समस्तीपुर। जिले के हसनपुर के पूर्व विधायक सुनील कुमार पुष्पम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हसनपुर विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख चौक चौराहों पर प्रयाप्त अलाव की व्यवस्था करने की मांग प्रशासन से की है। उन्होंने कहा है कि इन दिनों हाड़ कंपाने वाली ठंड से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कनकनी के कारण गांव कस्बे में लोग 10 बजे दिन तक रजाई के भीतर रहने को विवश हो रहे हैं। शीतलहरी से विशेष कर बच्चे एवं बूढ़े को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिहार में हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। दिन में धूप नहीं निकल रही है। सर्द पछुआ हवा ने कनकनी बढ़ा दी है। 6 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। यह और बढ़ सकती है। मौसम विभाग की मानें अगले दो से तीन दिनों तक यही हालात रहेंगे। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शीत लहर जैसे हालात बने रहेंगे। सर्द पछुआ हवा के कारण ठिठुरन बढ़ी है। हसनपुर तथा बिथान प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न

टोलों में प्रशासन द्वारा आलाव का समुचित व्यवस्था नहीं किया गया है। जिससे लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। ग्रामीण क्षेत्र में गरीबों को ठंड से कोई निजात मिलते नहीं दिख रहा है। प्रतिदिन दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालने वाले मजदूरों को काफी परेशानी हो रही है। उन्हें इस ठंड में भी अपने-अपने कामों में जाना पड़ता है, ताकि उनका परिवार चल सके। हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न जगहों में अविलंब अलाव की समुचित व्यवस्था जनहित में किया जाना चाहिए ताकि लोगों को ठंड से निजात मिल सके।

# एम. बी. बी. एस डाक्टर अजीत कुमार दास की हुई मौत

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**साहिल अंसारी**

बरौनी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की रात्रि लगभग 9 बजे उत्तर प्रदेश के लखनऊ शहर में हार्ट अटैक से मौत हो गई मौत की सूचना मिलते ही इलाके एवं समस्त नगर परिषद बरौनी में शोक का माहौल बना रहा घटना की खबर मिलते ही परिजनों का रो रो कर हुआ बुरा हाल फुलवड़िया निवासी उमा शंकर दास के पुत्र डाक्टर अजीत कुमार दास एमङ्ग बीङ्ग बीङ्ग एस की डिग्री के प्राप्ति के बाद लखनऊ में एमङ्ग डीङ्ग की तैयारी कर रहे थे शनिवार की रात्रि में लग भाग 9 बजे उनकी मौत अचानक हार्ट अटैक होने का हो गई सोमवार की सुबह करीब 4 बजे मृतक के पार्थिक शरीर को बरौनी उनके घर लाया गया और करीब 10 बजे अंतिम संस्कार के लिए सिमरिया घाट ले जाया गया

पूर्व मुखिया मो मंजूर आलम जानकारी बोलें बरौनी नगर परिषद की जनता ने एक होनहार डाक्टर को खो दिया डाक्टर अजीत कुमार दास की मौत एक अपूर्णीय छाती है दुख की इस घड़ी में मैं और मेरा पूरा मेडिकल विभाग डाक्टर अजीत कुमार दास जी के परिवार के साथ खड़ा है भगवान उनकी आत्म को शांति दे

इस दुखद घड़ी में परिजनों को मिलने और संतावना देने पहुंचे डाक्टर रमनीकाँत पोद्दार, डाक्टर आरपी दास, डाक्टर कासिफ रजा, लाइफ केयर किलिनिक के डायरेक्टर एवं फुलवरिया 2 के पूर्व मुखिया मो मंजूर आलम, टीपू मुरारका , समाज सेवी अनवर हैरान मनोज कुमार दस ,मेराज अख्तर दाना वार्ड पार्षद पंकज कुमार

# बखरी में भाकपा अंचल कमिटी की बैठक आयोजित

**जिला संवाददाता**
**रोजनामा इंडो गल्फ**
**चंद्रकिशोर पासवान**

बखरी बेगुसराय 'भाकपा (भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी) द्वारा जनवरी माह को जनसंगठन निर्माण का माह घोषित किया गया है। पार्टी के अंचल प्रभारी राजेन्द्र सहनी ने सोमवार को बखरी अंचल कमिटी की बैठक में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी सदस्यता के लेवी नवीकरण के बाद जनसंगठन को नए सिरे से सदस्यता प्राप्त कर यूनिट गठन करना है। इसमें किसान सभा, छात्र नौजवान संघ, महिला समाज, खेत मजदूर यूनियन सहित विभिन्न जनसंगठनों का गठन कर ज्वलंत मुद्दों पर संघर्ष की योजना बनाई जाएगी।राजेन्द्र सहनी ने बीपीएससी परीक्षा में पेपर लीक मामले का हवाला देते हुए भाजपा-जदयू

सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार का असली चेहरा इस घटना से सामने आ चुका है, और परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों की पिटाई तथा ठंड में पानी की बौछार करना सरकार के लिए शर्मनाक है। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार की जनता यह सब देख रही है, और इसका जवाब आगामी विधानसभा चुनाव में मिलेगा।बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 12 जनवरी को बीहट में आयोजित विचारगोष्ठी में अंचल परिषद सदस्य और शाखा मंत्री शामिल होंगे। इस विचारगोष्ठी के मुख्य अतिथि केंद्रीय पार्टी के शिक्षक राम पुनियानी होंगे। इसके अतिरिक्त, 15 जनवरी को तेघरा में आयोजित एक समारोह में पूर्व जिला मंत्री कॉमरेड रामेश्वर सिंह की जयंती मनाई जाएगी, जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रो. शमशुल इस्लाम मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

बैठक में संजय महतो की अध्यक्षता में अंचल मंत्री शिव सहनी, सहायक अंचल मंत्री जितेन्द्र जीतू, सुरेश सहनी, शाखा मंत्री अशोक केशरी, अनिल चौधरी, त्रिवेणी महतो, नंदलाल तांती, बलराम स्वर्णकार, रामचंद्र मुखिया, जयनारायण, सिकंदर पासवान, रामजी महतो आदि ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

# सीएम योगी बोले: राष्ट्रभक्त और रामभक्त थे कल्याण सिंह

## कल्याण सिंह ने सिद्धांत के लिए सरकार की तिलांजलि दी

संवाददाता

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की जयंत पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज बाबूजी हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी विरासत हमारे साथ है। बाबूजी कभी जिस बेसिक शिक्षा के स्कूल में पढ़े थे, आज उनका ग्रांड सन उस विभाग के मंत्री के रूप में शिक्षा को नई दिशा दे रहा है। यही है पूर्वजों की तपस्या यही है। साधना का फल, वह फलीभूत होगा। यदि सही दिशा में उसके लिए प्रयास किया गया है। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा संतोष, साक्षी महाराज, पूर्व सांसद राजबीर सिंह, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी मौजूद थे। सीएम ने कहा कि आज ही के दिन अलीगढ़ के एक गांव के सामान्य किसान परिवार में बाबूजी का जन्म हुआ था। बालक कल्याण सिंह ने उस समय आरएसएस की सामान्य शाखा से लेकर आगे के कार्यक्रम के माध्यम से अपने आप को राष्ट्र भक्ति के जिस सांचे में ढाला था। एक किसान, एक शिक्षक के रूप में 1977 में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री, विधायक, सांसद और दो बार प्रदेश के सीएम के रूप में उनकी कार्यकुशलता और प्रशासनिक क्षमता की दक्षता को हर एक व्यक्ति ने स्वीकार किया। सीएम ने कहा कि अक्सर होता है कि लोग सत्ता के लिए सिद्धांत को तिलांजलि देते हैं। कुछ प्राप्त करने के लिए मूल्यों के साथ समझौता करते हैं। लेकिन एक ऐसा व्यक्तित्व भी था, जिसने मूल्य और सिद्धांत के साथ समझौता नहीं किया। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान और उसके बाद भी प्रदेश की राजनीति को एक नई दिशा देने, प्रशासनिक दक्षता को परिपूर्ण करने के लिए 1990 के दशक के प्रारंभ में जो प्रयास शुरू किए गए थे। वह एक नए यूपी का दर्शन कराता है। योगी ने कहा कि 1947 में देश आजाद होता है, लेकिन सुशासन क्या होता है? यह यूपी के वासी नहीं देख पाए, इसका पहली बार अहसास तब हुआ जब प्रदेश में कल्याण सिंह पहली बार सीएम बने थे। याद कीजिए उस समय भी उन्हें अस्थिर करने के लिए झुंड के झुंड भी अव्यवस्था फैलाने के लिए उतारू हो गए थे। लेकिन उस समय भी उन्होंने श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए सरकार को तिलांजलि दी। आज वह सपना साकार हुआ है, बाबूजी की आत्मा को शांति मिली होगी। सीएम ने कहा कि यही है दूरदृष्टि, जो सपना देखा था वह साकार हो गया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को उन्होंने आरएसएस की पाठशाला में सीखा था, उसे जमीनी धरातल पर उतारने का काम किया। नकलविहीन परीक्षा के लिए चलाया गया अभियान, शासन की सुचिता और पारदर्शिता भी अनुकरणीय है। याद कीजिए की 21 अगस्त 2021 को वह हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनका मार्गदर्शन आज भी शासन प्रशासन के लिए पाथेय बनाय हुआ है। जब भी सुचिता की बात होती है तो कल्याण सिंह का नाम श्रद्धा एवं सम्मान से यूपी का हर व्यक्ति लेता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण सिंह ने 1990 के दशक में प्रदेश को सुशासन का अनुभव कराया। उन्होंने राम जन्मभूमि आंदोलन में अपनी सरकार की आहुति देकर यह साबित कर दिया कि उनके लिए सिद्धांत सर्वोपरि थे। सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होते देख उनकी आत्मा को शांति मिली होगी। उनके विचार आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण सिंह ने नकल विहीन परीक्षा का अभियान चलाकर युवाओं के भविष्य को सुरक्षित किया। किसानों के लिए योजनाएं लागू कर उनके जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास किया। योगी ने कहा कि उनके पौत्र संदीप सिंह आज बेसिक शिक्षा मंत्री के रूप में शिक्षा को नई दिशा दे रहे हैं। यह कल्याण सिंह जी के मूल्यों और आदर्शों की विरासत का ही परिणाम है। सीएम योगी ने कहा कि कल्याण सिंह का जीवन राष्ट्रवाद और संवेदनशीलता का प्रतीक था। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से मिले संस्कारों को अपने जीवन में उतारकर एक आदर्श राजनेता और प्रशासक का उदाहरण पेश किया। सीएम योगी ने कहा कि 21 अगस्त 2021 को भले ही उन्होंने भौतिक रूप से हमें छोड़ा हो, लेकिन उनके आदर्श और विचार हमेशा हमारा मार्गदर्शन करेंगे। जब भी ईमानदारी और सुशासन की बात होगी, कल्याण सिंह का नाम प्रदेश वासियों की जुबां से श्रद्धा से लिया जाएगा। कल्याण सिंह की स्मृतियों को अमर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने लखनऊ में कैंसर इंस्टीट्यूट और बुलंदशहर के मेडिकल कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नए उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए उनके योगदान का सम्मान है। उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, सांसद साक्षी महाराज, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

## संक्षिप्त डायरी

### सभी वर्गों की हितैषी पार्टी है रालोद: सिया शरण पाण्डेय

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** तहसील क्षेत्र के कुण्डवा उर्फ दिलीपनगर प्राथमिक विद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई राष्ट्रीय लोकदल की बैठक में वक्ताओं ने रालोद के नीतियों की चर्चा की। रविवार को हुई बैठक की अध्यक्षता करते हुए रालोद जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर ने कहा कि पार्टी के संस्थापक स्व0 चौधरी चरण सिंह व चौधरी अजित सिंह की नीतियों पर रालोद आगे बढ़ रही है। संगठन की मजबूती को आगे आएं कार्यकर्ता। मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश सचिव सिया शरण पाण्डेय ने कहा कि रालोद किसानों, मजदूरों, नौजवानों सहित सभी वर्गों की हितैषी पार्टी है। यही एक दल है जो किसान हितों को लेकर जागरूक है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के नेतृत्व में आम जन को बुनियादी सुविधाओं का लाभ दिलाने का कार्य किया जा रहा है। श्री पाण्डेय ने सांगठनिक मजबूती पर जोर दिया और कहा कि जातिवाद, सम्प्रदाय वाद से ऊपर उठकर युवा राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत करें। बैठक में देवदत्त यादव, जितेंद्र यादव, भास्कर यादव, परमार्थ पांडेय, जीवित मिश्रा, अभिषेक त्रिपाठी, महगु मुसहर, फागु मुसहर, जुमन अंसारी, फैयाज अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

### एबीपीएसएस को यूपी में धारदार बनाने की कवायद शुरू

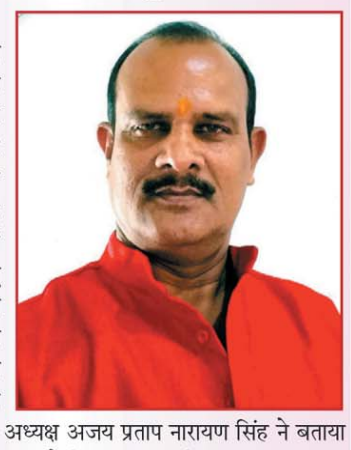

संवाददाता

**लखनऊ।** पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने को अपना मिशन बनाकर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति (एबीपीएसएस) को उत्तर प्रदेश इकाई ने राज्य में संस्था को धारदार बनाने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस आशय की जानकारी देते हुए अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने बताया कि देश और प्रदेश में पत्रकार अपने बिल्कुल असुरक्षित महसूस कर रहा है, आए दिन पत्रकारों के साथ मारपीट और उनकी हत्या हो रही है, दुर्भाग्य है कि पत्रकारों की सुरक्षा हेतु आजादी मिलने के इतने दिनों बाद भी देश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू नहीं हो पाया है। श्री सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने हेतु मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ को कई बार पत्र भेजा गया है अगले माह मुख्यमंत्री से मिल कर अपनी मांग रखी जाएगी। पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने को अपना मिशन बनाकर काम करने वाली संस्था अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति को उत्तर प्रदेश में धार दार बनाने हेतु कवायद तेज करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश क्लवाडिया के निर्देशन पर प्रदेश अध्यक्ष अजय प्रताप नारायण सिंह ने मंडलवार प्रभारी मनोनीत किए हैं साथ ही सदस्यता अभियान चलाए जाने के लिए सदस्यता अभियान समिति भी बनाया गया है। संगठन के प्रांतीय महासचिव अशोक छौंकर ने उक्त जानकारी देते हुए बताया है कि सीतापुर की पत्रकार अपर्णा मिश्रा को प्रदेश का सदस्यता अभियान प्रभारी मनोनीत किया गया है। श्री छौंकर के मुताबिक राजेश सिंह सूर्यवंशी को अयोध्या, बढ़ती और देवीपाटन, विष्णु कुमार चतुवेर्दी को झांसी, जफरयाब राव को मुरादाबाद, बरेली, प्रशांत सिंह को वाराणसी, विंध्याचल, मनोज पटेल को चित्रकूट, चंद्रमोहन गोपाल को आजमगढ, खालिक अंसारी को आगरा, मनीषा सिंह चौहान को लखनऊ, कानपुर, विपिन कांत सिंह को प्रयागराज, सुधीर कुमार पांडे को गोरखपुर, ज्योतिका पांडेय को सहारनपुर और स्वयं अशोक छौंकर को अलीगढ़ तथा मेरठ मंडल का प्रभारी मनोनीत किया किया गया है।

### रोटरी क्लब ने सेवा बस्ती में वितरित की हाइजीन किट

संवाददाता

**कसया, कुशीनगर।** रोटरी क्लब कुशीनगर ने रविवार शाम कसया नेशनल हाईवे पर स्थित सेवा बस्ती में स्वच्छता और स्वास्थ्य जागरूकता के तहत हाइजीन किट का वितरण किया। इस अवसर पर महिलाओं को स्वच्छता के महत्व और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं, जैसे सैनेट्री पैड, साबुन, डिटर्जेंट, शैंपू, तेल, टूथपेस्ट, टूथब्रश और टंग क्लीनर के साथ बुजुर्ग महिलाओं को ठंड से बचाने हेतु कंबल भी वितरित किए गए। रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली ने कहा, स्वच्छता स्वस्थ समाज की नींव है। सभी को स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए और प्लास्टिक के उपयोग को कम करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सचिव अजय सिंह ने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया और उन्हें स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर अध्यक्ष वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, उपाध्यक्ष दिनेश यादव, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुवेर्दी, संयुक्त कोषाध्यक्ष सदरे आलम, निदेशक अमित श्रीवास्तव, डॉ. सुनील सिंह, सतेंद्र राय, हेमंत गर्ग, अमरेंद्र नारायण सिंह, वैभव राव, आदिल खान, संजय यादव सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

### अच्छे कर्मों की बदौलत व्यक्ति हमेशा याद किये जाते हैं: भन्ते डा0 किटिफान

संवाददाता

**कुशीनगर।** थाई मोनेस्ट्री कुशीनगर के बौद्ध भिक्षुओं ने लोहिया पब्लिक स्कूल, रामपुर गढ़ के पूर्व संरक्षक समाजसेवी स्व0 चिरंजी लाल जायसवाल की द्वितीय पुण्यतिथि पर धम्म व शांति पाठ किया और कल्याण की कामना की। शनिवार को विद्यालय प्रांगण में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भन्ते डा0 किटिफान ने कहा कि तथागत ने गया में बुद्धत्व को प्राप्त कर विश्व को जीवन का मार्ग बताया। अच्छे कर्मों की बदौलत व्यक्ति हमेशा याद किये जाते हैं। स्व0 चिरन्जी लाल ने ग्रामीण क्षेत्र में स्कूल खोलक शिक्षा की ज्योति जलाई है। उनके सपनों को उनके परिजन पूरा क रहे हैं। इससे पूर्व स्व0 लाल के चित्र पर लोगों ने पुष्पार्चन कर नम किया। इस अवसर पर भोजन दा दिया गया। स्व0 लाल के सुपुत्र लोहिया पब्लिक स्कूल के प्रबन्धक विनोद कुमार जायसवाल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान भन्ते पी बुन मा, भन्ते अचान जू, ओम प्रकाश कुशवाहा, मनोज जायसवाल, विशंभर शुक्ला, सुमन, सीता, लवली, पिंटू गुप्ता, केदार गुप्ता, रानी पटेल, संध्या सहित छात्र-छात्रा और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

### समाजसेवी लाल जायसवाल की द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई

### सपा पूर्व विधायक जनता के साथ धरने पर बैठे

**कानपुर ।** कल्याणपुर विधानसभा से पूर्व विधायक सतीश निगम और सपा पार्षद प्रत्याशी क्षेत्र की समस्याओं को लेकर धरने पर बैठ गए। पांच सूत्रीय मांगों को लेकर के उन्होंने एक ज्ञापन भी दिया। क्षेत्र में खराब सड़क और गंदगी जैसी समस्याओं से परेशान जनता की समस्याओं को निवारण कि उन्होंने मांग की है। जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन कल्याणपुर एसीपी को धरना स्थल पर दिया गया। शहर के कल्याणपुर विधानसभा से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक सतीश निगम और सपा के पूर्व पार्षद प्रत्याशी संजय यादव क्षेत्रीय लोगों के साथ धरने पर बैठ गए। पूर्व सपा विधायक ने कहा की कल्याणपुर क्षेत्र के अंतर्गत बगिया क्रॉसिंग से लेकर केसा चौराहा आवास विकास तक सड़क की हालत बेहद खराब है।

### पहलवान यशपाल ने सीएम योगी को श्रीराम चरित मानस की प्रति भेंट की

संवाददाता

**कुशीनगर।** भारतीय कुश्ती विधा के विशेषज्ञ और कामन वेल्थ गेम में भाग ले चुके पहलवान यशपाल ने सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज से भेंट कर श्रीराम चरित मानस पुस्तक की प्रति भेंट की। पहलवान यशपाल ने प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा खेलों को बढ़ावा देने को लेकर खेल प्रेमियों औ खिलाड़ियों की ओर से आभा व्यक्त किया। श्री यशपाल ने कह कि केंद्र और प्रदेश सरकार ने यं इंडिया, खेलो इंडिया के तह ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी स्टेडियम क निर्माण कराकर खेल और शिक्षा क प्रोत्साहित किया है। इसी के सा भारतीय विधा की कुश्ती कला को बढ़ावा मिल रहा है। इसी क्रम में पहलवान यशपाल ने खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चन्द्र यादव से मिलकर कुश्ती कला को बढ़ावा देने की मांग की। इस दौरान हृदय नरायण पाण्डेय, शिवम पाण्डेय मौजुद रहे।

### अपहरणकताओं से छूटने के बाद घर पहुंचे मैनेजर, बताया क्या-क्या हुआ उनके साथ

**हाथरस ।** जिओ फाइबर के मैनेजर अभिनव भारद्वाज अपहरणकताओं से छूटने के बाद नवल नगर स्थित अपने आवास पर पहुंचे। अभिनव भारद्वाज ने अपहरण से लेकर अपहरणकताओं के चंगुल से सकुशल छूटने के दौरान की कहानी को विस्तार से बताया। अभिनव ने बताया कि कैसे और कहां से अपहरण किया गया, कहां पर लेकर गए, अपहरणकताओं ने कैसे रखा ? अभिनव भारद्वाज के सकुशल घर लौटने पर परिजनों के खुशी का ठिकाना नहीं था। उनके परिजनों ने भगवान को सादर आभार प्रकट किया। अभिनव भारद्वाज से जब अपहरण के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि सिकंदराराऊ में 1 जनवरी को होटल मिश्री में लंच पर गया। वहां से हाथरस आने लगा तभी अपहरकताओं ने गाड़ी में बिठा लिया। गाड़ी में 4 लोग थे। गाड़ी को वह अल्मोड़ा ले गए। वहां पर पहुंच कर 9 लोग हो गए। अभिनव भारद्वाज ने बताया कि अल्मोड़ा में मुझे अपहरणकर्ता पिस्टल की बट और प्लास्टिक की पाइप से मारते-पीटते थे और जबरदस्ती शराब पिलाते थे। मुझे होश में नहीं आने देते थे। मेरी सिम निकालकर फैंक दी थी। अन्य किसी के हॉटस्पॉट से मेरे फोन को कनेक्ट कर घरवालों से बात कराते थे। अल्मोड़ा से मुझे लेकर मुरादाबाद पहुंचे। अपहरण किसने कराया, इस पर अभिनव बोले वह होश में ही नहीं आने देते थे, मारते-पीटते थे। अपहरणकताओं ने कहा था कि पैसे मिलने के बाद मुझे मार देंगे। अपहरणकताओं के 20 लाख की जगह 3 लाख पर मानने पर बोले कि तेरे घर वाले पैसे का इंतजाम नहीं कर पा रहे हैं। अपहरणकताओं ने कहा था कि एफआईआर नहीं करना।

### प्रयागराज महाकुंभ में चलेगी 40 डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसें

लखनऊ। महाकुंभ से पहले प्रयागराज मेला क्षेत्र में 10-15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो जाएगा। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या के प्रमुख स्नान पर्व तक 30 और बसों को लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज भेज दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक बसें विभिन्न रूटों पर श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा उपलब्ध कराएंगी। 13 जनवरी से 27 फरवरी तक चलने वाले महाकुंभ को देखते हुए विशेष तैयारियां की गई हैं। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के जीएम प्राविधिक अजीत कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ मेला में मौनी अमावस्या पर्व से पहले लगभग 30 से 40 बसें प्रयागराज पहुंच जाएंगी। इन बसों की सप्लाई स्विच मोबिलिटी द्वारा की जा रही है। बसों की लंबाई 12 मीटर है, एक चार्जिंग में यह लगभग 200 किलोमीटर से अधिक संचालित की जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि नई इलेक्ट्रिक बसें जो परिवहन निगम को प्राप्त हो रही हैं उनको सीधे प्रयागराज क्षेत्र ही भेजा जा रहा है। पूर्व में इनका प्री डिलीवरी इंस्पेक्शन कानपुर में किया जाता था, लेकिन महाकुंभ मेले में प्रयागराज क्षेत्र में ही प्रयाग डिपो के अंतर्गत चेकिंग की जाएगी। रजिस्ट्रेशन करने के बाद इनको वहीं पर संचालित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय प्रबंधक प्रयागराज द्वारा मार्गो को चिन्हित कर लिया गया है, जिन पर इनका संचालन कराया जाएगा। प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि इलेक्ट्रिक बसों के लिए शहर और बाहर दोनों क रूट प्लान तैयार है। उन्होंने बताय कि नेहरू पार्क, बेला कछार औ अंदावा समेत प्रयागराज में बस की चार्जिंग की 4 जगह व्यवस्थ सुनिश्चित कर ली गई है। मेल प्रशासन और पुलिस के द्वार इनके रूट भी तय किए जा चुके हैं। पीक डेज में कुल 6 रूट्स प बसों का संचालन होगा, जबकि सामान्य दिनों में 11 रूट्स प इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। उन्होंने बताया कि बसों के आते ही उनका संचालन तत्काल प्रभाव से शुरू कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग द्वितीय चरण में डबल डेकर बसें भी संचालित करेगा। विभाग को दूसरे चरण में कुल 120 इलेक्ट्रिक बसें मिलने की संभावना है। इनमें से 20 बसें डबल डेकर होंगी तथा 100 बसें 9 मीटर और 12 मीटर की होंगी। 20 डबल डेकर की आपूर्ति स्विच मोबिलिटी के अलावा अन्य दो प्रकार की बसों की आपूर्ति में पिनेकल मोबिलिटी प्रा. लि. द्वारा की जाएगी।

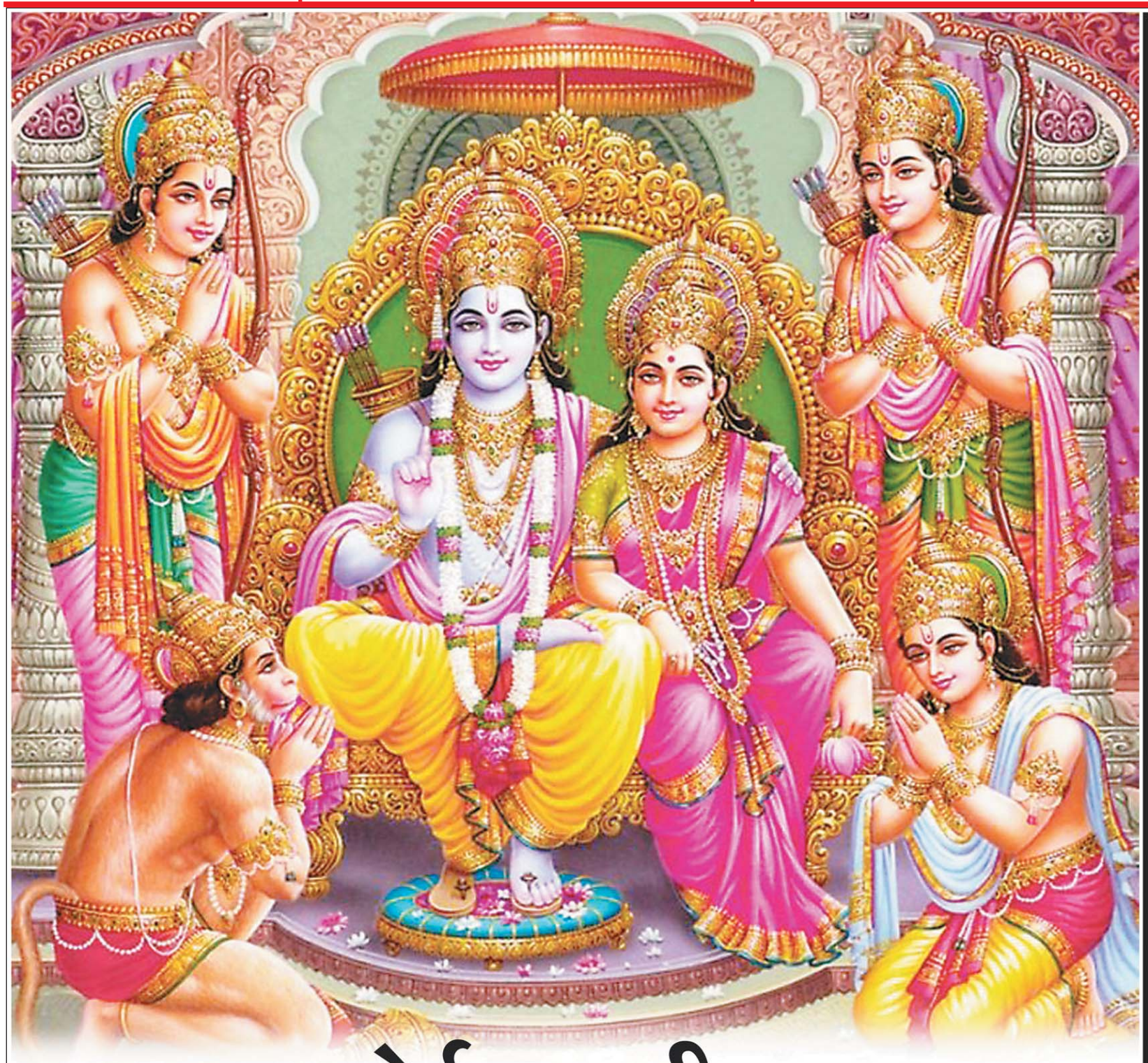

# रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।
रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई क्ष्धधद्दद्यद्ध मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है? वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।
पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।
यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

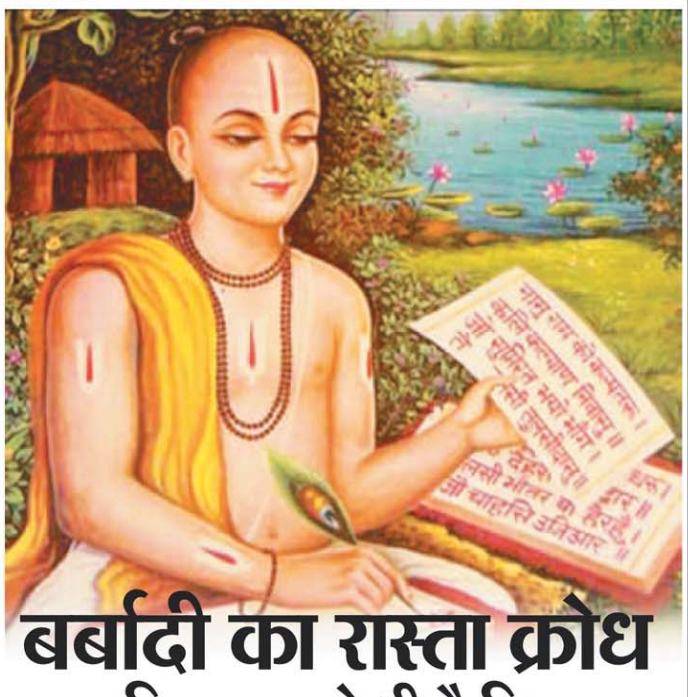



# बर्बादी का रास्ता क्रोध
## रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-
क्रुद्धः पापं न कुर्यात कः क्रृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्धः परुषया वाचा नरः साधूनधिक्षिपेत
कः क्रुद्धः पापं न कुर्यात, क्रृद्धः गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्धः नरः परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।
तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

# आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख समृद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावरण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।
**मनी प्लांट की दिशा-** वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।
**पानी में रखें-** वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।
**बेल को जमीन पर न आने दें** -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।
**खराब पत्ते-** वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

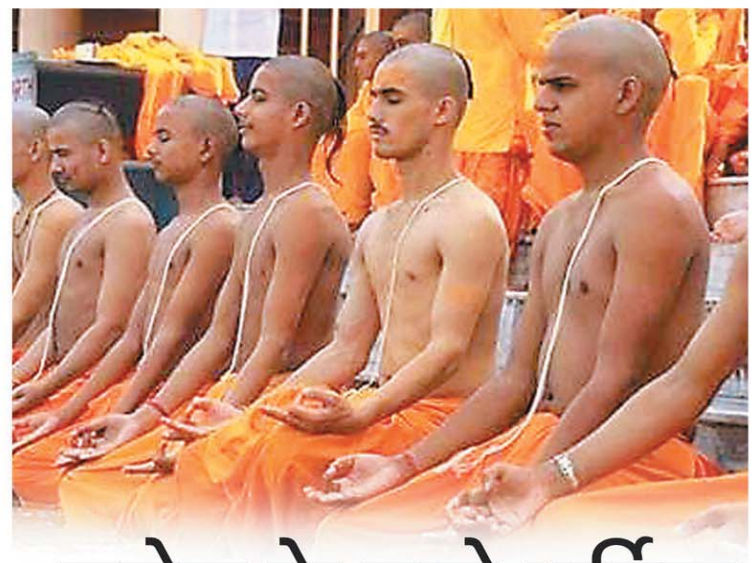





# जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

**हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।**

## क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में
**स्मरण शक्ति बेहतर-** हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।
**रक्तचाप नियंत्रण-** शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।
**हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर-** इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

# काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

**अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधंने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।**

## काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

## आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

## सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

## काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

# बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में गिरावट से तेल-तिलहनों के दाम टूटे

## - बिनौला तेल के दाम में भी गिरावट देखने को मिली

**नई दिल्ली ।** पिछले सप्ताह विदेशी बाजारों में खाने के तेलों के दामों में गिरावट की वजह से सभी खाने के तेल-तिलहनों के दाम हानि के साथ बंद हुए। इस दौरान सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के साथ-साथ बिनौला तेल के दाम में भी गिरावट देखने को मिली। बाजार के जानकार सूत्रों के अनुसार, पाम-पामोलीन के ऊंचे दामों के बीच इन खाद्य तेलों की मांग प्रभावित है। इन खाद्य तेलों के दाम अपने पिछले सप्ताह के मुकाबले 1,200-1,205 डॉलर प्रति टन रहे जिसके कारण सरकार ने आयातित तेलों के आयात शुल्क मूल्य बढ़ाने के बाद विनिमय दरों में वृद्धि की है। इस वृद्धि के कारण आयात के लिए 150 रुपये क्विंटल की ओर महंगाई हुई है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 125 रुपये की हानि के साथ 6,525-6,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 2,300-2,400 रुपये और 2,300-2,425 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,300-4,350 रुपये और 4,000-4,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 150 रुपये और 275 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,100 रुपये, 12,950 रुपये और 9,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 125 रुपये की गिरावट के साथ 5,800-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 45 रुपये की गिरावट के साथ 2,125-2,425 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 350 रुपये टूटकर 12,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 14,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

# किर्लोस्कर समूह ने सेबी के पत्र के खिलाफ सैट में अपील दायर की

## - डीएफएस को लेकर विवाद का मामला

**नई दिल्ली ।**

प्रसिद्ध भारतीय उद्योगपति परिवार किर्लोस्कर समूह ने अपने 130 साल और तेजी से चल रहे विवाद को एक नया मोड़ देते हुए प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के समक्ष एक अपील दायर की है। चार मुख्य कंपनियों की तरफ से यह अपील दर्ज की गई है- किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किर्लोस्कर न्यूमेटिक कंपनी लिमिटेड, और किर्लोस्कर ऑयल इंजन लिमिटेड। इन कंपनियों ने साझेदारी अनुबंध (डीएफएस) के खुलासे का खिलाफ खुलकर सामना किया है और सेबी के उन्हें पेश होने की मांग के खिलाफ अपील की है। इस मामले में परिवार के उभरते विवाद का भी जिक्र किया गया है जिसमें किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय किर्लोस्कर और अतुल किर्लोस्कर एवं राहुल किर्लोस्कर के बीच डीएफएस को लेकर विवाद था। कंपनियों ने डीएफएस के बाध्यता और उन पर एकाधिकार का आरोप लगाया है तथा उन्हें सलाह दी है कि सेबी को पीढ़ीबद्धता के नियम और पारिवारिक समझौतों की जानकारी के लिए उनकी व्यक्तिगत क्षमता में आयी परिवर्तनों से सू चित करें। इन संघर्षों




और अपीलों में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के भूमिका हो सकती है सामने आने वाले परिवर्तनों में महत्वपूर्ण। इसमें सेबी की भूमिका विशेष महत्व रखती है जिसने इन अपीलों के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए अवसर पाए। वहीं, प्रतिभूति की भूमिका भी विवादों के सुलझाव में महत्वपूर्ण हो सकती है।

# माइक्रोसॉफ्ट एआई और डेटा सेंटर्स में करेगा 80 बिलियन डॉलर का निवेश

## निवेश का उपयोग बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स बनाने और एआई को और पावरफुल बनाने पर किया जाएगा




**नई दिल्ली ।**

माइक्रोसॉफ्ट ने वित्तीय वर्ष 2025 में लगभग 80 बिलियन डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तकनीक को और पावरफुल बनाने पर किया जाएगा। 2022 में ओपन एआई के चेटजीपीटी लॉन्च होने के बाद एआई की दुनिया में हलचल मच गई है। इसका असर है कि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस में एआई का इस्तेमाल बढ़ा रही है। एआई को चलाने के लिए तेज़ी से काम करने वाले डेटा सेंटर्स की ज़रूरत है, जिनमें हज़ारों चिप्स जुड़े होते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने पहले ही एआई के लिए ठोस निवेश किया है और वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी का पूंजीगत खर्च 84.24 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैन ने बताया कि इस निवेश का अधिकांश हिस्सा अमेरिका में किया जाएगा, जिससे कंपनी की डेटा सेंटर्स की ताकत बढ़ेगी। माइक्रोसॉफ्ट अपने 365 कोपीलॉट को और बेहतर बनाने के लिए एआई मॉडल्स का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी चाहती है कि लागत कम हो और स्पीड बेहतर हो, इसलिए अब यह ओपन एआई के साथ-साथ दूसरे एआई मॉडल्स का भी इस्तेमाल करेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने साफ किया है कि यह कदम केवल उनकी साझेदारी को बढ़ाने के लिए है और कंपनी के पास ओपनएआई के मॉडल्स को कस्टमाइज़ करने का अधिकार भी हेगा।

# एसयूवी फ्रॉन्क्स में होगा हाइब्रिड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल




**नई दिल्ली ।** अपनी लोकप्रिय एसयूवी फ्रॉन्क्स में मारुति सुजुकी जल्द ही हाइब्रिड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने जा रही है। हाइब्रिड वाहन सेगमेंट में कदम रखते हुए फ्रॉन्क्स न केवल भारतीय बाजार में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर सकती है।

यह कदम कंपनी और कार इंडस्ट्री के लिए एक नया चैप्टर साबित हो सकता है, क्योंकि इससे कार की माइलेज 30 किलोमीटर प्रति लीटर तक बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी ने अप्रैल 2023 में फ्रॉन्क्स को लॉन्च किया था, और इसने भारतीय बाजार में आते ही धूम मचा दी थी। महज 10 महीनों में 1 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री के साथ यह मॉडल कंपनी का सबसे तेज बिकने वाला एसयूवी बन गया। इसके अलावा, कंपनी ने इसे अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मिडल ईस्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी निर्यात करना शुरू कर दिया। अब फ्रॉन्क्स का नया फेसलिफ्ट मॉडल अगले साल या फिर 2026 में लॉन्च हो सकता है, जिसमें हाइब्रिड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा। इस टेक्नोलॉजी के साथ नया झेड12ई इंजन जोड़ा जाएगा, जो स्विफ्ट के नए वेरिएंट में पहली बार दिखेगा। यह इंजन बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी (30+केएमपीएल) और ईको-फ्रेंडली होगा।

मारुति सुजुकी ने पहले ही ग्रैंड विटारा और अर्बन क्रूज़र हायरायडर के हाइब्रिड वर्जन में सफलता हासिल की है, और फ्रॉन्क्स फेसलिफ्ट के बाद कंपनी अगले कुछ सालों में बलेनो और एक कॉम्पैक्ट एमपीवी को भी हाइब्रिड वेरिएंट में लॉन्च करने की योजना बना रही है। 2027 तक, कंपनी अपनी नई स्विफ्ट हायब्रिड को बाजार में लाने का लक्ष्य रखती है। मारुति की एचईवी सिस्टम को सरल और किफायती बनाने पर जोर दिया गया है। यह निसान की ई-पॉवर टेक्नोलॉजी जैसी होगी, जिसमें पेट्रोल इंजन मुख्य रूप से बैटरी चार्ज करने के लिए काम करता है, जिससे माइलेज बेहतर होती है। अपडेटेड फ्रॉन्क्स में हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ डिजाइन में मामूली बदलाव और इंटीरियर्स में नए फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है।

# वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

## - वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभा वत करेगा

**मुंबई ।**

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह गुरुवार से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभो वित करेगा। एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा` कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों की शुरुआत इसी सप्ताह होने जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस और टाटा एलेक्सी गुरुवार नौ जनवरी को अपनी वित्तीय नतीजों की घोषणा करेंगी। निवेशकों की निगाह व्यक्तिगत शेयरों के प्रदर्शन पर रहेगी। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों के बाद बाजार का ध्यान आगामी आम बजट और डोनाल्ड ट्रंप 2.0 प्रशासन के नीतिगत निर्णयों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल बने हुए हैं। एफआईआई और डीआईआई के बीच इस तरह का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और यह इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा` कि नए साल के दूसरे सप्ताह को देखते हुए कई प्रमुख घटनाक्रम बाजार की धारणा प्रभावित कर सकते हैं। तिमाही नतीजों की शुरुआत टीसीएस के साथ होगी। तीसरी तिमाही के बेहतर नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी का रुख पलट सकता है।

# निफा ग्रुप ने 180 करोड़ की विस्तार योजना बनाई

## - कंपनी अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करेगी

कोलकाता । इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनी निफा ग्रुप ने अपनी 65वीं वर्षगांठ पर एक निवेश रणनीति पेश की। इसमें अगले दो वर्षों में भारत में परिचालन के लिए 180 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विस्तार योजनाओं के तहत कंपनी ने एक अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करने की अपनी योजना की घोषणा की, जिससे उसके सबसे बड़े बाजार में निकटवर्ती उपस्थिति मजबूत होगी तथा 'चीन प्लस वन' र नीति का लाभ उठाया जा सकेगा। निफा ग्रुप के चेयरमैन ने कह कि हम इस क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। पश्चिम बंगाल में दानव ुनी और चंदननगर में दो नई परियोजनाएं तथा फाल्टा में एक विस्तार परियोजना संभावित रोजगार अवसर पैदा कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हमारे 2,000 से अधिक कर्म ारी और सात परिचालन इकाइयां हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अ ेरिकी अधिग्रहण के लिए बातचीत चल रही है। कंपनी भारत  30 से अधिक देशों को उत्पाद निर्यात करती है।

# दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

## - भारतीयों की प्राथमिकता पोषण के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखना

**नई दिल्ली ।** भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में पिछले 12 वर्षों में काफी बदलाव आया है। नवीन रिसर्च रिपोर्ट से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। लोग अब खाद्य की बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट दर्शाती है कि साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर लोग ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। कपड़े, जूते जैसी चीजों पर खर्च कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय तेजी से घट रहा है जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तेजी से नहीं। पिछले 12 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई। इससे यह स्पष्ट है कि भारतीय परिवारों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं, जिसमें खाद्य की खपत कम होने के साथ-साथ गैर-खाद्य पदार्थों पर ध्यान बढ़ रहा है।

# बंधन बैंक का तिमाही परिणाम 15 फीसदी बढ़ा

## - डिपॉजिट में 20 फीसदी का उछाल

**नई दिल्ली ।** निजी बैंकिंग कंपनी बंधन बैंक ने अपने वित्त साल की तिसरी तिमाही के लिए रिजल्ट जारी कर दिया है। बैंक ने दिसंबर को समाप्त हुई तिमाही में विभिन्न सेक्टर में दरों और आंकड़ों में वृद्धि की जानकारी जारी की है। इस तिमाही में बैंक ने लोन और एडवांस में सालाना 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह आंकड़ा 1,33,285 करोड़ तक पहुंच गया है। यह एक प्रासंगिक वृद्धि है जो बैंक की समृद्धि को साबित करती है। साल दर साल तिमाही आधार पर बैंक की कुल जमा राशि में 20.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो सुझाव देती है कि बैंक की व्यापक वित्तीय सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई है। बैंक के सीएएसए जमा में भी 5.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो एक सकारात्मक चिन्ह है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बैंक की वित्तीय सेवाओं में विश्वासनीयता और सुविधा है। बंधन बैंक की सीएएसए रेश्यो अब 31.7 फीसदी है, जो एक साल पहले की स्थिति की तुलना में कम है।

# नायरा एनर्जी प्रति दिन एक पेट्रोल पंप जोड़कर अपना खुदरा नेटवर्क बढ़ाएगी

## - गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में विस्तार करने की योजना

**नई दिल्ली ।**

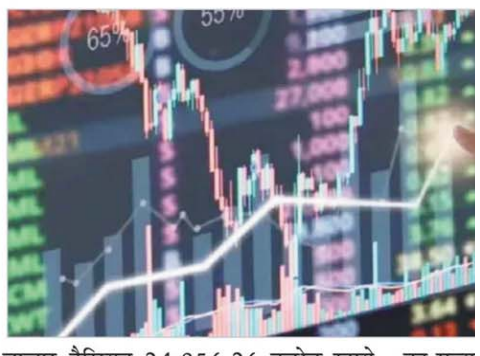

भारतीय ईंधन खुदरा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी नायरा एनर्जी ने इस साल अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 400 पेट्रोल पंप जोड़ने की योजना बनाई है। नायरा एनर्जी के देशभर में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप हैं, और कंपनी अपने नेटवर्क में लगातार नए पेट्रोल पंप जोड़ रही है। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में तेजी से विस्तार करने की योजना बनाई गई है। कंपनी ने बयान में कहा कि वे इस साल 400 नए खुदरा आउटलेट जोड़ने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। परिवहन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आक्रामक रूप से विस्तार की योजना के तहत, कंपनी ने नए डीलर शामिल करने और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने डीलर कार्यक्रम को भी नया रूप दिया है। नायरा एनर्जी देशभर में सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जनप्रिय है। इसके साथ ही, कंपनी हाल ही में 4,50,000 टन सालाना के पॉलीप्रॉपिलीन संयंत्र के साथ पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतरी है। नायरा एनर्जी के ईंधन स्टेशन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं। इस स्वर्णिम योजना के तहत, नायरा एनर्जी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट और सुरक्षित सेवाएं प्रदान करने के लिए आगे बढ़ रही है।

# सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप 96,605.66 करोड़ घटा

## - शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

**मुंबई ।**

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 96,605.66 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। इन में से सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण गिर गया, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, आईटीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी देखी गई। इन छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 82,861.16 करोड़ रुपये बढ़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 37,025.46 करोड़ रुपये घटकर 13,37,919.84 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,324.55 करोड़ रुपये घटकर 8,93,378.50 करोड़ रुपये, टीसीएस की



बाजार हैसियत 24,856.26 करोड़ रुपये घटकर 14,83,144.53 करोड़ रुपये और एसबीआई का मूल्यांकन 5,399.39 करोड़ रुपये घटकर 7,08,168.60 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 41,138.41 करोड़ रुपये बढ़कर 16,93,373.48 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 15,331.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,65,194.18 करोड़ रुपये, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 13,282.49 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,689.29 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्य कन 9,031.19 करोड़ रुपये बढ़कर 8,04,8 4.34 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांक 3,878.63 करोड़ रुपये बढ़कर 6,03,0 4.44 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 199.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9 10,934.58 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंप यों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स न पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः ीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय टेट बैंक, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

# एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी को मिली 1,000 मेगावॉट की सौर परियोजना

## - कंपनी को यूपीपीसीएल से परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार




**नई दिल्ली ।** एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) से 1,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना हासिल कर ली है। एनटीपीसी आरईएल ने 2.56 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर पर 1,000 मेगावाट क्षमता की परियोजना प्राप्त की है। अभी कंपनी को यूपीपीसीएल से इस परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल), एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। यह यूपीपीसीएल द्वारा आयोजित ई-रिवर्स नीलामी में सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। इस नीलामी का उद्देश्य शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये भारत में 2,000 मेगावाट आईएसटीएस-कनेक्टेड सौर पीवी बिजली परियोजनाओं की स्थापना को सौर ऊर्जा डेवलपर का चयन करना था।

# भारतीय मूल की कंपनियों ने करीब 20 प्रतिशत एच1बी वीजा हासिल किए

## - इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे आगे रही

**नई दिल्ली ।**

अमेरिका द्वारा जारी किए गए एच1बी वीजाधारकों का करीब एक-पांचवां हिस्सा भारतीय मूल की प्रौद्योगिकी कंपनियों ने हासिल किया है, इसका पता अमेरिकी आव्रजन विभाग के आंकड़ों से चलता है। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस दौरान सबसे आगे रही हैं। अप्रैल-सितंबर, 2024 की अवधि में भारतीय तकनीकी कंपनियों को जारी किए गए कुल 1.3 लाख एच1बी वीजा में से लगभग 24,766 वीजा भारतीय मूल की कंपनियों को जारी किए गए। इनमें से इन्फोसिस ने 8,140 लाभार्थियों के साथ अग्रणी स्थान हासिल किया। उसके बाद टीसीएस (5,274) और एचसीएल अमेरिका (2,953) का स्थान रहा। अग्रणी होने की दिशा में इन्फोसिस के एक अे धिकारी कहते हैं, हमारी जिम्मेदारी उत्कृष्टता की ओर साथ ऊंचाईयों की तरफ जाना है। विभिन्न भारतीय कंपनियां जैसे टेक महिंद्रा, विप्रो, और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इस चरण में भी उभरती हैं।

इस कार्यक्रम से लाभान्वित होकर, ये कंपनियां न केवल एच1बी वीजाधारकों के लिए सर्वाधिक पसंदीदा नियोक्ताओं में शामिल हो रही हैं, बल्कि अमेरिका में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में भी अग्रणी बन रही हैं। इस कार्यक्रम का भविष्य अमेरिकी कंपनियों के कुशल कार्यकर्मियों की जरूरत पर निर्भर होगा, जबकि उन्हें नियामकीय परिवर्तनों और सार्वजनिक मत को ध्यान में रखते हुए अपने नौकरियों को रक्षित रखने के लिए पहल करनी होगी। टेस्ला के उद्योगपति एलन मस्क ने भी इस कार्यक्रम की महत्वता को स्वीकार किया है और उसे समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम से संबंधित मस्क के तांत्रिक कहने पर कंपनियों के लिए अमेरिका में विदेशी कार्यकर्मियों की महत्वपूर्णता को दिखाने की तय हो गई है।

# टाटा संस एयर इंडिय को अव्वल दर्जे की एयरलाइन बनाने वे लिए प्रतिबद्ध

## टाटा समूह ने 20 2 में एयर इंडिया का एकाधिकार ासिल किया था

**नई दिल्ली ।** टाटा समूह के चे रमैन एन चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया को ग्लोबल एयरलाइन के रू में उच्च स्तर पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने बताय कि टाटा समूह ने 2022 में एयर इंडिया का एकाधिकार हासिल कि या था। चंद्रशेखरन एनआईटी त्रिची के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे और वहां एयर इंडिया के उपयोगकर्ताओं को एक श्रेष्ठ अनु व देने की कामना की। चंद्रशेखरन ने कहा, मेरी प्रतिबद्धता है कि ह एयर इंडिया को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइनों में शामिल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। हम पूरी कोशिश करेंगे कि उड़ान का अनुभव, ग्राहक सेवा, तकनीकी उन्नति और समर्थन सभी मानको को पूरा करें। उन्होंने मौजूदा दर्शकों से उम्मीद की कि वे एयर इंडिया के ऑर्डर का पालन करने के बारे में बोइंग और एयरबस से अनुरोध रें। एयर इंडिया समूह ने कुल 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। टाटा संस ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर का नि ेश किया है और इसमें बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि हमें सेमीकं क्टर क्षेत्र में एक पारिस्थितिकी तंत्र को स्थापित करने की दिशा में अ सर होना है।

# सुधार के बावजूद संकटों से घिरा भारतीय विमानन क्षेत्र

-प्रियंका सौरभ

**यह सुनिश्चित करने के लिए कि विमानन सुरक्षा वैश्विक मानकों के अनुरूप हो, भारत को एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, नियामक निरीक्षण को बढ़ाना, उन्नत तकनीक में निवेश करना और कौशल विकास को प्राथमिकता देना, घटना रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूत करना, सुरक्षा-प्रथम संस्कृति का निर्माण करना और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करना इस क्षेत्र को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएगा, यात्रियों का विश्वास, परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करेगा और वैश्विक विमानन सुरक्षा मानकों में भारत का नेतृत्व सुनिश्चित करेगा। विमानन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिये सरकार को विमानन नीति में आमूलचूल बदलाव करने की जरूरत है।**

भारत का विमानन क्षेत्र, जो वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, आर्थिक विकास और कनेक्टिविटी में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के तहत एक मजबूत नियामक ढांचे के बावजूद, कोझीकोड (2020) में एयर इंडिया एक्सप्रेस दुर्घटना जैसी बार-बार होने वाली घटनाएँ विमानन सुरक्षा में प्रणालीगत चुनौतियों को उजागर करती हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ तालमेल बिठाने और यात्रियों का भरोसा सुनिश्चित करने के लिए इन मुद्दों पर विचार करना महत्त्वपूर्ण है। चिंतनीय स्थिति यह है कि अभी चाहे इंडिगो, स्पाइसजेट और गोएयर जैसी प्राइवेट कंपनियाँ हों या एयर इंडिया जैसी सरकारी कंपनी, लगभग सभी एयरलाइंस वित्तीय मोर्चे पर लगातार संघर्ष कर रही हैं। बोइंग 737 मैक्स विमानों को परिचालन से हटा दिये जाने के कारण स्थिति और भी खराब हो गई है। भारतीय विमानन बाजार में विमान किराए तेजी से बढ़ रहे हैं। इस कारण मध्यम वर्ग के यात्री जो इकोनॉमी क्लास में यात्रा करते थे, वे अब ट्रेन से यात्रा को तरजीह दे रहे हैं।

भारत का विमानन बाजार वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाले बाजारों में से एक है, जिसमें हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ रही है और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे का विस्तार हो रहा है। दिल्ली के टर्मिनल 3 और बैंगलोर के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसे आधुनिक हवाई अड्डों का निर्माण मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास को दशार्ता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ऑपरेटरों और विमानों के लिए सुरक्षा अनुपालन और प्रमाणन सुनिश्चित करता है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की वार्षिक सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट एयरलाइनों और हवाई अड्डों के परिचालन मानकों का मूल्यांकन करती है। भारत अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन अनुलग्नक 13 पर हस्ताक्षरकर्ता है, जो दुर्घटनाओं की जांच और वैश्विक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करता है। कोझिकोड दुर्घटना (2020) के बाद, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन-अनुरूप सुरक्षा ऑडिट किया और सुधारात्मक दिशा-निर्देश जारी किए। प्रमुख भारतीय वाहकों ने सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत सुरक्षा सुविधाओं वाले आधुनिक विमानों को अपनाते हुए अपने बेड़े का विस्तार किया है। इंडिगो एयरलाइंस एयरबस ए320नियो का

संचालन करती है, जो ईंधन दक्षता और सुरक्षा उन्नयन के लिए जानी जाती है। 2016 की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति विकास, क्षेत्रीय संपर्क और विमानन बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उड़ान योजना ने सब्सिडी और प्रोत्साहन के माध्यम से क्षेत्रीय हवाई यात्रा को सुलभ बनाया।

बार-बार होने वाली विमानन सुरक्षा घटनाओं की चुनौतियों में रनवे भ्रम सबसे पहले है। पायलटों को अक्सर टैक्सीवे और रनवे के बीच अंतर करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिससे गलत सतहों पर टेकऑफ या लैंडिंग होती है। मोपा घटना (2024) और सुलूर एयर बेस घटना (1993) बार-बार होने वाले रनवे भ्रम को उजागर करती हैं। उड़ान और ड्यूटी समय विनियमों के अपर्याप्त कार्यान्वयन से चालक दल थक जाता है, जिससे निर्णय लेने और परिचालन सुरक्षा से समझौता होता है। कोझिकोड दुर्घटना में पायलट थका हुआ था, जिसके कारण कैप्टन पर बाद की उड़ानों को संचालित करने का दबाव था। एयरलाइंस रनवे मार्किंग और एप्रोच प्रोटोकॉल पर पर्याप्त पायलट प्रशिक्षण प्रदान करने में विफल रही, जिसके कारण बार-बार गलतियाँ हुईं। स्पाइसजेट विमान (2020) को रनवे एप्रोच तकनीकों के अनुचित ज्ञान के कारण कठिन लैंडिंग का सामना करना पड़ा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय के ऑडिट अक्सर हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे और संचालन में महत्त्वपूर्ण सुरक्षा अंतराल की पहचान करने या उन्हें सम्बोधित करने में विफल रहते हैं। मुंबई (2019) और हुबली (2015) जैसे हवाई अड्डों पर ओवररन अपर्याप्त सुरक्षा उपायों के परिणामस्वरूप हुए। ऑन-टाइम परफॉरमेंस पर अत्यधिक जोर पायलटों को सुरक्षा प्रोटोकॉल की अनदेखी करते हुए जोखिम भरे निर्णय लेने के लिए मजबूर करता है। मंगलुरु दुर्घटना (2010) दबाव के कारण हुई, जिसमें पायलट ने गो-अराउंड चेतावनियों को खारिज कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ संरेखित करने के लिए व्यापक सुधार पायलट प्रशिक्षण में वृद्धि, एयरलाइंस को रनवे भ्रम और स्थिर दृष्टिकोण जैसे परिदृश्यों के लिए सिम्युलेटर-आधारित प्रशिक्षण में सुधार करना चाहिए। सिंगापुर एयरलाइंस ने ताइवान दुर्घटना (2000) के बाद पायलट प्रशिक्षण को संशोधित किया, ताकि इसी तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। चालक दल की ड्यूटी सीमा के लिए वैश्विक मानकों को लागू करें और बिना किसी समझौते के अनुपालन को लागू करें। यू.एस. संघीय उड्डयन प्रशासन ने उड़ान चालक दल के लिए सख्त विश्राम अवधि अनिवार्य की है, जिससे थकान से होने वाली गलतियाँ कम होती हैं। पारदर्शिता और सीखने को सुनिश्चित करने के लिए दुर्घटना की जाँच के लिए एक स्वतंत्र निकाय की स्थापना करें। यू.एस. में राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड विमानन घटनाओं की निष्पक्ष जाँच सुनिश्चित करता है। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठनमानकों को पूरा करने के लिए रनवे मार्किंग, नेविगेशन एड्स और लाइटिंग सिस्टम सहित हवाई अड्डे के बुनियादी ढाँचे को अपग्रेड करें। सिंगापुर और दुबई में आधुनिक हवाई अड्डे (इंजीनियर्ड मैटेरियल अरेस्टिंग सिस्टम) जैसी उन्नत प्रणालियों के साथ सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं। पायलटों को दोष देने से हटकर न्यायपूर्ण संस्कृति को बढ़ावा देना, प्रतिशोध के डर के बिना त्रुटि रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन की वैश्विक विमानन सुरक्षा योजना एक प्रमुख प्राथमिकता के रूप में सुरक्षा संस्कृति पर जोर देती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि विमानन सुरक्षा वैश्विक मानकों के अनुरूप हो, भारत को एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, नियामक निरीक्षण को बढ़ाना, उन्नत तकनीक में निवेश करना और कौशल विकास को प्राथमिकता देना, घटना रिपोर्टिंग तंत्र को मजबूत करना, सुरक्षा-प्रथम संस्कृति का निर्माण करना और अंतर्राष्ट्रीय निकायों के साथ सहयोग करना इस क्षेत्र को भविष्य के लिए सुरक्षित बनाएगा, यात्रियों का विश्वास, परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करेगा और वैश्विक विमानन सुरक्षा मानकों में भारत का नेतृत्व सुनिश्चित करेगा। विमानन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिये सरकार को विमानन नीति में आमूलचूल बदलाव करने की जरूरत है। विमानन क्षेत्र में दीर्घकालीन ढाँचागत सुधार किये बिना कुछ हासिल नहीं हो सकता। इसके लिये सरकार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय, बैंकों और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा ऐसे कदम उठाना आवश्यक है जिनसे विमानन कंपनियाँ घाटे के दुष्चक्र से बाहर निकल सकें।

## संपादकीय

### सुविधा और पर्यावरण हित

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने होलोग्राम आधारित रंग कोड़ वाले स्टीकर को अनिवार्य बनाने पर विचार करने को कहा है। शीर्ष अदालत ने 2018 में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रस्ताव को स्वीकार किया था जिसमें दिल्ली-एनसीआर इलाके में पेट्रोल-सीएनजी का इस्तेमाल करने वाले वाहनों में होलोग्राम आधारित अलग-अलग रंग के स्टीकर लगाने की परिकल्पना की गई थी। इनमें वाहन के पंजीकरण की तारीख भी शामिल होनी थी। अदालत के आदेश के बाद केंद्र ने होलोग्राम आधारित स्टीकर की योजना को कानूनी मान्यता देने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1989 के नियम 50 और उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट आदेश, 2001 में संशोधन किया। एनसीआर में हर साल सर्दियों में वायू प्रदूषण की बढ़ती समस्या को देखते हुए सख्त कदम उठाने की जरूरत बढ़ती जा रही है। एनसीआर में उप्र, राजस्थान, हरियाणा शामिल हैं। देश में 2022 में कुल पंजीकृत वाहनों की संख्या साढ़े पैंतीस करोड़.के करीब थी, जो इन दो सालों में तीव्र गति से बढ़ी है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क होने के कारण परिवहन उत्सर्जन से होने वाला प्रदूषण तेजी से बढ़ता जा रहा है। ये वहान पेट्रोल, ड़ीजल और सीएनजी के अतिरिक्त मेथनॉल, ईथनॉल, ईधन सेल हाइड्रोजन, एलएनजी, एलपीजी और सौर से भी चालित हैं। सबके लिए जरूरी है विशेष पहचान। इस स्टीकर के अलग-अलग रंग दूर से इनके ईधन के संकेतक बन सकेंगे। देश के कई शहरों में वायु प्रदूषण जानलेवा स्तर तक पहुंचता है जिसमें सुधार लाने के प्रयास आवश्यक होते जा रहे हैं परंतु बार-बार नये नियम लाद कर जनता से वसूली करना भी सरकारी विभागों की उगाही का जरिया बन चुका है। देश में सबसे बड़ी संख्या दो-पहिया वाहनों की 2.95 लाख बताई जाती है जो सड़क सुरक्षा के साथ ही खराब हवा में सांस लेने को भी मजबूर हैं। प्रदूषणजनित रोगों के अतिरिक्त सड़क हादसों पर लगाम लगाने में सरकारी तंत्र बुरी तरह असफल है। बात भले ही नंबर प्लेट बदलने की हो या किसी तरह के स्टीकर लगाने की, सरकारी स्तर पर ऐसे प्रयास होने चाहिए कि वाहन पंजीकरण के दरम्यान ही इन सबका एकमुश्त शुल्क वसूला जा सके। न कि बार-बार चालान काट कर वाहन चालकों से वसूली चालू की जाए। इससे न सिर्फ जनता परेशान होती है, बल्कि सरकारी संसाधनों और यातायात पुलिस का काम भी बढ़ जाता है। सुविधाओं या नियमों को लागू करने की भी संयमित व्यवस्था जरूरी है।

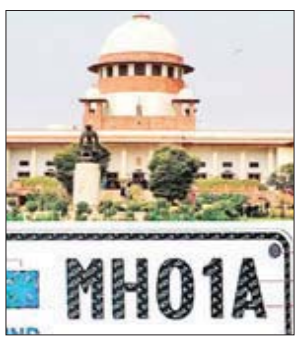


## चिंतन-मनन

### क्यों कहते हैं विष्णु भगवान को नारायण

भगवान विष्णु के हजारों नाम हैं। इनमें एक प्रमुख नाम है नारायण। फिल्मों, टीवी सीरियल या रामलीला में आपने देखा होगा कि नारद मुनि भगवान विष्णु को नारायण नाम से पुकारते हैं। इस नाम का धार्मिक रूप से बड़ा महत्व है। इस एक नाम में सृष्टि का संपूर्ण सार छिपा हुआ है। इसलिए शास्त्रों में अधिकांश स्थानों पर विष्णु भगवान को नारायण नाम से संबोधित किया गया है। हिन्दू धर्म में अठारह पुराणों का वर्णन मिलता है। इन अठारह पुराणों में विष्णु पुराण एक है। इस पुराण में सृष्टि की रचना का वर्णन किया गया है। इसी प्रम में बताया गया है किस प्रकार विष्णु भगवान ने वाराह रूप धारण करके पृथ्वी को रसातल यानी पाताल लोक से उठाकर जल के मध्य में स्थित किया। इसके बाद ब्रह्मा जी ने सत्व, रज और तम गुणों से असुर, देव, राक्षस, यक्ष, मनुष्य, सर्प एवं अन्य जीव-जन्तुओं की रचना की।

विष्णु पुराण में बताया गया है कि सृष्टि के समाप्ति के समय सब कुछ जल में समा जाता है और संपूर्ण ब्रह्माण्ड अंधकारमय हो जाता है। भगवान विष्णु चिर निद्रा में जल में शयन करते हैं। देवताओं का दिन आरंभ होने पर भगवान विष्णु फिर से सृष्टि की रचना करते हैं और ब्रह्मा एवं शिव की उत्पत्ति उन्हीं से होती है। भगवान विष्णु प्रथम नर रूप में व्यक्त होते हैं। इसलिए शास्त्रों में इन्हें आदिपुरूष कहा गया है। आदि पुरूष विष्णु का निवास यानी आयन नार यानी जल है इसलिए भगवान विष्णु को नारायण नाम से संबोधित किया जाता हैं।

# सामूहिक योगदान से ही बच सकेगी धरा

मुकेश तिवारी

सन् 1907के पश्चात जब जब इसकी ईजाद हुई प्लास्टिक में हमारे जनजीवन में अहम भूमिका अदा की, और आज भी हमारे जीवन में इसकी मौजूद की बनी हुई है। 20वीं सदी का तथा कथित आश्चर्यजनक उत्पादन आज हमारे पर्यावरण का धीरे-धीरे गला दबोच रहा है ,और हमारी पर्वत श्रृंखलाओं और समुद्री को दुत गति के साथ प्रदूषित करता जा रहा है। प्लास्टिक कितने दिनों में सड़ता है इसके बारे में निश्चित रूप से कोई नहीं जानता संभव है कि इसमें 450 वर्ष से अधिक का वक्त लग जाए

पिछले तीन दशकों में प्लास्टिक के उत्पादन और खपत में काफी वृद्धि हुई है। आज दूध के बोतल,बैग से लेकर पानी की बोतले , बर्तन,पेन मोबाइल, घरेलू सामान सब कुछ प्लास्टिक से निर्मित है। यह मानव निर्मित होने की वजह से प्रकृति इसे स्वीकार नहीं करती। सिंगल यूज वाली प्लास्टिक की वस्तुओं ने पर्यावरण को काफी क्षति पहुंचाई है। इसकी कम कीमत के कारण इसका उत्पादन काफी बड़े पैमाने पर होता है, और इसके खतरनाक जहरीलेपन को नजरंदाज कर दिया जाता है।आज विश्व भर में 12 अरब टन प्लास्टिक मौजूद हैं, इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है, ऐसा कोई शहर नहीं बचा है। जहां प्लास्टिक कचरे के पहाड़ न बन चुके हो। आंकड़ों पर पर एतबार करें तो विश्व भर में महज पांच में से एक हिस्से के प्लास्टिक की रिसाइकिल हो पातीं है। इस तरह इसका 80फीसदी हिस्सा लैंडफिल साइट अथवा सीधे समुद्र में जा रहा है। प्लास्टिक स्तनधारियों को प्रत्यक्ष रूप से असमय ही मौत के मुख में पहुंचा रहा है। क्यों कि वे इसे गटक रहे हैं,या यह उनके खाने की वस्तुओं में मिल रहा है, ओर इस तरह पादप जीवन को नष्ट कर रहा है, और इसी तरह मानव को भी। हर साल एक लाख से अधिक समुद्री जीव जंतु प्लास्टिक में फंसने के कारण असमय ही मर जाते हैं। काफी बड़ी संख्या में ह्वेल, पक्षी,सील और कछुए समुद्र में प्लास्टिक की थैलियों के फेंके जाने के कारण मार जाते हैं। क्यों कि ये जीव जंतु इन प्लास्टिक की थैलियों को भोजन समझकर ग्रहण कर लेते हैं।

शोधकताओं के मुताबिक बड़ी खबरें नदियों से होते हुए 95 फीसदी प्लास्टिक समुद्र में पहुंच रहा है। तकरीबन 1.5करोड टन प्लास्टिक समुद्र में कचरे के तौर पर फेंक दिया जाता है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा हिद महासागर का है, इसके बाद यह कचरा कहा जाता है। यह आज भी एक रहस्य है, वैज्ञानिकों के मुताबिक ज्यादातर कचरा बंगाल की खाड़ी में जमा हो रहा है। विश्व भर में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूकता तो आई है। दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जिन्होंने सिगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणमों को देखते हुए काफी लम्बे समय से इसके उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व भर में ऐसे 16देश है, जिसमें यूके, अमेरिका, ताइवान जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा तकरीबन 127देश एक ऐसा कानून बनाने की तैयारी में है, जिससे प्लास्टिक का उत्पादन और उपयोग पूरी तरह से बंद किया जा सके।

एशिया में सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया जाता है। हमारे देश में नगर निगमों के ठोस कचरा मैं इसकी मौजूद की सबसे ज्यादा होती है। अकेले हिंदुस्तान में 28,940 टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन प्रतिदिन होता है और इसी तरह वह प्लास्टिक कचरे के उत्पादन में 10 फीसदी से अधिक का योगदान करता है। काबिलेगोर है कि समस्या प्लास्टिक के उत्पादन में इतनी नहीं है, बल्कि एक उपभोक्ता के रूप में इसके कुप्रबंध इसकी रिसाइकलिंग कि आप्रभावी नीतियों से और उत्पादको की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से है। फिर कचरा प्रबंधन की बुनियादी सुविधा को उन्नत बनाना, इसमें नवाचार जिस द्रुत गति से प्लास्टिक कचरे का उत्पादन बढ़ रहा है उससे तालमेल मिलाकर नहीं चल रहा। कचरा इकट्ठा करने वालों और कबाडी वालों या स्क्रैप डीलरों की अनौपचारिक श्रृंखला की मदद से प्लास्टिक के बोतल कंटेनर आदि पुनः उपयोग में या रिसाइकलिंग के लिए पहुंच जाते हैं। हालांकि इस बात के ठोस प्रयास किया जा रहे हैं कि कठोर प्लास्टिक पैकिंग और रीसाइकिलिंग कंपनियां भी करें। लेकिन सिंगल प्रयोग वाले अन्य प्लास्टिक उत्पादनों जैसे थैली। कैंडी को लपेटने वाली प्लास्टिक ,तंबाकू की पैकिंग के लिए प्रयुक्त होने वाले पाउच , साबुन की पैकिंग और शैंपू के खाली पाउच को जमा करना या तो बहुत ही दुरुह होता है या फिर इससे पैसे नहीं मिलते। इसका एक उदाहरण है ई कॉमर्स उद्योग कि शुरूआत होने के बाद से पैकिंग पैकेजिंग कचरे में वृद्धि हुई है। इसका पता इसी से चलता है की कुल उत्पादन के लगभग 40 फीसदी हिस्से का प्रयोग पैकिंग पैकेजिंग के लिए होता है ई-कॉमर्स उद्योग का उपभोक्ता आधार बढ रहा है क्योंकि यह सस्ता, सुलभ समय बचाने वाला होता है। कोई वही वस्तु जिसका ऑनलाइन ऑर्डर किया जाता है। वह प्लास्टिक बैग में पैक होकर आर्डर करने वाले के पास आता है। यह प्लास्टिक कचरे में इजाफा करता है। पिछले कुछ सालों में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को कम करने जैसे पूरी तरह से रोकने की दिशा में ठोस प्रयास हुए हैं और इसमें तेजी आ रही है। चीन एशिया में प्लास्टिक का सबसे बड़ा उत्पादक देश है उसने भी सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणामों को देखते हुए। पतले प्लास्टिक बैग्स को पूर्णत प्रतिबंधित कर दिया है और मोटे बैग्स पर रिटेलर से शुल्क वसूलना प्रारंभ कर दिया है। माना जाता है कि चीन सरकार की इस पहल से प्लास्टिक बैग के प्रयोग में 70 फीसदी कमी आई है। तेज गति से बढ़ाने वाली अर्थव्यवस्था और 1.3 अरब की जनसंख्या के साथ भारत समुद्र में मिल रहे प्लास्टिक की कचरे में बड़ा योगदान करता है। उसको प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में भी परेशानी हो रही है। सरकार और जनता प्लास्टिक के दुष्परिणामों को भली-भांति समझ रही है और इसे उचित अहमियत दी जा रही है सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध तब तक सफल नहीं होगा जब तक कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति इसके प्रयोग को न ना कहे।

केन्द्रीय सरकार ने भी स्वच्छ भारत और हर घर जल जैसी बड़ी योजनाओं के पश्चात अब देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने की युद्ध स्तर पर मुहिम छेड़ रखी है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से मोदी ने भारत को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त करने की घोषणा की थी। उस पर सख्ती से अमल किया जा रहा है। यूरोपीय यूनियन ने भी वर्ष 2021 से सिंगल उसे प्लास्टिक आइटम का उपयोग पूरी तरह से बंद कर का चुकी है जबकि चीन के कमर्शियल हब शंघाई ने भी सिंगल यूज प्लास्टिक पर साल 2025 तक पूर्ण का प्रबंध का लक्ष्य है।

ऐसा नहीं है कि प्लास्टिक सिर्फ जमीन या जल स्रोतों को ही प्रदूषित कर रहा है एक रिपोर्ट के मुताबिक एक व्यक्ति हर सप्ताह एक क्रेडिट कार्ड के आकार जितना प्लास्टिक खा लेता है। जो कि तकरीबन 5 ग्राम जितना बजनी होता है। इसमें से ज्यादातर वह पानी के साथ पीता है। प्लास्टिक को समाप्त किए जाने के साथ-साथ हमें इसके कु प्रबंधन से भी रुवरु होना चाहिए और कैसे रीसाइकलिंग और दोबारा प्रयोग को मुख्यधारा में लाया जाए। इस बारे में भी बड़े स्तर पर जागरूकता और विश्व स्तर पर लक्ष्य के साथ सफाई अभियान चलाने की सख्त जरूरत है ताकि हम कितनी प्रगति कर रहे हैं इसकी जानकारी हमें मिलती रहे। सडने गलने वाले प्लास्टिक और शून्य कचरा की बात को सरकार और पर्यावरण के प्रति जागरूक लोग अब समझने लगे हैं इसे देखते हुए प्लास्टिक रीसाइकलिंग उद्योग में तेजी आने की उम्मीद की जा रही है। इस क्रांति से प्लास्टिक के उत्पादन में कच्चे माल को बचाने लैंड फील्ड की समस्या कम करने ऊर्जा की खपत कम करने में सफलता मिलेगी।

# टीम ईडयाः अब बदलाव की जरूरत

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय टीम सिड़नी टेस्ट में हार कर पिछले एक दशक में पहली बार ऑस्ट्रेलिया के हाथों बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को गंवा बैठी। इस दौरे और इससे पहले न्यूजीलैंड़ के हाथों घर में पहली बार 3-1 से सफाये के बाद लगने लगा है कि टीम इंड़िया में अब बदलाव की जरूरत है। सही है कि इस सीरीज को खोने में बल्लेबाजों के योजना के हिसाब से नहीं खेलने, टीम चयन में गलतियां करने की तो भूमिका रही ही, टीम के दिग्गज बल्लेबाजों का नहीं चलना भी बड़ा कारण रहा। बेहतरीन स्पिनरों में शुमार रखने वाले रविचंद्रन अश्विन के बीच दौरे में संन्यास लेने की घोषणा के बाद महसूस किया जा रहा था कि कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली भी इस तरफ कदम बढ़स्र सकते हैं।

भारतीय कप्तान ने अपनी खराब फॉर्म की वजह से जब सिड़नी टेस्ट की अंतिम एकादश से अपने को बाहर रखा तो लगा कि बदलाव के दौर की शुरूआत होने जा रही है। पर रोहित ने अगले ही दिन साफ कर दिया कि सिड़नी टेस्ट नहीं खेलने का फैसला टीम के हित में लिया गया था पर मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने नहीं जा रहा। वहीं विराट ने भी ऐसे कोई संकेत नहीं दिए हैं। शायद इसकी वजह भारत को अब जून माह में इंग्लैंड़ का दौरा करके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले संस्करण की शुरूआत करनी है। अगला टेस्ट सीरीज में लंबा समय होने की वजह से ही शायद वह इस बारे में सोचने के लिए समय लेना चाहते हैं। भारतीय कोच गौतम गंभीर से जब सीरीज खत्म होने पर सवाल पूछा गया कि रेड़ बॉल क्रिकेट में क्या दीर्घकालीन योजना बनाने और युवाओं पर फोकस करने का समय आ गया है, तो उनका जवाब था कि इस बारे में तत्काल चर्चा की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि टेस्ट सीरीज पांच महीने बाद होनी है। पांच महीने में बाद क्या होगा, हमें पता नहीं है। उस समय कौन कहां होगा। मैं इतना ही कह सकता हूं कि जो भी होगा, टीम के हित में होगा। गंभीर ने इतना जरूर कहा कि मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में कुछ नहीं कह सकता, यह उन पर ही निर्भर है पर सीनियर खिलाड़ियों में अभी भूख बाकी है और वह भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा सकते हैं।

मौजूदा भारतीय टीम ही नहीं, बल्कि हर टीम में बदलाव का दौर आता है। 2011-14 तक भी भारतीय टीम में ऐसा ही दौर आया था। उस समय सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और वीवीएस लक्ष्मण जैसे खिलाड़ियों ने संन्यास लिया था और उनकी जगह विराट कोहली, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और रविचंद्रन अश्विन ने ली थी। खिलाड़ियों को तो अक्सर लगता है कि उनमें अभी क्रिकेट बाकी है पर इस बारे में चयन समिति और कोच को ही सख्त फैसला करने की जरूरत होती है। तभी सही समय पर विकल्प तैयार किए जा सकते हैं। कई बार टीमें बदलाव करने में पिछड़. जाती हैं तो उन्हें पटरी पर आने में बहुत समय लग जाता है। इस बारे में श्रीलंका का उदाहरण हमारे सामने है। कोई दिग्गज खिलाड़ी लय में नहीं होता है तो कहा जाता है कि उसके लय में आने के लिए एक अच्छी पारी की देर है। विराट ने पर्थ टेस्ट में शतकीय पारी खेली। यह पारी भी उनकी समस्या का समाधान नहीं निकाल सकी और लगातार एक ही तरह से ऑफ स्टंप से बाहर की गेंदों पर ड्राइव करने के प्रयास में स्लिप में लपके जाते रहे। विराट की यह समस्या कोई पहली बार सामने नहीं आई है। यह कुछ सालों से इस समस्या से जूझ रहे हैं। लगता है कि उनके रिफलेक्सस में कमी आ रही है। वह दुनिया के बेजोड़. खिलाड़ी हैं और उन्होंने देश का सम्मान बढ़ाने वाली तमाम पारियां खेली हैं पर हर खिलाड़ी का समय आता हैङ्क जब उसे विराम के बारे में सोचना पड़ता है। इसी तरह रोहित की स्थिति तो और भी खराब है। वह पिछले आठ टेस्टों में 10 से कुछ ऊपर के औसत से ही रन बना सके हैं, जिसमें सिर्फ एक ही अर्धशतक है। इस सीरीज में तो वह तीन टेस्ट की पांच पारियों में 31 रन ही बना सके हैं।

सिड़नी टेस्ट में भारत की हार में दूसरी पारी में जसप्रीत बुमराह के बाहर होने की भी अहम भूमिका रही पर यह भी सच है कि टीम प्रबंधन का दो स्पिनर खिलाने का फैसला भी गलत साबित हुआ। इसका प्रमाण ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर से पूरे मैच में एक ओवर ही फिंकवाया गया। बल्लेबाजी में भी वह कुछ खास

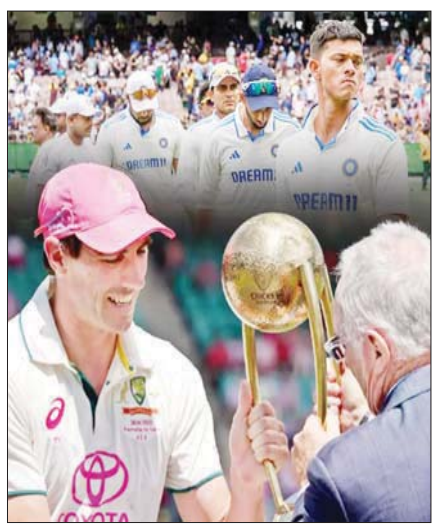

न कर सके। बेहतर होता कि किसी पेसर को टीम में रखा जाता। ऐसा होता तो बुमराह के दूसरी पारी में उपलब्ध न होने पर अटैक में ज्यादा दिक्कत नहीं आती। चौथे टेस्ट में शुभमन गिल को बाहर बैठाने का फैसला भी समझ से परे रहा। सीरीज में भारत ने तीसरे गेंदबाज के तौर पर आकाशदीप और हर्षित राणा का इस्तेमाल किया और वे प्रभावी नहीं रहे। सिराज के लय में न होने से भी मुश्किलें बढ़ीं। उधर, हेजलवुड़ के चोटिल होने पर बोलेंड़ का ऑस्ट्रेलिया ने इस्तेमाल किया और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को सीरीज जिताने में बड़ी भूमिका निभाई।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

# कियारा की बिगड़ी तबीयत, टीम ने साझा की हेल्थ अपडेट

बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी साउथ अभिनेता के साथ अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' की रिलीज की तैयारियों में जुटी हैं। अभिनेत्री शनिवार को एक प्रमोशनल इवेंट में शामिल होने वाली थीं। हालांकि, स्वास्थ्य समस्याओं के चलते वह इस कार्यक्रम का हिस्सा नहीं बन सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब कियारा की टीम ने उनका हेल्थ अपडेट जारी किया है।

### अस्पताल में भर्ती नहीं हुई अभिनेत्री

कियारा की टीम ने एक बयान जारी करते हुए कहा, कियारा आडवाणी को अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया है, उन्हें थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं। प्रेस मीट में शामिल होने वाली थीं कियारा मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कियारा आडवाणी राम चरण के साथ गेम चेंजर की प्रेस मीट में शामिल होने वाली थी। हालांकि, तबीयत बिगड़ने की वजह से वह इसमें हिस्सा नहीं ले पाई।

### बिग बॉस में हुई थीं शामिल

अभिनेत्री शुक्रवार को सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' के वीकेंड का वार एपिसोड में दिखाई दीं। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत भी की। शो के सेट से अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

### कब रिलीज होगी कियारा और राम चरण की फिल्म?

कियारा आडवाणी और रामचरण की फिल्म 'गेम चेंजर' 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। गेम चेंजर में, कियारा को राम चरण के किरदार की प्रेमिका के रूप में देखा जाएगा। अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में भी दिखाई देंगी।

# 22 सालों से इंडस्ट्री में काम कर रही, यही मेरे लिए एक बहुत बड़ी अचीवमेंट है

नेहा धूपिया इस साल फिल्म बैड न्यूज में अपनी भूमिका को लेकर चर्चा में रहीं। इसमें उन्होंने अहम रोल प्ले किया था। इस बारे में उनसे हुई खास बातचीत...

**बैड न्यूज टेलीविजन पर आ रही है। इसकी एक्साइटमेंट किस तरह से है?**

कोई फिल्म जब टेलीविजन पर आती है, तब साबित होता है कि यह अच्छी, इंटरेस्टिंग और एंटरटेनिंग फिल्म है। सिनेमा से निकलकर फिल्म टेलीविजन पर आती है, तब उसकी ऑडियंस और ज्यादा बढ़ जाती है। ज्यादा लोग काम को देखते और सराहते हैं, तब अच्छा लगता है। यह फिल्म स्टार गोल्ड पर रविवार (आज) को आ रही है, इसे लेकर बहुत एक्साइटेड हूं। हम जब शूटिंग करते हैं, तब अपने को-स्टार के साथ बातें होती हैं। उस समय प्रमोशन का प्रेशर हाई होता है। उसके लिए कुछ लाइनें याद करनी पड़ती है लेकिन टेलीविजन पर जब फिल्म आती है, तब थोड़ा रिलैक्स रहते हैं।

**बैड न्यूज के दौरान की कोई ऐसी बात बताइए, जो आज भी जेहन में तरोताजा हो?**

इस फिल्म की शूट कर रही थी, तब दूसरी बार मां बनी थी। मेरा बेटा मात्र दो महीने का था, इसलिए मेरे लिए शूटिंग करना थोड़ा टफ था। मैं बेटे से 8-10 घंटे से ज्यादा देर तक दूर नहीं रहती थी। यह मेरे लिए बहुत हेक्टिक हुआ था। उस समय मेरा शूट करने का मन नहीं था पर फिल्म इतनी अच्छी थी कि मना नहीं कर पाई। यह सेकंड टाइम मां बनने के बाद मेरा पहला प्रोजेक्ट था, जो हमेशा याद रहेगा। मां बनने के बाद यह मेरा पहला काम है, इसलिए यह मुझे एम्पावर करता है। इसके अलावा निर्देशक आनंद तिवारी, निर्माता करण जौहर और विकी कौशल मेरे दोस्त हैं। यह फिल्म करने के दौरान तृप्ति डिमरी और एमी विर्क को जानने-पहचानने का मौका मिला।

**रियल लाइफ में बैड न्यूज से निकलने का तरीका क्या होता है?**

हमें बैड न्यूज के बारे में बात करना चाहिए। सबसे जरूरी बात है कि आपको रियलाइज करना है कि यह एक दौर है, जो हमेशा नहीं रहेगा। उससे ज्यादा जरूरी बात यह है कि अगर यह बैड न्यूज इमोशनल है और आप उसको सुधार सकते हैं, तब उसके बारे में अपने करीबी दोस्तों से बात करनी चाहिए। लाइफ में जो होता है, वह अच्छे के लिए होता है। बस हमें स्ट्रॉन्ग रहना चाहिए।

**साल 2024 को किस रूप में देखती हैं। 2025 में क्या करेंगी?**

मेरे लिए साल 2024 काफी अच्छा रहा। अभी दो महीने रोडीज के लिए शूट करके आई हूं, जो 11 जनवरी 2025 से शुरू हो रहा है। साल 2025 में एक नया ओटीटी शो आ रहा है। मेरी एक इंटरनेशनल फिल्म है, जिसका नाम ब्लू 52 है। यह भी रिलीज होगी। इसके अलावा दो ओटीटी शो भी हैं।

**आपको फैंस और ऊंचे पायदान पर देखना चाहते हैं। क्या कहेंगी?**

फैस और दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। हमेशा उम्मीद रहती है कि हम भी पर्सनली-प्रोफेशनली और ऊंचाई पाएं पर कई बार स्टेप बैक करना पड़ता है। 22 सालों से काम कर रही हूं, यही मेरे लिए बड़ी अचीवमेंट है।

# फिल्म थामा में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

**एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना फिल्म पुष्पा 2 के बाद आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी। दोनों साथ में हॉरर-कॉमेडी फिल्म थामा में दिखाई देंगे। हाल ही में एक्ट्रेस ने आयुष्मान के साथ फिल्म के सेट से एक वीडियो शेयर किया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो शेयर करते हुए लिखा- उम्मीद है कि आप धमाकेदार हॉलिडे मना रहे होंगे। 2025 में मिलते हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन मुंजया फिल्म के डायरेक्टर आदित्य सर्पोतदार कर रहे हैं।**

### साल 2025 में दिपावली पर रिलीज होगी फिल्म

रश्मिका और आयुष्मान की ये फिल्म साल 2025 में दीपावली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म थामा की स्टोरी वर्तमान की दिल्ली और अतीत का विजयनगर साम्राज्य पर आधारित है।

### परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी नजर आएंगे

फिल्म थामा की अनाउंसमेंट 30 अक्टूबर 2024 को की गई थी। फिल्म में परेश रावल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी समेत कई कलाकार नजर आएंगे। जानकारी के मुताबिक, 12 दिसंबर 2024 की रात को फिल्म की शूटिंग शुरू की गई थी। फिल्म की शूटिंग की शुरुआत करते हुए परेश रावल, रश्मिका और आयुष्मान ने अपने कैरेक्टर के इंट्रोडक्शन सीन्स शूट किए थे। ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग दिल्ली से शुरू की गई थी। फिल्म पुष्पा- 2, 5 दिसंबर 2024 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रश्मिका मुख्य किरदार में नजर आई थीं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। फिल्म में रश्मिका ने अल्लू अर्जुन यानी पुष्पाराज की वाइफ श्रीवल्ली का रोल प्ले किया है। बता दें, अब रश्मिका साजिद नाडियाडवाला की फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ दिखाई देंगी। ये फिल्म साल 2025 में ईद पर रिलीज होगी। इसके साथ एक्ट्रेस फिल्म द गर्लफ्रेंड में भी नजर आएंगी।

# शालीन भनोट ने ईशा संग अफेयर पर तोड़ी चुप्पी

एक्टर शालीन भनोट ने अपने साथ ईशा सिंह का नाम जोड़े जाने और अफेयर की खबरों पर रिएक्ट किया है। वह ईशा के कैरेक्टर पर उंगली उठाए जाने से नाराज हैं और वीडियो शेयर किया है। बिग बॉस 18 में अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह की केमिस्ट्री खूब चर्चा में बनी हुई है। अविनाश और ईशा ने भले ही सीधे तौर पर कुछ न कहा हो, पर इतना जरूर कबूल किया कि वो एक-दूसरे को पसंद करते हैं और अच्छे दोस्त हैं। पर वीकेंड का वार में जबसे सलमान ने ईशा को चिढ़ाते हुए शालीन भनोट का नाम लिया, तबसे दोनों का नाम साथ जोड़ा जा रहा है। कुछ यूजर्स ने इस वजह से ईशा पर उंगलियां उठानी शुरू कर दीं और कहा कि घर के बाहर शालीन संग अफेयर और अंदर अविनाश मिश्रा के पीछे हैं। यही नहीं, सलमान के खुलासे के बाद करण भी बाद में ईशा से पूछते दिखे कि शालीन खतरों के खिलाड़ी में किसी से पूरे-पूरे दिन फोन पर बात करता था। क्या वो तुम थीं? इस पर ईशा ने कहा था कि नहीं, वो नहीं थीं। उन्होंने सलमान से भी कहा था कि वह और शालीन सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। पर अब ईशा और शालीन के अफेयर की खबरें तेज हो गई हैं और उनके रील्स भी वायरल हो रहे हैं। यह सब देख शालीन भनोट खुद को रोक नहीं पाए और वीडियो शेयर किया है। वीडियो में शालीन कह रहे हैं, बहुत लोग बहुत कुछ बोल रहे हैं। मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहूंगा कि आप लोग मेरे बारे में बात करते हैं, मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।

# ब्लैक वारंट तिहाड़ जेल की दीवारों के पीछे की कहानी, जहान कपूर का डेब्यू

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक विक्रमादित्य मोटवानी की आगामी फिल्म ब्लैक वारंट का दमदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस सीरीज में कुणाल कपूर के बेटे और शशि कपूर के पोते जहान कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसमें वह तिहाड़ के जेलर रहे सुनील गुप्ता का किरदार निभा रहे हैं। निर्माताओं ने ब्लैक वारंट का ट्रेलर जारी कर प्रशंसकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। प्रशंसकों को ब्लैक वारंट का ट्रेलर खूब पसंद आ रहा है। जहान की अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है। वेब सीरीज ब्लैक वारंट का प्रीमियर 10 जनवरी, 2025 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर किया जाएगा।

निर्माताओं ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा, तिहाड़ की भयानक जेल में कौन डर जाएगा और कौन लड़ जाएगा? कुछ वास्तविक घटनाओं पर आधारित। इसकी कहानी लेखक सुनील गुप्ता की लोकप्रिय किताब ब्लैक वारंट पर आधारित है। विक्रमादित्य मोटवानी इस सीरीज के सह-निर्माता भी हैं। जहान के अलावा इस सीरीज में अभिनेता राहुल भट्ट, परमवीर सिंह चीमा, अनुराग ठाकुर, सिद्धांत गुप्ता और राजश्री देशपांडे समेत कई अन्य कलाकार नजर आएंगे।

विक्रमादित्य मोटवाने ने कहा, ब्लैक वारंट ने हमें एक ऐसी दुनिया का पता लगाने का अवसर प्रदान दिया, जो अक्सर दृश्यों से छिपी रहती है- जो कठिन, जटिल और विरोधाभासों से भरी है। तिहाड़ जेल के माध्यम से सुनील के इस सफर को दिखाया गया है। नेटफ्लिक्स, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और कॉन्फ्लुएंस मीडिया के साथ साझेदारी ने हमें एक ऐसी कहानी तैयार करने की अनुमति दी जो कच्ची, मनोरंजक और गहराई से मानवीय है। मैं दर्शकों द्वारा इस शक्तिशाली कहानी के भीतर की मानवता और धैर्य को उजागर करने का इंतजार नहीं कर सकता।

# स्त्री 2 के साथ वेदा का क्लैश टालना चाहते थे निखिल आडवाणी

**निखिल आडवाणी ने जॉन अब्राहिम को लेकर कहा कि एक कम्फर्ट हो गया। हम इंडस्ट्री के बारे में बात नहीं करते। हम फुटबॉल और पॉलिटिक्स को लेकर बात करते हैं। वो हमेशा मुझे एक्सरसाइज करवाने की कोशिश भी करता है। वो हमेशा मुझे सही डाइट को लेकर बात करता रहता है।**

### वेदा की रिलीज को रोकना चाहते थे

डिजिटल कमेंट्री से बातचीत में वेदा फिल्म को लेकर निखिल आडवाणी ने कहा कि वे सोच रहे थे कि फिल्म रिलीज न हो। मैं तो बहुत कोशिश कर रहा था। पटियाला में वीडियो विज्ञापन शूट कर रहा था, तभी सबके फोन आ रहे थे कि सेंसर बोर्ड ने अभी तक सर्टिफिकेट नहीं आ रहा, मैंने कहा मत आने दो यार। उन्होंने कहा लोगों को फिल्म बहुत पसंद आई। ये बहुत अच्छी फिल्म है।

### वेदा को लेकर बताई अपनी राय

आपको बता दें कि निखिल आडवाणी की फिल्म वेदा और स्त्री 2 के साथ खेल खेल में भी बॉक्स ऑफिस पर साथ में रिलीज हुई थी। स्त्री 2 की हाइप इतनी ज्यादा हुई कि उसका असर वेदा पर भी हुआ। निखिल ने कहा कि ये फिल्म लोगों को बहुत पसंद आई। फिल्म में जॉन और अभिषेक बनर्जी की भूमिका को फैंस ने बहुत पसंद किया।

### इस दिन रिलीज करना चाहते थे फिल्म

निखिल आडवाणी ने खुलासा किया कि वे चाहते थे कि फिल्म 5 या 6 दिसंबर पर रिलीज हो, क्योंकि ये जातिवाद से जुड़ी फिल्म है। उन्होंने कहा कि वे अपनी गलती और फेलियर से सीखते हैं। इस पर मेरा कंट्रोल नहीं था, मैं अगली बार ऐसी चीजों पर ध्यान रखूंगा।

### यश चोपड़ा और यश जौहर को लेकर बोले निखिल

निखिल ने कहा कि यश राज फिल्म में हम जल्दी उठते थे, यश चोपड़ा इसके बाद आते थे और डिमांड करते थे कि वो ऐसा मांगते थे, वैसी चीजें करते थे। उन्होंने कहा कि मैं यश चोपड़ा और यश जौहर का आभारी हूं जिन्होंने मेरे बदलावों को भी अपनाया।

# कैंसर से जंग के बीच काम कर रहीं हिना खान? इस शो से मचाएंगी धमाल

अभिनेत्री हिना खान एपिक ऑन की नई थ्रिलर सीरीज गृह लक्ष्मी के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। स्ट्रीमर ने शो के कलाकारों का परिचय देते हुए सोशल मीडिया पर एक टीजर साझा किया है।

उत्तराखंड के नैनीताल जिले में स्थापित, कहानी हिना के किरदार लक्ष्मी पर आधारित है। पिछले साल जून में हिना को स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला था। तब से वह अपने प्रशंसकों को अपने इलाज और कीमोथेरेपी के बारे में बताती रही हैं। टीवी धारावाहिक ये रिश्ता क्या कहलाता है में अक्षरा के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की थी।

# अब छह माह बाद जून में ही टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त हो गया है। अपने दो माह के इस दौरे में भारतीय टीम को अंत में 3-1 से सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पिछले एक दशक से उसके पास रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से निकल गयी है। इस सीरीज में दोनो ही टीमें बड़े स्कोर नहीं बना पायीं। भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से संघर्ष करती दिखी। अब भारतीय टीम करीब छह महीने के बाद जून में टेस्ट खेलेगी और उसका लक्ष्य इस ऑस्ट्रेलिया दौरे की गलतियों को सुधारना रहेगा। भारतीय क्रिकेट टीम अब जून में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। ये टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होगी। टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे में 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम में। वहीं तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में ओर चौथा 23 जुलाई से मैनचेस्टर में होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच 31 जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। सीरीज के पांचों टेस्ट मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 3-30 बजे से खेले जाएंगे। भारतीय टीम इसी महीने जनवारी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी, इस सीरीज में टेस्ट मैच नहीं खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस घरेलू सीरीज में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलेगी। इस सीरीज की शुरुआत 22 जनवरी से होगी. दोनों टीमें पहले टी20 में कोलकाता में आमना-सामना करेंगी जबकि सीरीज का दूसरा टी20 मैच 25 को चेन्नई में वहीं तीसरा टी20 मैच 28 को राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टी20 मैच 31 जनवरी को पुणे में जबकि पांचवां और आखिरी टी20 दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।टी20 सीरीज के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड से 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी मुकाबला करेगी। वनडे सीरीज की शुरुआत 6 फरवरी से नागपुर में होगी जबकि दूसरा एकदिवसीय 9 फरवरी को कटक में जबकि तीसरा और आखिरी एकदिवसीय 12 फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए यूएई जाएगी।

# लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करेंगे धवन

**-सिंटस टेलर सहित कई पूर्व क्रिकेटर खेलते दिखेंगे**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अगले माह होने वाले लीजेंड 90 लीग में भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करते नजर आयेंगे। इस टीम में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रोस टेलर, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस, श्रीलंका के एंजेलो परेरा, भारतीय ऑलराउंडर बिपुल शर्मा और वेस्टइंडीज के रयाद एमरिट भी शामिल रहेंगे। लीग में 7 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी और कई कई पूर्व क्रिकेटर भी नजर आयेंगे। मन्नत समूह के स्वामित्व वाली दिल्ली रॉयल्स की टीम राष्ट्रीय राजधानी की भावना और गौरव का प्रतीक है। टीम के मालिकों ने कहा कि अनुभव और कौशल से भरपूर उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेंगी। मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा कि, हमें पूरा विश्वास है कि धवन और टेलर जैसे खिलाड़ियों के रहते दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में एक बेंचमार्क स्थापित करेगी। हमने ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश की है जो, मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़ी रहे।

वहीं ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि, हम काफी भाग्यशाली हैं, जो टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमें इतने बेहतरीन खिलाड़ी मिल पाए हैं। शिखर धवन, रॉस टेलर, लेंडल सिमंस जैसे कई दिग्गजों से सजी हमारी टीम अनुभव और प्रतिभा से भरी हुई है। हमें पूरी उम्मीद है कि दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में जबरदस्त प्रदर्शन करेगी।÷ पिछले सप्ताह एक समारोह के दौरान दिल्ली रॉयल्स ने अपने आधिकारिक लोगो का अनावरण किया था। कवच और ढाल से सजा या यह लोगो टीम की लड़ने की क्षमता, उत्कृष्टता, ताकत, लचीलेपन और वीरता का प्रतीक है।लीजेंड 90 लीग सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट है जिसके जरिये कई पूर्व क्रिकेटरों को एक बार फिर एक मंच पर लाया जा रहा है। इससे उन्हें उसी प्रदर्शन को दोहराने का अवसर दिया जा रहा है जो वह कभी करते थे।

# डब्ल्यूटीसी सीरीज में 200 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं कमिंस

**सिडनी (एजेंसी)।** ऑस्ट्रेलिया के कप्तान और तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर पैट कमिंस विश्व टेस्ट चैम्पियनशित (डब्लयूटीसी) सीरीज में 200 विकेट लेने वाले विश्व के एकमात्र गेंदबाज हैं। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सिडनी में ये अहम उपलब्धि हासिल की है। कमिंस की कप्तानी में ही ऑस्ट्रेलिया ने गत वर्ष डब्ल्यूटीसी खिताब जीता था। तब उसने द ओवल में हुए फाइनल में भारतीय टीम को हराया था। कमिंस ने भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन वॉशिंगटन सुंदर को दूसरी पारी में आउट कर अपने विकेटों का दोहरा शतक लगाया है। कमिंस से पहले किसी गेंदबाज ने इतने विकेट नहीं लिए थे।

सुंदर ने सिडनी टेस्ट मैच में 43 गेंदों पर 13 रन बनाए और उन्हें कमिंस ने भारतीय पारी के 43वें ओवर की चौथी गेंद पर साफ बोल्ड किया। डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज है। इस सूची में कमिंस के बाद ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लॉयन हैं। लॉयन ने 48 टेस्ट में 196 विकेट लिए हैं। वहीं भारत के दिग्गज स्पिनर आर अश्विन 195 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। अश्विन ने 41 मैचों में यह ये विकेट लिए हैं वहीं ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क 43 मैचों में 165 विकेट के साथ चौथे जबकि भारत के जसप्रीत बुमराह 35 मैचों में 156 विकेट के साथ पांचवें नंबर पर हैं। कमिंस ने सबसे तेज 200 विकेट का आंकड़ा लिया है।

भारत क खिलाफ पांच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में कमिंस ने सबसे ज्यादा 25 विकेट लिए। उन्होंने 2023-25 डब्ल्यूटीसी सत्र में भारत के खिलाफ 17 टेस्ट में 73 विकेट लिए हैं। डब्ल्यूटीसी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में कमिंस तीसरे नंबर पर हैं. इस सूची में शीर पर लायन 88 विकेट लेकर पहले जबकि बुमराह 77 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि कमिंस तीसरे नंबर पर हैं। कमिंस ने सिडनी टेस्ट मैच की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह को आउट किया था जबकि दूसरी पारी में उन्होंने विकेटकीपर ऋषभ पंत को आउट किया था।

# गौतम गंभीर का सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने का आग्रह

**सिडनी (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन को सीनियर खिलाड़ियों से भी घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। गंभीर ने कहा कि अगर आप घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते तो बेहतर टेस्ट खिलाड़ी भी नहीं बन सकते। इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी कहा था कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये और जो खिलाड़ी ऐसा नहीं करते उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली के टीम में रहने को लेकर कहा कि इस बारे में ये दोनो स्वयं ही तय करेंगे। इनमें अब भी शीर्ष स्तर के प्रदर्शन की ललक है। साथ ही कहा कि सभी सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करनी चाहिये। गंभीर ने ये नहीं बताया कि रोहित और कोहली भविष्य में टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि अगली टेस्ट सीरीज होने में अभी छह माह का समय है।

गंभीर ने कहा, अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि छह महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म के साथ ही लोग भी बदल जाते हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली सीरीज के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा, वह भारतीय क्रिकेट के हित में होगा। कप्तान रोहित शर्मा अपने खराब फॉर्म के कारण अंतिम टेस्ट में नहीं उतरे थे। इस सीरीज में वह पांच पारियों में केवल 31 रन बना पाये थे, वहीं विराट ने नौ पारियों में 190 रन बनाए थे। कोहली आठ बार स्लिप में कैच होकर आउट हुए थे।

गंभीर ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि सीनियर खिलाड़ी 23 जनवरी से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी में कम से कम एक दौर खेलें। उन्होंने कहा, मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें। घरेलू क्रिकेट को महत्व मिलना चाहिए। साथ ही कहा कि अगर वे उपलब्ध हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो हर किसी को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। अगर आप घरेलू क्रिकेट को महत्व नहीं देते तो टेस्ट क्रिकेट की जरुरत के अनुसार खिलाड़ी नहीं निकलेंगे। वहीं रोहित और कोहली के भविष्य के बारे में अटकलों पर गंभीर ने कहा कि वे दोनों तय करेंगे कि भारतीय क्रिकेट के लिए क्या सबसे अ व्छा है। मैं किसी खिलाड़ी के भविष्य के बारे में बात नही कर सकता, यह उन्हें तय करना है, लेकिन मैं इतना क सकता हूं कि उनमें अभी भी भूख और जुनून है। वे दृढ़ इंसान हैं और उम्मीद है कि भारतीय क्रिकेट को आगे ले ाते रहेंगे।

# हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, वह नहीं होते तो भारतीय टीम 5-0 से हारती

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराश जताई है। हरभजन ने हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना की है। हरभजन के अनुसार अगर बुमराह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नहीं होते तो भारतीय टीम 5-0 से सीरीज हारती। केवल बुमराह ही एकमात्र ऐसे भारतीय थे जो मेजबान टीम को परेशान किये हुए थे। बुमराह ने अपने प्रदर्शन से इस सीरीज में कई उपलब्धियों को भी हासिल किया। पर्थ में सीरीज के पहले मैच में भारत की रिकॉर्ड-तोड़ 295 रन की जीत में उनकी गेंदबाजी की अहम भूमिका थी। बुमराह ने इसके बाद के मैचों में भी कसी हुई गेंदबाजी कर मेजबानों को परेशान करना जारी रखा। वह सीरीज के अंत में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये। इस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। भारत की सीरीज हार के बावजूद बुमराह के प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा की करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय टीक को करारी हार से बचाया। अगर वह सीरीज में नहीं होते तो भारत 5-0 या 4-0 से हार जाता।

# बल्लेबाजी शैली में बदलाव के कारण विफल रहे शुभमन : पोंटिंग

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने में विफल रहे हैं। इसी को लेकर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि शुभमन ने अपनी बल्लेबाजी शैली में पिछले कुछ समय में बदलाव किये हैं, इसलिए लिए वह विदेश दौरों पर असफल हो रहे हैं। उन्हें इससे उबरने अपना आत्मविश्वास बनाये रखना होगा इसके अलावा अपनी रक्षात्मक तकनीक को भी बेहतर करना होगा। गिल अंगूठे की चोट के कारण बॉर्डर गावस्कर

ट्रॉफी में पहला टेस्ट नहीं खेल सके थे। वहीं एडीलेड में दूसरे टेस्ट में वह अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके। ब्रिसबेन में तीसरे टेस्ट में भी वह पहली पारी में रन नहीं बना पाये। मेलबर्न में उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। इसके बाद सिडनी में उन्हें शामिल किया गया पर वह वहां भी असफल रहे। पोंटिंग ने कहा, 'मुझे उसे खेलते देखना पसंद है। जब आप उसे अच्छी बल्लेबाजी करते देखें तो उसका कोई जवाब नहीं है पर विदेश में उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। पोंटिंग ने कहा कि एडीलेड में दूसरे टेस्ट में उन्होंने इस युवा बल्लेबाज की तकनीक में काफी बदलाव देखे जिससे उनसे रन नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैने एडीलेड में उसे बल्लेबाजी करते देखा और लगा कि उसने काफी बदलाव कर लिया है। स्कॉट बोलैंड गेंदबाजी कर रहा था और उसने ऑफ स्टम्प पर पड़ती गेंद पर फ्रंट पैड आगे कर विकेट गंवा दिया। पोंटिंग ने कहा कि शैली में बदलाव करने की जगह शुभमन को अपने आप पर भरोसा करके बल्लेबाजी में सुधार करना चाहिए था। उन्होंने कहा, 'उसे अपनी रक्षात्मक तकनीक को और बेहतर करना होगा जिससे वह रन बना सके। उसने अपने देश में या दुनिया में हर जगह आक्रामक होकर रन बनाए हैं। वह आउट होने के बारे में नहीं बल्कि रन बनाने के बारे में ही सोचता आया है। उसे उसी मानसिकता के साथ खेलना चाहिये।

# रणजी ट्रॉफी खेलकर तकनीकी गलतियों को ठीक करें भारतीय टीम के खिलाड़ी : गावस्कर

**-नहीं खेलने वालों के प्रति सख्त रवैयार अपनायें कोच गंभीर**

**सिडनी (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के सभी खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी में खेलने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि रणजी खेलकर खिलाड़ी अपनी तकनीकी कमियों को दूर कर सकते हैं। उनका मानना है कि इससे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने बल्लेबाजी में जो गलतियां की थी वह ठीक होंगी। गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय बल्लेबाज अपनी गलतियों के कारण विफल रहे थे। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया में टीम को 1-3 से हार झेलनी पड़ी।

गावस्कर ने कहा, 23 जनवरी से रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। उसमें सभी फिट खिलाड़ियों को खेलना चाहिये। उसमें नहीं खेलने के लिए जो भी बहाना बनाये उसे भारतीय टीम में जगह नहीं दें। उनका मानना था कि अगर खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं, तो कोच गौतम गंभीर को उनके खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिये। उन खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त फैसले लेने ही होंगे। उन्होंने कहा, गंभीर को कहना चाहिए कि तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो, तुम जो करना चाहते हो करो पर तुम्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलेगी।

गावस्कर ने यह भी कहा कि भारतीय बल्लेबाजों के रवैये में जो खामियां आई हैं वे घरेलू क्रिकेट के जरिये ही ठीक की जा सकती हैं। मैंने जो देखा वह तकनीकी कमियां थीं। यदि आप समान गलतियां कर रहे हैं, तो आपको इन्हें सुधारने की जरूरत है। यह सिर्फ इस सीरीज की बात नहीं है, बल्कि न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान भी यही हुआ था। साथ ही कहा कि आगामी 2025-2027 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र को देखते हुए घरेलू क्रिकेट के महत्व को स्वीकार कतरे हुए भारत को अब युवा क्रिकेटरों जैसे यशस्वी जायसवाल और नितीश कुमार रेड्डी पर अधिक ध्यान देना चाहिए।गावस्कर ने कहा, वे देश और टीम के लिए नाम कमाने के लिए भूखे हैं। ऐसे खिलाड़ियों की ही हमें जरूरत है। अब देखते है कि कितने खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

# इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बुमराह का बाहर रहना तय, पीठ में जकड़न से हैं पीड़ित

सिडनी । तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में जकड़न के कारण इंग्लैंड के टी20 सीरीज से बाहर रहेंगे हालांकि वह एकदिवसीय सीरीज का एकाध मैच खेल सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए उसे इन मैचों से आराम दे सकता है। बुमराह ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे अधिक 32 विकेट लिए थे। वह पीठ की जकड़न के कारण ही ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाये थे। उन्होंने पांच मैचों की इस श्रृंखला में 150 से ज्यादा ओवर फेंके। माना जा रहा है कि बुमराह अत्यधिक कार्यभार के कारण ही चोटिल हुए है और ऐसे में अब बीसीसीआई उनकी फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहती है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का प्रदर्शन बुमराह पर ही आधारित रहेगा। इस प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन काफी हद तक बुमराह की मौजूदगी पर निर्भर करेगा।

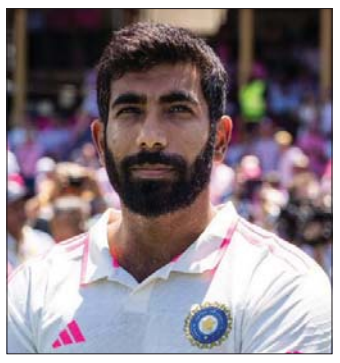

बुमराह की पीठ की जकड़न कितनी अधिक है अभी ये पता हीं चला है। भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से करेगी। बुमराह की चोट अगर ग्रेड एक श्रेणी की रहेगी तो अन्हें कम से कम तीन सप्ताह तक रिहैबिलिटेशन में रहना होगा। ग्रेड दो की चोट से उबरने में छह सप्ताह लग सकते हैं जबकि गंभीर माने जाने वाले ग्रेड तीन के लिए कम से कम तीन महीने के आराम और रिहैब की जरुरतत होती है। चैम्पियंस ट्रॉफी को देखते हुए इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय में उनके तीन में से कम दो मैच खेलने का अनुमान था पर अब ये सब उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।

# दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच 11 जून से होगा डब्ल्यूटीसी फाइनल

लॉर्ड्स । आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल 1 जून से इंग्लैंड के लॉर्ड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इसमें दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमों के बीच खिताब के लिए टक्कर होगी। दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान जबकि ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में भारत को हराकर फाइनल में जगह बनायी है। यह मुक़ाबला 11 से 15 जून के बीच लॉर्ड्स में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका फ़ाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी थी। उन्होंने वेस्टइंडीज़, बांग्लादेश 2008 के बाद एशिया में पहली सीरीज़ जीत और श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ जीती, जबकि भारत के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ ड्रॉ रही और न्यूज़ीलैंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, जहां उन्होंने कमज़ोर टीम के साथ दौरा किया था। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फ़ाइनल में जगह बनाना दक्षिण अफ़्रीका के लिए सपनों की तरह रहा, जो इस साल की शुरुआत में पुरुष और महिला टी20 वर्ल्ड कप में उपविजेता भी रहे थे। दक्षिण अफ़्रीका के कप्तान तेम्बा बवुमा ने पिछले हफ़्ते फ़ाइनल में क्वालिफ़ाई करने के बाद कहा, यह सभी के लिए एक बड़ी मेहनत का परिणाम है, और ऐसा लगता है कि पिछले 12 महीनों की कड़ी मेहनत रंग लाई है। अलग-अलग मौक़ों पर अलग-अलग खिलाड़ियों ने अहम योगदान दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस ने कहा, हमारे लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की बहुत अहमियत है। यह एक ऐसी ट्रॉफ़ी है, जिसे हम गर्व से देखते हैं। साथ ही इस ख़िताब की रक्षा करने के लिए हम बहुत उत्साहित हैं। मुझे लगता है कि यह एक बेहतरीन टूर्नामेंट है क्योंकि इसमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है और अलग-अलग हालातों में अलग-अलग टीमों के ख़िलाफ़ खेलना होता है। हम फ़ाइनल खेलने के लिए काफ़ी उत्साहित हैं।

# राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप : वरुण ने एयर पिस्टल स्पर्धा में डबल्स खिताब जीता

नई दिल्ली । वरुण तोमर ने डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में खेले जा रहे 67वें राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप (एनएससीसी) में सीनियर और जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धाओं में डबल्स खिताब जीता है। वरुण पिछले साल पेरिस ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाये थे। वरुण ने सीनियर फाइनल में धीमी शुरुआत से उबरते हुए अपने साथी प्रद्युम्न सिंह को हराकर पहला राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया है। वहीं राजस्थान के आकाश भारद्वाज ने कांस्य पदक अपने नाम किया। मौजूदा एशियाई चैंपियन और कई बार आईएसएसएफ पदक जीतने वाले वरुण की जूनियर फाइनल में भी धीमी शुरुआत रही पर उन्होंने जल्दी ही बढ़त बना ली। वरुण का सीनियर फाइनल में स्कोर 238 था, जबकि जूनियर फाइनल में उनका स्कोर 246.2 रहा। वहीं प्रद्युम्न ने जूनियर पुरुष एयर पिस्टल में कांस्य पदक हासिल किया। युवा फाइनल में यूपी 1-2 से आगे रहा, जब चिराग शर्मा ने 24 शॉट के बाद 14 वर्षीय देव प्रताप को 1.3 के अंतर से हराया। चिराग ने 241.8 का स्कोर किया। वहीं राजस्थान के मयंक चौधरी ने तीसरा स्थान हासिल करते हुए कांस्य पदक जीता।

# 60 प्लस के पति-पत्नी ने रोशन किया देश का नाम, वेट लिफ्टिंग वर्ल्ड कप में हासिल किया पहला स्थान

**स्पोर्ट्स डेस्क (एजेंसी)** । पंजाब के पठानकोट स्थित गुलशन शर्मा और उनकी पत्नी नीना शर्मा ने रूस की राजधानी मास्को में वेट लिफ्टिंग वर्ल्ड कप की अलग-अलग कैटेगरी में पहला स्थान प्राप्त कर मिसाल कायम की है। 67 साल की उम्र में गुलशन और 62 की उम्र में नौना ने यह उपलब्धि हासिल की है।

अमेरिकन आईपीएल फेडरेशन ने मास्को स्टेडियम में 20, 21 और 22 दिसंबर को वर्ल्ड कप आईपीएल 2024 का आयोजन किया था जिसमें फिटनेश को समर्पित दुनियाभर से लोग पहुंचे या प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए भारत से 16 लोगों ने हिस्सा लिया था। इसके लिए अंबेसी में स्पांसरशिप के जरिए उन्हें वीजा मिला था और वे मास्को गए। गुलशन ने आईपीएल बैंच प्रेस रा एज मास्टर्स (65-69 ग्रुप और वेट क्लास 75 किलो) में पहला मेडल जीता है। वहीं नीना ने आईपीएल बैंच प्रेस रा एज मास्टर्स (60-64 ग्रुप और वेट क्लास 75.5 किलो) में पहला पुरस्कार जीता है। दोनों ने भारतीय झंडा फहराकर वर्ल्ड कप का पहला अवॉर्ड हासिल किया। 26 जनवरी को दोनों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

**पार्टियों में जाना छोड़ा, रनिंग और जिम कर रहे**

गुलशन और नीना ने एक समाचार पत्र को बताया कि फिट रहने के लिए वह रनिंग, वेट लिफ्टिंग और एक्सरसाइज करते हैं। कोविड में जिम बंद होने के बाद भी कसरत नहीं छोड़ी और अपना जिम खोला लिया। कड़ाके की सर्दी में जिम के अंदर ही निर्धारित तापमान पर रनिंग और एक्सरसाइज करते हैं। रोज 6 बजे जिम पहुंच जाते हैं। तड़के उठने में बाधा आती थी तो कई साल से क्लबों और देर रात पार्टियों में हिस्सा लेना छोड़ दिया है। गुलशन ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर देखना चाहते थे कि दुनिया में लोग किस उम्र तक फिटनेस पर जोर देते हैं। नीना कहती हैं कि मास्को में सर्दी बहुत थी, पर उन्होंने सभी को पीछे छोड़कर अवॉर्ड जीता है।

## संक्षिप्त समाचार

### रिपब्लिकन माइक जॉनसन फिर चुने गए अमेरिकी सदन के अध्यक्ष

**वाशिंगटन, एजेंसी।** लुइसियाना के सांसद माइक जॉनसन फिर से अमेरिकी सदन के अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। जॉनसन ने 218 वोटों के साथ चैंबर में शीर्ष स्थान हासिल किया और फिर से स्पीकर चुने गए।



जॉनसन ने जीत के बाद अपने बयान में कहा, चार साल से मुद्रास्फीति का दौर देखने के बाद हमारे पास एक बड़ा एजेंडा है। हमें बहुत कुछ करना है। हम इसे दो तरीके से कर सकते हैं और उच्च मुद्रास्फीति से लड़ सकते हैं। हम अमेरिकियों को राहत देंगे और ट्रंप टैक्स कट्स को बढ़ाएंगे। एकतरफा व्यापार सौदों से उद्योगों की रक्षा करेंगे और विदेशी निवेश वापस अमेरिका में बढ़ाएंगे। 113वीं कांग्रेस ने शुक्रवार को शपथ ली। दोनों चैंबर के प्रभारी रिपब्लिकन हैं। जॉनसन अमेरिकी सदन का नेतृत्व करेंगे और जॉन थून अमेरिकी सीनेट का नेतृत्व करेंगे। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ लेने के बाद ही व्हाइट हाउस, प्रतिनिधि सभा और सीनेट में तीनों का रिपब्लिकन नेता ही नेतृत्व करेंगे। ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही जॉनसन का समर्थन किया था और कहा था, माइक एक महान स्पीकर होंगे और हमारा देश इसका लाभ उठाएगा। अमेरिका के लोग चार साल से सामान्य समझ, ताकत और नेतृत्व का इंतजार कर रहे थे। अब उन्हें यह मिलेगा और अमेरिका पहले से भी महान होगा। स्पीकर को पिछले नवंबर में उनके रिपब्लिकन सहयोगियों द्वारा सर्वसम्मति से फिर से चुनाव के लिए नामित किया गया था, लेकिन कुछ उनके ही सहयोगियों ने उनका विरोध किया था।

### बांग्लादेश जा सकते है पाकिस्तानी विदेश मंत्री

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने घोषणा की है कि वे अगले महीने बांग्लादेश का दौरा करेंगे। यह 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी मंत्री का बांग्लादेश का पहला दौरा होगा। यह घोषणा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की मुलाकात के कुछ सप्ताह बाद की गई, जो पिछले महीने काहिरा में डी-8 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्टों की माने तो डार का यह दौरा एक दशक में बांग्लादेश के लिए किसी भी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का पहला दौरा होगा। अंतिम बार 2012 में पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने बांग्लादेश का दौरा किया था। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डार ने बताया कि वे 3-5 फरवरी को मलेशिया दौरे से लौटने के बाद 5 फरवरी या उसके बाद बांग्लादेश का दौरा करेंगे। डार ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश हसीना सरकार के पतन के बाद संबंधों को फिर से बना रहे हैं और उनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करना है।

### भारत की यात्रा पर जाएंगे एनएसए सुलिवन : व्हाइट हाउस

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। सुलिवन, पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी इस यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद संभालेंगे सांसद माइकल वाल्ट्ज। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने शुक्रवार अपराह्न संवाददाताओं को बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। अधिकारी ने बताया, ''इस दौरान व्यापक मुद्दों पर चर्चा होगी, लेकिन रक्षा से लेकर अंतरिक्ष और कृत्रिम मेधा तक के क्षेत्रों में हमारे बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

### चीन ने बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को खारिज किया, कहा-देश यात्रा के लिए सुरक्षित

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन ने देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप संबंधी खबरों को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि सर्दियों के दौरान होने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में इस वर्ष कम गंभीर हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना सुरक्षित है। मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने देश में 'इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन रोगों के फैलने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, ''सर्दियों के मौसम में श्वसन संक्रमण चरम पर होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में चीन के अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ दिख रही है। निंग ने कहा, ''पिछले वर्ष की तुलना में ये बीमारियां कम गंभीर प्रतीत होती हैं और छोटे स्तर पर फैल रही हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीन सरकार चीनी नागरिकों और विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है। निंग ने सर्दियों में श्वसन संबंधी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के संबंध में चीन के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी उल्लेख किया। पिछले कुछ दिनों से विदेश में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू फैलने की खबरें आ रही हैं।

# पाकिस्तान जनजातीय संघर्ष : शांति समझौते के बाद भी कुर्रम जिले में स्थानीय लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के कुर्रम हिंसक संघर्ष में उलझी जनजातियों ने 14 सूत्री शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं लेकिन दो दिन बाद भी स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन समाप्त करने से इनकार कर दिया है। जिला राजधानी पाराचिनार में प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि जब तक सभी सड़कें यात्रा के लिए सुरक्षित नहीं हो जातीं तब तक वे धरना जारी रखेंगे।

पाराचिनार प्रेस क्लब के बाहर विरोध प्रदर्शन कई हफ्तों से चल रहा है। स्थानीय निवासी प्रांतीय सरकार पर लोगों की आजीविका और सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहने का आरोप लगा रहे हैं। दरअसल 80 दिनों से अधिक समय से सभी रास्ते पूरी तरह से बंद पड़े हैं। इसके चलते खाद्य आपूर्ति और दवाइयों की कमी हो गई है जिसके चलते महिलाओं और बच्चों सहित 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

पाराचिनार के एक निवासी ने आईएएनएस को बताया, यह पहली बार नहीं है जब शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते पर हस्ताक्षर करने में उन्हें दो सप्ताह से अधिक का समय लगा, वे क्षेत्र के लोगों की पीड़ा से पूरी तरह अनजान थे, जो खाद्य आपूर्ति, दवाओं और बुनियादी जरुरतों के बिना रहने को मजबूर हैं। 150 लोग इसलिए मर गए क्योंकि अस्पतालों में उनके इलाज के लिए दवाएं नहीं थीं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? स्थानीय निवासी ने



कहा, शिया और सुन्नी संघर्ष यहां दशकों से चल रहा है। कई बार प्रतिद्वंद्वी जनजातियां घात लगाकर हमला करती हैं जिसमें कई लोगों की मौत हो जाती है और हर बार तथाकथित शांति समझौतों पर हस्ताक्षर होते हैं हैं। इस बार भी शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। लेकिन जहां तक रास्तों और आपूर्ति को खोलने का सवाल है, जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं देखी गई है। हमारे परिवार यहां हर दिन भूख और चिकित्सा समस्याओं के कारण मर रहे हैं।

पाराचिनार में सांप्रदायिक संघर्ष नवंबर के आखिरी सप्ताह में शुरू हुआ था, जब एक बस पर हमला किया गया था। हमले में 47 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकर शिया मुस्लिम थे। इसके बाद सुन्नी बहुल गांवों पर हमला किया। इन हमलों में 150 से अधिक लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। तब से यह इलाका बाकी देश से कटा हुआ है। शांति स्थापित करने के लिए लंबे समय से विचार-विमर्श और चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन देरी के कारण पाराचिनार के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दवाओं की कमी के कारण अस्पतालों में कई लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा चिंताओं के कारण शैक्षणिक संस्थान भी बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन की आवाजाही नहीं हुई। इस दौरान अफगानिस्तान के साथ सीमा भी बंद रही। स्थानीय अधिकारी और शांति जिरगा या जनजातीय न्यायालय के सदस्य आश्वासन दे रहे हैं कि शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद पाराचिनार शहर, बुशहरा और 100 से अधिक गांवों में खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी जल्द शुरू हो जाएगी। उपायुक्त जावेद उल्लाह महसूद ने कहा, एक कल्याणकारी संगठन द्वारा पाराचिनार में पहले ही दवाइयां भेजी जा चुकी हैं और इसी तरह की आपूर्ति अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी भेजी जा रही है। हालांकि पिछले अनुभवों को देखते हुए स्थानीय लोगों को डर है कि शांति समझौता अमल में आना मुश्किल है। पाराचिनार के एक प्रदर्शनकारी निवासी सैफुल्लाह ने कहा, हम समझौते का स्वागत करते हैं, लेकिन यह भी जानते हैं कि अतीत में हुए ऐसे समझौते एक ही घटना के बाद कूड़ेदान में फेंक दिए गए हैं। दोनों पक्ष बहुत लंबे समय से एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और वे भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वे अपने हथियार छोड़ देंगे और अपनी मारक क्षमता को कमज़ोर करेंगे।

सैफुल्लाह ने कहा हम बस जीने का अधिकार चाहते हैं। हम अपने बच्चों को दवाओं और उपचार के अभाव में मरते हुए नहीं देखना चाहते। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे स्कूल और कॉलेज जाएं, हम नहीं चाहते कि हमारे परिवार बिना भोजन के दिन बिताएं, हम नहीं चाहते कि हमारी दुकानें और व्यवसाय बंद हो जाएं। यही कारण है कि हम तब तक अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त नहीं करेंगे जब तक कि क्षेत्र में पूर्ण शांति, सुरक्षा और सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती।

## 2024 में रूस की कैद से 1358 यूक्रेनियन घर लौट, तनाव के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का बयान

**कीव , एजेंसी।** रूस यूक्रेन के बीच 1000 से ज्यादा दिनों से चल रहे युद्ध में आय दिन कोई ना कोई बड़ी खबर सामने आती रहती है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि साल 2024 में हम अपने 1,358 लोगों को रूसी कैद से यूक्रेन वापस लाने में कामयाब रहे, जिसमें यूक्रेनी नागरिक और यूक्रेनी सैनिक शामिल है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में कहा कि, रूस की कैद में बंद लोगों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन वे सभी घर लौटकर उतने ही खुश हैं। साथ ही उन्होंने यूक्रेनी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन लोगों की घर वापसी के लिए एक बड़ी टीम ने काम किया।

**2025 में अच्छी खबर के लिए करेंगे प्रयास-जेलेंस्की :** ज़ेलेंस्की ने यह भी कहा कि हमें 2025 में और भी अच्छी खबरें लाने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए, खासकर रूस के साथ संघर्ष को खत्म करने के लिए। इसके साथ ही जेलेंस्की ने रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन के सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी मदद के कारण ही यह सफलता मिल सकी। बता दें कि फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन में रूस के आक्रमण के बाद बढ़ा में हजारों नागरिक मारे गए हैं। मास्को ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है, जबकि हवाई हमलों के सबूत मिल चुके हैं। इस संघर्ष में यूक्रेन ने पश्चिमी देशों से मदद प्राप्त की है और अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया है।

**संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया आकड़ा :** संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि इस संघर्ष के दौरान 39,000 से ज्यादा नागरिक मारे गए या घायल हुए हैं, 3,400 से ज्यादा स्कूल और अस्पताल नष्ट हो चुके हैं, और 10 मिलियन से ज्यादा लोग अपने घरों से भाग गए हैं। इसके अलावा, 2024 से अब तक यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है, 2,000 से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों पर हमले हुए हैं।

## चीन ने सेना को किया आगाह, एआई सहायक उपरण

**बीजिंग, एजेंसी।** आधुनिकीकरण में भारी निवेश करते हुए, चीनी सेना ने अपने सशस्त्र बलों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बहुत अधिक निर्भर होने के खिलाफ चेतावनी दी है। उसने कहा कि एआई को मार्गदर्शन करने के लिए एक उपकरण होना चाहिए, लेकिन युद्ध के मैदान में यह मानव निर्णय लेने का विकल्प नहीं हो सकता, क्योंकि इसमें आत्म-जागरूकता की क्षमता का अभाव है। चीनी सेना ने कहा युद्ध के मैदान में मानवीय स्वायत्तता और रचनात्मकता अपरिहार्य हैं। चीनी सेना के आधिकारिक मीडिया पीपुल्स लिबरेशन आर्मी डेली में नए साल की पूर्व संध्या पर एक लेख में कहा गया कि जैसे-जैसे एआई विकसित होगा, इसे मानवीय निर्णय द्वारा निर्देशित एक उपकरण ही बने रहना चाहिए। जवाबदेही, रचनात्मकता और रणनीतिक अनुकूलनशीलता सैन्य निर्णय लेने में सबसे आगे रहेंगे। एआई को अनुकूलित करने के लिए मानव निर्णय-निर्माताओं के साथ मिलकर काम करना चाहिए। यानी मनुष्य का काम अपनी जगह रहेगा और एआई का उपयोग अपनी जगह। अमेरिका और चीन में व्यापार तनाव बढ़ाते हुए बीजिंग ने 28 अमेरिकी कंपनियों को लक्षित करते हुए नए निर्यात नियंत्रण उपायों की घोषणा कर दी है। चीन ने इन अमेरिकी कंपनियों में से 10 को एक सूची में डाल दिया और उन्हें देश में व्यापार करने से पूर्णतः रोक दिया गया। जिन अमेरिकी कंपनियों पर चीन ने रोक लगाई है उनमें लॉकहीड मार्टिन, उसकी 5 सहायक कंपनियां, जनरल डायनेमिक्स व उसकी तीन सहायक कंपनियां शामिल हैं।

# अमेरिकी संसद में बढ़ी भारतवंशियों की धाक, भारतीय मूल के छह सांसदों ने ली अमेरिकी सदन की शपथ

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** भारतीय अमेरिकियों के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक रहा। दरअसल, छह भारतवंशी नेताओं ने अमेरिकी संसद के सदस्य के रूप में शपथ ली। यह पहला मौका है, जब अमेरिकी संसद के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव यानी निचली सदन में एक साथ छह भारतीय-अमेरिकियों ने शपथ ग्रहण की।

**इन लोगों ने मारी बाजी :** सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार अमेरिकी सदन में पहुंचे हैं। डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के सातवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे सीनियर भारतीय अमेरिकी सांसद हैं। उन्होंने सदन में सातवीं बार शपथ लेने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, जब मैंने पहली बार 12 साल पहले शपथ ली थी तो मैं अकेला भारतीय अमेरिकी सांसद था। अगर अमेरिका की इतिहास की बात करूं तो तीसर सांसद था। आज मैं एक बार फि शपथ ले रहा हूं। अब हमारा छ लोगों का मजबूत समूह है। मुझे खुशी है कि आने वाले वर्षों में औ भारतीय अमेरिकी सांसद होंगे!

**क्या बोले सुहास :** भारतीय-अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया से चुनाव जीता है। व अमेरिका के पूर्वी तट पर बसे राज्यों स अमेरिकी संसद में पहुंचने वाले पहल भारतवंशी हैं। वर्जीनिया के 10वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करन वाले सुब्रमण्यम प्रतिनिधि सभा वे सदस्य बनने वाले सबसे नए भारतीय अमेरिकी हैं। उन्होंने अपने परिवार औ



हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, काम का पहला दिन! शपथ लेकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और वर्जीनिया के लिए काम करने और उसके नतीजे देने के लिए तैयार हूं।

**श्री थानेदार ने कही ये बात :** श्री थानेदार मिशिगन के 13वें संसदीय जिले से लगातार दूसरी बार चुने गए। उन्होंने इसे पहली बार 2023 में जीता था। सदन में मौजूद अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए थानेदार ने कहा, सेवा के लिए तैयार। सभी छह भारतीय-अमेरिकी सांसद डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं। सदन के स्पीकर पद के लिए हुए चुनाव में सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज को वोट दिया। मगर रिपब्लिकन माइक जॉनसन को सदन का स्पीकर चुना गया।

**इन लोगों की भी धाक :** सांसद रो खन्ना कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि राजा कृष्णमूर्ति इलिनोइस के आठवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। वाशिंगटन राज्य के सातवें संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला हैं। खन्ना, कृष्णमूर्ति और जयपाल ने लगातार पांचवीं बार शपथ ली है। वे अपने तरीके से शक्तिशाली सांसदों के रूप में उभरे हैं। कृष्णमूर्ति चीन कमिटी के रैंकिंग सदस्य हैं और हाउस इंटेलिजेंस कमिटी के भी सदस्य हैं। जयपाल प्रोग्रेसिव समूह की शक्तिशाली नेता हैं।

# सोमालिया में सहायताकर्मियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों में वृद्धि : यूएन

**मोगादिशु, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी (ओसीएचए) ने सोमालिया में मानवीय सहायता कर्मियों पर बढ़ते हमलों पर चिंता व्यक्त की है। ओसीएचए ने बताया कि 2024 की चौथी तिमाही में इन हमलों की संख्या बढ़ गई। अक्टूबर और दिसंबर 2024 के बीच 62 ऐसी घटनाएं हुईं। यह 2024 की तीसरी तिमाही की तुलना में 8.8 प्रतिशत अधिक है। इन हमलों में सहायता कर्मियों, उनके संसाधनों और सुविधाओं को निशाना बनाया गया। ओसीएचए ने मोगादिशु में अपनी रिपोर्ट में बताया कि मानवीय सहायता के लिए भेजे गए कर्मियों पर हमले बढ़ रहे हैं और तीसरी तिमाही में जहां 15 हमले हुए थे, वहीं चौथी तिमाही में ये बढ़कर 17 हो गए। इससे यह साफ होता है कि सहायता कर्मियों और संसाधनों के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है। जबकि घटनाओं की संख्या में स्थिरता रही है, लेकिन चौथी तिमाही में जो घटनाएं हुईं, उनका प्रकार अलग था। ओसीएचए के अनुसार सैन्य अभियानों और संघर्षों के कारण जो समस्याएं आ रही थीं, उनकी संख्या भी बढ़ी है। चौथी तिमाही में ऐसे समस्याओं की संख्या 8 हो गई,



जबकि तीसरी तिमाही में यह 6 थी। इसका मतलब है कि संघर्षों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण मानवीय कार्यों में रुकावटों की संख्या बढ़ी है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में सुधार भी देखने को मिला है। जैसे बाहरी हस्तक्षेप के कारण होने वाली घटनाओं की संख्या घटकर 14 हो गई, जो तीसरी तिमाही में 22 थी। ओसीएचए ने इसे बेहतर समन्वय और ऑपरेशनल गतिशीलता का परिणाम बताया है। 19 अगस्त 2024 को, संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख राहत अधिकारी ने सभी पक्षों से अपील की थी कि वे संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों और मानवीय कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। ओसीएचए के मुताबिक, 2024 से अब तक 124 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 12 सहायता कर्मी घायल हुए और 13 हमलों में शारीरिक हमला, उत्पीड़न और धमकी शामिल थे। इससे पहले 2023 में सोमालिया में चार सहायता कर्मियों की हत्या भी हुई थी, इनमें से कुछ हमले सहायता वितरण के दौरान हुए थे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि सोमालिया दुनिया के सबसे गंभीर मानवीय संकटों का सामना कर रहा है जिसमें लाखों लोग जलवायु परिवर्तन संघर्ष, बीमारियों और आर्थिक संकटों के कारण भारी पीड़ा झेल रहे हैं।

## सीरिया की कमान नहीं संभाल पा रही विद्रोही सरकार!, राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन में देरी होने पर उठ रहे सवाल

**डमस्कस, एजेंसी।** सीरिया में बशर अल असद को हटाने के बाद स्थापित नए नेतृत्व ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि ऐतिहासिक राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन कब आयोजित किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। ऐसा लग रहा है कि विद्रोही नेताओं को बातचीत करने में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले विद्रोहियों ने सम्मेलन आयोजित करने का वादा किया था। मगर, इसके लगातार टलने से विपक्षी समूहों और अन्य पक्षों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

**अभी तक नहीं भेजे गए निमंत्रण :** एक न्यूज एजेंसी से बात करने वाले सूत्रों में सीरिया के सूचना मंत्रालय के दो अधिकारी, सीरिया के नए शासक प्रशासन के एक सदस्य और दो राजनयिक शामिल हैं। सम्मेलन की जानकारी रखने वाले इन अधिकारियों का कहना है कि सम्मेलन के लिए आधिकारिक निमंत्रण अभी तक नहीं भेजे गए हैं, हालांकि कुछ व्यक्तियों से अनौपचारिक रूप से संपर्क किया गया है।

**क्या है सम्मेलन का मकसद? :** इस सम्मेलन का मकसद सीरिया के विभिन्न धर्मों, जातीयताओं, भौगोलिक क्षेत्रों और राजनीतिक धाराओं के प्रतिनिधियों को एकत्र करने का है ताकि असद परिवार की 50 वर्षों से अधिक पुरानी शासन व्यवस्था के बाद देश के लिए एक नया भविष्य तैयार किया जा सके। हालांकि, कुछ



सीरियाई मीडिया संगठनों ने पहले जानकारी दी थी कि सम्मेलन चार-पांच जनवरी को होगा, जिसमें सीरिया के लगभग 1,200 प्रतिनिधियों को बुलाया जाएगा। अब सवाल उठता है कि आखिर संवाद सम्मेलन इतना जरूरी क्यों हैं। बता दें, इसका उद्देश्य सीरिया के राजनीतिक बदलावों पर चर्चा करना है, जो 13 सालों तक चले गृह युद्ध के बाद हो रहे हैं। इसमें मौजूदा संसद को निलंबित करने, नया संविधान बनाने और चुनावों की तैयारी जैसे मुद्दों पर बात हो सकती है। हालांकि, अब तक इस सम्मेलन के लिए आधिकारिक निमंत्रण नहीं भेजे गए हैं, लेकिन कुछ लोगों से अनौपचारिक रूप से संपर्क किया गया है। आठ दिसंबर के विद्रोह के बाद, हयात तहरीर अल-शाम ने सत्ता संभाली और एक मार्च तक जरूरी सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक देखरेख सरकार बनाई। लेकिन यह समूह, जो पहले एक विद्रोही संगठन था।

# पोर्न स्टार केस में डोनाल्ड ट्रंप को राहत नहीं, 10 जनवरी को सजा का ऐलान

**वाशिंगटन, एजेंसी।** पोर्न स्टार को पैसे देने के मामले में फंसे डोनाल्ड ट्रंप को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। एक जज के मुताबिक अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को 10 जनवरी को सज सुनाई जाएगी। जस्टिस जुआन मर्चन के फैसले का मतलब है कि ट्रंप को 20 जनवरी को शपथ ग्रहण से महज 10 दिन पहले अदालत की सुनवाई में पेश होना होगा। अभी तक अमेरिका के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। ट्रंप से पहले किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को, चाहे वर्तमान हो या पूर्व सजा नहीं सुनाई गई है। जज ने कहाकि 78 वर्षीय ट्रंप इस सजा के दौरान व्यक्तिगत या वर्चुअल तौर पर पेश हो सकते हैं। उन्होंने लिखा कि वह ट्रम्प को जेल की सजा देने के इच्छुक नहीं थे। इस सजा के दौरान ट्रंप को हिरासत या जुर्माना भी नहीं भुगतना होगा। उन्होंने कहाकि यह सबसे व्यवहारिक समाधान होगा। ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहाकि इस केस में कोई सजा नहीं होगी। उन्होंने कहाकि यह कानूनविहीन मामला कभी नहीं लाया जाना चाहिए था, और संविधान मांग करता है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाए। जस्टिस मर्चन ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत के चलते मामले को खारिज करने के ट्रम्प के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने सजा के लिए अपनी योजना की घोषणा की। ट्रंप के बचाव पक्ष के वकीलों ने दलील दी थी कि राष्ट्रपति पद के दौरान उनके ऊपर मामला चलने से उनके कार्यकाल पर असर पड़ेगा। मर्चन ने इस तर्क को खारिज कर दिया। उन्होंने कहाकि जूरी के फैसले को अलग करना कानून कमजोर करने जैसा होगा। संविधान की मांग है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाए ट्रम्प के प्रवक्ता स्टीवन



चेउंग ने इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी डिसीजन और जुरस्प्रूडन्स का सीधा उल्लंघन है यह गैर कानूनी मामला कभी कोर्ट में लाया ही नहीं जाना चाहिए था। संविधान की मांग है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए। चेउंग ने कहा कि इस मामले में कोई सजा नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रपति ट्रम्प इन धोखाधड़ी के खिलाफ तब तक लड़ते रहेंगे जब तक कि ये सभी खत्म नहीं हो जाते। जज बोले-ट्रम्प को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरूरी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबित जज जुआन मर्चेन का कहना है कि शपथ ग्रहण करने के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपित पद की छूट मिल जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि कोर्ट इस मामले में 20 जनवरी से पहले सजा सुनाए। मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प को दोषी ठहराए जाने के बाद भी किसी कानूनी सजा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह मामला लगभग खत्म हो चुका है। 2006 में हुई थी ट्रम्प और स्टर्मी की मुलाकात स्टॉर्मी ने इस मामले में कोर्ट को बताया था कि ट्रम्प से उनकी मुलाकात 2006 में हुई थी। तब ट्रम्प 60 साल और स्टॉर्मी 27 साल की थीं। इस दौरान दोनों के बीच सेक्सुअल रिलेशन भी बने थे। इसे लेकर ट्रम्प और स्टॉर्मी के बीच 2016 में एक गुप्त समझौता हुआ था। इसके मुताबिक, स्टॉर्मी को ट्रम्प से रिलेशन्स को लेकर चुप रहना था। ट्रम्प के वकील ने भी इस बात को माना था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पोर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। इसके बाद इसकी भरपाई के लिए पूर्व राष्ट्रपति ने बिजनेस रिकॉर्ड्स में धांधली भी की थी। बता दें कि राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 50 राज्यों की 538 में से 312 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 226 सीटें ही जीत पाई।

# लोगों ने समस्याएं बताईं तो भड़के अजित पवार बोले- मुझे खेतिहर मजदूर समझ रहे हैं क्या?



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री अजित पवार आजकल काफी गुस्से में नजर आने लगे है। सियासी समस्याएं जो भी हों पर जनता अपनी समस्याएं तो बताएगी ही। बारामती के दौरे पर पहुंचे अजित पवार एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान वह अपना आपा खो बैठे। दौरे के दौरान नागरिकों ने उन्हें विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। कुछ नागरिकों ने विकास कार्यों में देरी को लेकर शिकायत की, जिस पर अजित पवार भड़क गए। उन्होंने कहा, आपने मुझे वोट दिया है, इसका मतलब यह नहीं कि आप मेरे मालिक बन गए। क्या आपने मुझे खेतिहर मजदूर बना दिया है?

उनके इस बयान ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है।

इस मौके पर अजित पवार ने एमआईडीसी (महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम) के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बारामती में किसी भी भूखंड का दर्जा आवासीय से व्यावसायिक में उनकी अनुमति के बिना न बदला जाए। उन्होंने कहा, हमने कुछ भूखंडों को व्यावसायिक बनाया ताकि उद्योग स्थापित हो और स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। लेकिन एमआईडीसी अधिकारी भूखंडों का दर्जा बदलने की होड़ में न लगें। मेरी जानकारी के बिना एक भी भूखंड का दर्जा नहीं बदला जाएगा।

अजित पवार ने बारामती तालुका क्रय-विक्रय संघ परिसर में एक पेट्रोल पंप का उद्घाटन किया। इस दौरान मौजूद नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने लंबित कामों को लेकर सवाल उठाए। एक कार्यकर्ता ने कहा कि क्षेत्र में कई विकास कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं। इसे लेकर नागरिकों ने पवार से जवाब मांगा। इस पर डिप्टी सीएम ने पहले अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्य जल्द शुरू किए जाएं। लेकिन नागरिकों की बढ़ती शिकायतों पर वह नाराज हो गए और तीखी प्रतिक्रिया दी।

डिप्टी सीएम की नाराजगी पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ इसे जनप्रतिनिधि का अहंकार मान रहे हैं, जबकि अन्य का कहना है कि मतदाताओं को भी अपना व्यवहार संतुलित रखना चाहिए।

अजित पवार के बयान ने सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है।

## महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री शिंदे को धमकी देने वाले पर एफआईआर दर्ज, तलाश जारी

ठाणे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कहा कि उसे आरोपी के खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ इंस्पेक्टर गुलजारीलाल फड़तारे ने बताया कि ठाणे शहर के वरली पाड़ा निवासी हितेश धेंदे नाम से आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था और उन्हें जान से मारने की धमकी दी थी। गलत पोस्ट करने पर यह मामला दर्ज हुआ है। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार को कई धाराओं के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

## मुंबई में ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट वाली 2 कारें, पुलिस अलर्ट

मुंबई। मुंबई के ताज होटल के सामने एक ही नंबर प्लेट वाली दो गाड़ियां खड़ी होने से हड़कंप मचा है। मूल वाहन चालक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस थाना ले गई और एफआईआर दर्ज की। इनमें से किस कार पर फर्जी नंबर प्लेट है? इसके पीछे उसका उद्देश्य क्या है? इन सभी सवालों का पता लगाया जा रहा है। दो गाड़ियों पर नंबर एमएच-01-ईई-2388 लगा है, नंबर प्लेट पीली है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक ही नंबर प्लेट वाली दोनों गाड़ियां सोमवार दोपहर करीब 1 बजे मुंबई के ताज होटल के सामने खड़ी थी। इसके बाद असली नंबर के ड्राइवर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामले पर संज्ञान लेते हुए दोनों गाड़ियों को कोलाबा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। इसके बाद पुलिस ताज होटल के सामने दूसरी कार की पहचान कर गहनता से जांच कर रही है। ज्ञात हो कि 26/11 के आतंकवादी हमले के दौरान ताज होटल को निशाना बनाया गया था। इसलिए इस इलाके में हमेशा पुलिस बल तैनात रहता है। मुंबई पुलिस के पास सुरक्षा के साथ-साथ ताज होटल की अपनी सुरक्षा भी है। हालांकि, दोपहर के करीब एक ही समय पर एक ही नंबर प्लेट वाली दो गाड़ियां आ गईं, जिससे हड़कंप मच गया। इन दोनों कारों का नंबर एमएच-01-ईई-2388 है और दोनों चार पहिया वाहनों का रंग भी सफेद है। जांच के समय पता चला कि दोनों कारों की नंबर प्लेट एक जैसी थी। इससे साफ है कि दोनों कारों में से एक की नंबर प्लेट फर्जी है। कोलाबा पुलिस ने दोनों कारों के ड्राइवरों की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। आखिर फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल क्यों किया गया, इसके पीछे क्या मकसद था? ऐसे कई सवालों के जवाब पुलिस तलाश रही है।

## निकिता पर एफआईआर खारिज करने से कर्नाटक हाईकोर्ट का इंकार

बेंगलुरु। अतुल सुभाष आत्महत्या के मामले में कथित आरोपी पत्नी निकिता सिंघानिया द्वारा अपने खिलाफ लगे आरोपों को पलटने की याचिका पर सुनवाई करते हुए, कर्नाटक हाई कोर्ट ने इस स्तर पर एफआईआर को खारिज करने से इंकार किया। एकल पीठ ने पाया कि प्रथम दृष्टया साक्ष्य चल रही जांच का समर्थन करते हैं, और डेथ नोट और आत्महत्या वीडियो जैसे प्रमुख साक्ष्य एकत्र करने में प्रगति की कमी पर सवाल उठाया। अदालत ने निर्देश दिया कि जांच के दौरान एकत्र किए गए सभी दस्तावेज जमा किए जाएं और सरकार से अपनी आपत्तियां दर्ज करने को कहा। मामले को दो हफ्ते के लिए टाला गया है। निकिता, उनकी मां और भाई को बेंगलुरु की एक अदालत ने मामले में जमानत दे दी थी। आईटी पेशेवर अतुल से अलग रह रही पत्नी ने मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया। निकिता ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देकर दावा किया था कि यह अवैध है और इसमें औचित्य का अभाव है। उसके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपना बचाव तैयार करने की अनुमति देने के लिए अंतरिम जमानत के लिए तर्क दिया। 9 दिसंबर, 2024 को आत्महत्या करके मरने वाले सुभाष ने अपने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया।

## संभल के बाद फिरोजाबाद में मिला करीब 30 सालों से बंद एक पुराना मंदिर, प्रशासन ने खुलवाया

फिरोजाबाद। संभल के बाद यूपी के कई शहरों में सालों से बंद मंदिर मिल रहे हैं। इनकी साफ-सफाई और अन्य व्यवस्था करने के बाद पूजा-पाठ शुरू किया जा रहा है। फिरोजाबाद के मुस्लिम बहुल इलाके में भी करीब 30 सालों से बंद एक पुराना मंदिर मिला है, जिसका ताला प्रशासन ने खोला। हिंदूवादी संगठन बजरंग दल की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई की। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। फिरोजाबाद के शहीद चौक के सामने बेहद तंग गली में मुस्लिम बहुल इलाका है, जहां गली के कोने पर एक मंदिर में सालों से ताला पड़ा हुआ था। बजरंग दल को जब इसकी जानकारी मिली कि यह शिव मंदिर काफी समय से बंद है, तब भारी फोर्स की तैनाती के बाद जिला प्रशासन ने मंदिर का ताला खुलवाया। हालांकि इस मंदिर का ताला खुलने का विरोध किसी ने नहीं किया। कई दशक पहले यहां हिंदू परिवार का घर था, उसमें ही गली के बाहर ये मंदिर था। वह परिवार गली को छोड़कर चला गया और मंदिर में ताला लगा हुआ है। मंदिर के अंदर की दीवारों पर धार्मिक शब्द लिखे हुए हैं और यहां खंडित मूर्तियां रखी हुई हैं। फिरोजाबाद के सिटी मजिस्ट्रेट राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस मंदिर का निर्माण संवत 2020 (साल 1963) में हुआ था और लंबे समय से बंद पड़ा था। करीब 60 साल पुराना मंदिर है। मंदिर के खुलने से स्थानीय समुदाय को उनके धार्मिक अधिकार वापस मिले हैं। वहां का मुस्लिम समुदाय ने भी इस पहल का स्वागत किया। उनका कहना है कि मंदिर खोलने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और यहां कोई विवाद नहीं है।

## तमिलनाडु विधानसभा में संविधान और राष्ट्रगान का अपमान, नाराज राज्यपाल सदन से बाहर आए

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा में राज्यपाल आर.एन रवि राष्ट्रगान और संविधान का तिरस्कार करने पर आपत्ति दर्ज कर बाहर चले गए। इस बारे में राज्यपाल कार्यालय ने पोस्ट में जानकारी दी। राज्यपाल के आधिकारिक एक्स हैंडल पर कहा गया कि तमिलनाडु विधानसभा में आज एक बार फिर संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया। विधानसभा में राज्यपाल के आने पर केवल तमिल थाई वाज्थु गाया गया, जबकि संविधान में राष्ट्रगान का सम्मान करना हर नागरिक का कर्तव्य दर्ज है। राज्यपाल ने इस पर आपत्ति जताकर सदन को उसके संवैधानिक कर्तव्य की याद दिलाई और मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष से राष्ट्रगान गाने का अनुरोध किया। लेकिन, उसके आग्रह को नजरअंदाज कर राज्य सरकार ने राष्ट्रगान गाने से इंकार कर दिया। इस अपमानजनक घटना के कारण राज्यपाल ने गहरी नाराजगी जताकर सदन को छोड़ दिया। वहीं राज्यपाल के विधानसभा भवन के बाहर जाने के बाद अन्ना विश्वविद्यालय के मामले को लेकर एआईएडीएमके के सदस्यों ने हाथों में पोस्टर लेकर विरोध प्रदर्शन किया। पोस्टर में लिखा हुआ था कि आखिर मामले में आरोपी कौन है? भाजपा विधायकों का कहना है कि अन्ना विश्वविद्यालय मामले में अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है, इसलिए वे विधानसभा से बाहर चले गए। कांग्रेस के विधायक मामले में अपना रोष प्रकट करने के लिए हाथों में बैज पहनकर आए थे। पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु विधानसभा में राष्ट्रगान के बजाय राज्यगीत गाने के मामले सामने आ रहे हैं।

## बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में 4,590 पन्नों की चार्जशीट दाखिल, सलमान से करीब होना बनी हत्या की वजह

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई क्राइम ब्रांच ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) कोर्ट में 4,590 पन्नों की चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में सिद्दीकी के मर्डर केस मामले में 26 आरोपियों को नामजद किया है। इसके अलावा इसमें तीन आरोपियों जीशान अख्तर, शुभम लोनकर, अनमोल बिश्नोई को फरार बताया गया है। चार्जशीट में कई लोगों के बयान भी पुलिस ने दर्ज किए हैं। क्राइम ब्रांच की जांच के मुताबिक, सिद्दीकी हत्या के तीन प्रमुख कारण हैं। पहला सलमान खान से करीबी, अनुज थप्पन की आत्महत्या का बदला या बिश्नोई गैंग का मुंबई में वर्चस्व स्थापित करना और अपना खौफ पैदा करना। क्राइम ब्रांच हत्या की इन तीन वजहों को स्थापित करने के लिए आरोपी लोनकर की सोशल मीडिया की पोस्ट को भी आधार बनाया है। चार्जशीट में 210 लोगों के बयान भी दर्ज हैं।

## विरोधियों को गिरिराज सिंह की दो टूक, जब इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी, तब से कुंभ मेला लग रहा



* महाकुंभ का आयोजन वक्फ की जमीन पर करने का किया था दावा

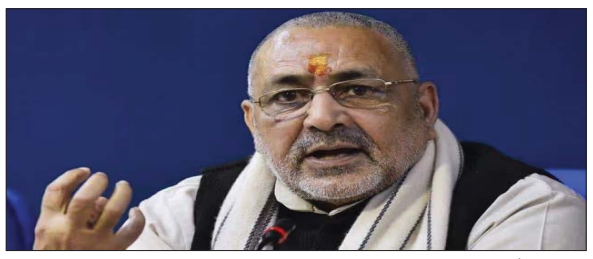

पटना (एजेंसी)। महाकुंभ का आयोजन वक्फ की जमीन पर करने का दावा करने वाले बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कुछ कट्टरपंथी मुसलमान देश के अंदर माहौल को बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने नाराज होते हुए कहा जब इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी, तब से कुंभ मेला लग रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कुछ लोग देश में माहौल बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने पूछा, क्या कांग्रेस ने उन्हें ऐसा करने को कहा था, क्या कांग्रेस माहौल बिगाड़ रही है कि भारत में बांग्लादेश वाली स्थिति पैदा की जाए, जिस समय इस्लाम की पैदाइश नहीं हुई थी तब से कुंभ मेला का आयोजन हो रहा है। इसतरह के बयान देकर बेवजह हिंदुओं को उकसाना, हिंदुओं से झगड़ा करने का माहौल तैयार करना है। केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि कुंभ मेला पर इस तरह का बयान देना कहीं से सही नहीं है। उन्होंने पूछा कि इस बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उद्धव ठाकरे, लालू यादव, अखिलेश यादव की जुबान बंद क्यों है? सबकी मुंह में बर्फ क्यों जम गया?

इसके पहले ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि कुंभा का मेला जहां लग रहा हैं वहां जमीन वक्फ की है। मुसलमान बड़े दिल वाले हैं, अखाड़ा परिषद उनके प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं। मौलाना शहाबुद्दीन ने कहा कि प्रयागराज के निवासी ने दावा किया है कि कुंभ के मेले की जहां तैयारियां हो रही हैं, वहां जमीन वक्फ की संपत्ति है। ये जमीन करीब 54 बीघा है। मुसलमानों ने बड़ा दिल दिखाकर कोई आपत्ति नहीं की है। कुंभ मेले के सारे इंतजाम इसी वक्फ की जमीन पर हो रहे हैं। मगर, दूसरी तरफ अखाड़ा परिषद और दूसरे बाबा लोग मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगा रहे हैं।

## दिल्ली से बांग्लादेशी होंगे बाहर, दस्तावेजों की हो रही जांच, हजारों की हुई पहचान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान की जा रही है। उनके दस्तावेजों की जांच हो रही है। प्रशासन से जुड़े अधिकारियों को कहना है कि फर्जी तरीके से दस्तावेज तैयार किए गए हैं। इनके पास बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आधार व वोटर कार्ड मिले हैं। 16 हजार लोगों की सूची तैयार की गई है। दिल्ली के सभी 15 जिलों की झुग्गियों में वर्षों से अपना ठिकाना बनाकर अवैध रूप से रहने वाले लाखों बांग्लादेशी नागरिकों को वापस अपने देश लौटना होगा। गृह मंत्रालय व उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने इनकी पहचान कर वापस बांग्लादेश भेजने की कवायद तेज कर दी है।

एक माह के दौरान 15 जिले की पुलिस ने 16,000 संदिग्ध बांग्लादेशियों की सूची तैयार की है। इनसे चरणबद्ध तरीके से पूछताछ व उनके दस्तावेज की जांच की जा रही हैं। इनमें 750 संदिग्धों के बारे में पुलिस को पूरा शक है कि ये बांग्लादेशी हो सकते हैं। इनके पास बंगाल, असम, बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी व हरियाणा के आधार व वोटर कार्ड मिले हैं।इनमें कुछ के पास नए व कुछ के पास वर्षों पुराने दस्तावेज पाए गए। इन 750 संदिग्धों के आधार कार्ड के बारे में दिल्ली पुलिस ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से जानकारी मांगी है। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण से यह बताने को कहा गया है कि आधार कार्ड बनवाने के लिए इन्होंने क्या दस्तावेज जमा किए थे। अवैध रूप से आधार कार्ड व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाने वाले संदिग्ध बांग्लादेशियों के सभी दस्तावेज जब्त कर पुलिस संबंधित विभागों के सहयोग से जुटी हुई है। फर्जी तरीके से आधार व अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाने की पुष्टि होते ही उनके उक्त दस्तावेज रद कर दिए जाएंगे और उन्हें पकड़ कर वापस बांग्लादेश भेज दिया जाएगा।

### 75 बांग्लादेशियों को वापस भेजा

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा भी संबंधित लोगों को जवाब तलब किया जाएगा। दिल्ली पुलिस मुख्यालय सूत्रों के मुताबिक एक माह के दौरान अब तक 75 बांग्लादेशियों को वापस बांग्लादेश भेज दिए गए हैं। इनकी सूची विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को भी भेज दी गई है। सबसे अधिक बांग्लादेशी दक्षिण, दक्षिण-पूर्वी व दक्षिण-पश्चिम जिले में पकड़े गए हैं।इन तीन जिले में बड़ी संख्या में झुग्गी बस्ती हैं, जिनमें लाखों की संख्या में बांग्लादेशी रहते हैं। इनमें अधिकतर भारतीय दस्तावेज बनवा रखे हैं। पुलिस अधिकारी का कहना है कि अब बांग्लादेश से टूरिस्ट व बिजनेस वीजा पर दिल्ली आने वाले बांग्लादेशियों के बारे में भी पता लगा उनके बारे में जांच शुरू कर दी गई हैं।

### फर्जी दस्तावेज बनवाने वाला गिरोह सक्रिय

दक्षिण जिला पुलिस ने हाल ही में दो ऐसे गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है जो बांग्लादेशी नागरिकों के आधार कार्ड बनवा रहे थे। गिरोह के तार बांग्लादेशी एजेंटों से भी जुड़े थे जो बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पार कराने, ट्रांसपोर्टेशन के लिए तत्काल फर्जी भारतीय पहचान पत्र मुहैया कराने, दिल्ली लाने व यहां उन्हें जगह मुहैया करवाने के बाद उनके असली आधार कार्ड बनवा रहे थे।

## पहाड़ों पर बर्फबारी से उत्तर प्रदेश में बढ़ा सर्दी का असर, लोग ठंड से बचने के लिए ले रहे आग का सहारा, प्रयागराज में अलाव व्यवस्था की मांग



इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण मौसम में बड़ी ठंडक छाई हुई है। नवाबादा, प्रयागराज, लखनऊ जैसे स्थानों में लोगों को थंड से बचाव के लिए आग का सहारा लेना पड़ रहा है। चौंकाने वाली बात है कि यहां की सर्दी लगभग लेह, लद्दाख जैसी ठंडी जगहों के स्तर को पहुंच गई है। सर्दी का मौसम अभी और भी ख़तरनाक होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में भी ठंड का सितम जारी रहेगा। अब तक तबाही मचाने वाली सर्द ने प्रदेशवासियों की नींद उड़ा दी है और दिन-रात की जिंदगी में बड़ी ख़लल डाल रही है। प्रयागराज में लोगों को सूर्य के दर्शन नाम मात्र ही हो रहे हैं, जबकि घने कोहरे के कारण सड़कों पर वाहनों की रफ्तार भी धीमी हो गई है। आम नागरिक लकड़ी जलाने से ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। नगर निगम की ओर से अलाव की व्यवस्था हो रही है, लेकिन कुछ अविकसित क्षेत्रों में लोगों को सर्दी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर एक नागरिक ने अपील की है कि सभी जगह अलाव की व्यवस्था की जाए ताकि सर्दी से बचने के लिए लोगों को आग का सहारा मिल सके। इसी संदर्भ में एक और व्यक्ति ने बताया कि सर्दी का मौसम बढ़ रहा है और अविकसित क्षेत्रों में लकड़ी की कमी ने लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां लोग प्रकार-प्रकार की लकड़ी जला कर ठंड से बचने का प्रयास कर रहे हैं। भविष्य में भी सर्दी की स्थिति और गंभीर होने की संभावना है और इससे बचने के लिए अलाव की व्यवस्था की जानी चाहिए।

## इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की उठी मांग, पीएम मोदी को लिखा गया पत्र

* अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने लिखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने इंडिया गेट का नाम बदलकर भारत माता द्वार करने की मांग की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित पत्र में सिद्दीकी ने बताया कि यह बदलाव भारत के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दीकी ने कहा कि प्रतिष्ठित संरचना का नाम बदलकर भारत माता द्वार रखना राष्ट्र की भावना को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा और देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वालों के बलिदान का सम्मान करेगा।

दरअसल कर्तव्य पथ के पास स्थित इंडिया गेट, भारतीय सेना के करीब 75,000 सैनिकों के बलिदान का सम्मान करते हुए एक गंभीर युद्ध स्मारक के रूप में खड़ा है। इन सैनिकों ने प्रथम विश्व युद्ध (1914-1921) के दौरान फ्रांस, फ्लैंडर्स, मेसोपोटामिया, फारस, पूर्वी अफ्रीका, गैलीपोली और निकट और सुदूर पूर्व के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ तीसरे एंग्लो के दौरान अपने जीवन का बलिदान दिया। सर एडविन लुटियंस द्वारा डिजाइन किया गया, इंडिया गेट की स्थापत्य शैली रोम में कॉन्सटेंटाइन के आर्क जैसे प्राचीन रोमन विजयी मेहराबों से प्रेरणा लेती है।

इंडिया गेट की तुलना पेरिस में आर्क डी ट्रायम्फ और मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया जैसी प्रतिष्ठित संरचनाओं से भी की जाती है भारत के सबसे बड़े युद्ध स्मारकों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त, इंडिया गेट राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। गणतंत्र दिवस पर, प्रधानमंत्री अमर जवान ज्योति पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए स्मारक पर जाते हैं, जिसके बाद गणतंत्र दिवस परेड शुरू होती है, जो इसे भारत की औपचारिक परंपराओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बनाती है। पिछले साल जुलाई में, राष्ट्रपति भवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल और अशोक हॉल का नाम बदलकर क्रमशः गणतंत्र मंडप और अशोक मंडप कर दिया गया था।

## कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री राव ने कहा, एचएमपीवी मामले देश के पहले केस नहीं

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु में तीन और आठ महीने की उम्र के दो शिशुओं में मिले ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के दो मामले भारत में पहले नहीं हैं। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, हम इन मामलों को देश का पहला मामला नहीं कह सकते। यह वायरस देश में पहले से ही मौजूद है। हो सकता है कि व्यक्ति का इस विशिष्ट वायरस के लिए परीक्षण किया गया हो और इसका पता चला हो। कर्नाटक सरकार में मंत्री राव ने बताया, यह साबित नहीं हुआ है कि बेंगलुरु में पाया गया मामला भारत का पहला मामला है। यह दावा सच नहीं है। यह एक मौजूदा वायरस है और एक निश्चित प्रतिशत लोग इससे प्रभावित हैं। यह कोई नई बात नहीं है।

वहीं मंत्री राव ने स्पष्ट किया कि वायरस से संक्रमित बच्चे का कोई विदेशी यात्रा इतिहास नहीं है और वह स्थानीय परिवार से हैं। राव ने कहा, उनमें से किसी ने भी चीन, मलेशिया या किसी अन्य देश की यात्रा नहीं की है। चीन में प्रकोप एचएमपीवी के एक नए प्रकार से जुड़ा हुआ है। हमारे पास अभी तक पूरी जानकारी नहीं है, और सरकार अभी भी जानकारी जुटा रही है। उन्होंने कहा, यह एचएमपीवी का एक नया वेरिएंट हो सकता है। हालांकि, एचएमपीवी एक ऐसा वायरस है जो भारत में पहले से ही लंबे समय से मौजूद है। यह सर्दी, फ्लू और खांसी जैसे सामान्य लक्षण पैदा करता है, जो आमतौर पर कुछ समय बाद कम हो जाते हैं। मुझे नहीं लगता कि हमें मामले को पहला केस कहना चाहिए। उन्होंने लोगों से कहा है कि वह बिल्कुल भी न घबराएं। यह एक मौजूदा वायरस है जो आता है और चला जाता है। चीन में स्थिति अलग है और इस पर सरकार बारीकी से नजर रखे हुए है। इस दौरान मंत्री ने कुछ नई जानकारी जुटाने और अगले कदमों पर निर्णय लेने के लिए आपातकालीन बैठक आयोजित करने की जानकारी दी। राव ने कहा, समय से पहले निर्णय नहीं लिया जा सकता है। पीसीआर जांच हमेशा से उपलब्ध रही है, लेकिन हमें यह निर्धारित करने की आवश्यकता है कि क्या यह आवश्यक है। हमें यह आकलन करना चाहिए कि क्या यह एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता है। सिर्फ इसलिए कि एक मामला पाया गया है, हम पैनिक मोड में नहीं जा सकते। यदि हम सर्दी के लक्षणों वाले सभी लोगों की जांच करते हैं, तो कोई न कोई वायरस मिलने की संभावना है।

## किसान नेता डल्लेवाल के शरीर पर मांस नहीं बचा, क्या मोदी सरकार डल्लेवाल को यूं ही मरने देगी?

* खनौरी बॉर्डर पर बढ़ती जा रही आंदोलनकारियों की संख्या

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खनौरी बॉर्डर पर 42 दिनों से अनशन कर रहे भारतीय किसान यूनियन (सिद्धूपुर) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की हालत नाजुक होती जा रही है। किसान नेता डल्लेवाल लगातार उल्टियां कर रहे हैं। डॉक्टरों की ओर से बताया गया कि उनके शरीर पर अब मांस नहीं बचा है। लीवर, किडनी और फेफड़ों में खराबी आ गई है। अब हालत यह है कि अगर डल्लेवाल का अनशन खत्म कर देते हैं, तब भी रिकवरी मुश्किल है। हालांकि केंद्र की ओर से अभी तक अनशन खत्म कराने की कोई सुगबुगाहट नहीं दिख रही है। अब सवाल यह है कि क्या मोदी सरकार डल्लेवाल को यूं ही मरने देगी?

लोकतंत्र में आमरण अनशन विरोध का सबसे अहिंसक तरीका है। किसान नेता डल्लेवाल भी एमएसपी को लेकर कानून बनाने की मांग पर अड़े हैं। वे पिछले 26 नवंबर से खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे हैं। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित कमेटी ने आंदोलनकारी किसान से बातचीत करने की पेशकश की, इस मांग को किसान नेताओं ने खारिज कर दिया। डल्लेवाल का स्वास्थ्य हर दिन खराब हो रहा है। 70 साल के किसान नेता कैंसर के मरीज हैं और दवाइयां भी नहीं ले रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद पंजाब सरकार ने धरनास्थल पर मेडिकल टीम, एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट सिस्टम और एंबुलेंस को तैनात किया, मगर डल्लेवाल ने मेडिकल सपोर्ट लेने से मना कर दिया है। उनकी हालत गंभीर होती दिख रही है।

वहीं खनौरी बॉर्डर पर आंदोलनकारियों की भीड़ बढ़ती जा रही है, मगर केंद्र हालात को नजर अंदाज कर रही है। हर मंगलवार को किसानों से मिलने वाले कृषि मंत्री ने बयान दिया था कि मामले को सुप्रीम कोर्ट देख रहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन होगा। यह रवैया मोदी सरकार की मुश्किलें बढ़ा सकता है, क्योंकि आंदोलनकारियों के बीच मीडिया में छपी कई कहानियां तैरने लगी हैं। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि 2020 के आंदोलन के दौरान किसान संगठनों ने 11 दौर की बातचीत के बाद अड़ियल रवैया अपनाया था और वार्ता फेल हो गई। 8 दिसंबर 2020 को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बातचीत करने पूसा पहुंचे थे, मगर किसानों ने बातचीत से इनकार किया था। किसानों के इस रुख से मोदी सरकार की काफी किरकिरी हुई थी। चार साल पुराने अनुभव के कारण केंद्र सरकार सीधे तौर से बातचीत की पहल नहीं कर रही है।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा गया कि केंद्र सरकार बयान क्यों नहीं दे रही है कि वह वास्तविक मांगों पर विचार करेगी और हम किसानों से चर्चा के लिए तैयार हैं। इसके जवाब में मेहता ने बताया था कि शायद कोर्ट को इससे जुड़े फैक्टर्स की जानकारी नहीं है। केंद्र हर किसान को लेकर चिंतित है। किसान संगठनों का कहना है कि 2020 के किसान आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार ने एमएसपी की कानूनी गारंटी, लोन माफी, स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने जैसी मांगों पर विचार करने का लिखित आश्वासन दिया था। दल्लेवाल भी वादे को लागू करने की मांग कर रहे हैं, मगर कोई केंद्र सरकार इस मुद्दे पर बातचीत नहीं करना चाहती है।



डल्लेवाल का आमरण अनशन विख्यात पर्यावरणविद स्वामी ज्ञान स्वरूप सानंद उर्फ प्रोफेसर जीडी अग्रवाल की याद दिला रहा है। जी डी अग्रवाल ने भी गंगा की सफाई को लेकर 112 दिनों तक आमरण अनशन करते हुए प्राण त्यागे थे। उन्होंने गंगा में गिरते प्रदूषित नालों और पवित्र नदी की सफाई के नाम पर खर्च हुए अरबों रुपये पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने भी अनशन से पहले प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी थी, मगर जवाब नहीं मिला। 2018 में जी डी अग्रवाल ने एम्स ऋषिकेश में अंतिम सांस ली और उनके साथ ही एक बड़ा आंदोलन खत्म हो गया।